MOU Holder and Distributors
RN
METALS Pvt. Ltd
Distributors of SAIL & VSP products in Telangana
Stockist of MS Beams MS Channel, MS Angle, MS Plates, TMT Bars
A-23/5 & 6, APIE, BALANAGAR, HYD.-500 037
040-23774718, 040-23774719, 9160111471

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

MINISO
Please visit store nearest to you at these locations :
IRRUMMANZIL (L&T MALL)
MOOSARAMBAGH (L&T MALL)
KOMPALLY (TNR PLAZA)

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | बुधवार, 18 फरवरी, 2026 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | website : https://www.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-8 रु. | वर्ष-8 | अंक-48

पार्किंग खिच-खिच दूर

जीएचएमसी लाएगा स्मार्ट सुविधा

हैदराबाद, 17 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।
हैदराबाद का नाम सुनते ही सबसे पहले ट्रैफिक समस्या याद आती है। इसके अलावा, किसी भी सड़क पर जाने पर वाहन कहां पार्क करें, यह हैदराबाद में सबसे बड़ी समस्या बनी हुई है।

ऐसे ही हैदराबाद में वाहन चालकों के लिए जीएचएमसी ने शुभ समाचार दिया है। बाहरी स्थानों में वाहन पार्क करने में लोगों को हो रही परेशानी को देखते हुए जीएचएमसी ने एक नई व्यवस्था शुरू की है।

जीएचएमसी स्मार्ट पार्किंग ऑन स्ट्रीट्स प्रोजेक्ट को लागू करने जा रही है। यह नई व्यवस्था माई जीएचएमसी मोबाइल ऐप से जुड़ी हुई है।

ऐप में विशेष लिंक के माध्यम से वाहन चालकों को स्ट्रीट पार्किंग स्लॉट ऑनलाइन पहचानकर बुक करने की सुविधा दी गई है। इसके अलावा पार्किंग स्थलों पर सेंसर लगाकर खाली स्लॉट्स की जानकारी ऐप में लगातार अपडेट की जाएगी।

ऐप में ही शुल्क जमा कर बुकिंग की सुविधा

अधिकारियों के अनुसार, 500 मीटर की परिधि में उपलब्ध स्लॉट्स को निर्धारित शुल्क चुकाकर बुक किया जा सकता है। पैदल चलने की समस्या के समाधान के रूप में इस प्रोजेक्ट को लाया जा रहा है। पिछले साल खैरताबाद जोन के अंतर्गत अक्टूबर में इस प्रोजेक्ट के लिए टेंडर जारी किए गए थे। टेंडर प्रक्रिया सफलतापूर्वक पूरी हो चुकी है और दो कंपनियों ने यह ठेके हासिल कर लिए हैं।

14 क्षेत्रों में स्मार्ट पार्किंग ऑन स्ट्रीट्स

जीएचएमसी संबंधित कंपनियों को सात-सात करके कुल 14 क्षेत्र आवंटित कर पार्किंग स्लॉट्स स्थापित करेगी। इसके अलावा चुने गए स्थानों पर इलेक्ट्रिक वाहनों के चार्जिंग केंद्र भी स्थापित किए जाएंगे।

वर्तमान में इन कंपनियों से संबंधित पार्किंग क्षेत्रों की बात करें तो व्रुथि सोल्यूशन को सोमाजीगुड़ा में द पार्क होटल, नेकलेस रोड रेलवे स्टेशन, शेखपेट फ्लाईओवर के नीचे पार्किंग स्थल आवंटित किये जाएँगे।

इसके अलावा सत्यम थिएटर के पास, सोमाजीगुड़ा चौराहे में सीएमआर ज्वैलर्स के सामने फ्लाईओवर के नीचे, बाजार घाट में मल्लेपल्ली वार्ड कार्यालय, जीएचएमसी मुख्य कार्यालय, एमजीबीएस के पास स्टेट लाइब्रेरी के सामने भी स्मार्ट पार्किंग ऑन स्ट्रीट्स स्थापित किया जा रहा है।

यहां भी पार्किंग उपलब्ध

जूकी टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड के अंतर्गत लिबर्टी चौराहे में टीटीडी मंदिर, हिमायतनगर, वन प्लस स्टोर, मेहदीपटनम पीवीएनआर एक्सप्रेसवे के नीचे, बशीरबाग फ्लाईओवर से लिबर्टी चौराहे तक, अबिड्स में ताज महल होटल, चर्मास, ब्लू सी रेस्टोरेंट जैसे क्षेत्रों में भी स्मार्ट पार्किंग ऑन स्ट्रीट्स स्थापित किया जाएगा

ग्रेटर हैदराबाद कटघरे में

विलय के फैसले की वैधता पर उठा सवाल

हैदराबाद, 17 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।
तेलंगाना उच्च न्यायालय ने ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी) में 27 नगरपालिकाओं के विलय के राज्य सरकार के फैसले की संवैधानिक वैधता पर सवाल उठाए हैं। अदालत ने यह जानना चाहा कि क्या तेलंगाना नगरपालिका (संशोधन) अधिनियम, 2026 को अधिसूचित करने से पहले सभी अनिवार्य संवैधानिक मापदंडों की जांच की गई थी। तुक्कुगुडा के आर. लक्ष्मण और राजमोनी राजू सहित कई निवासियों द्वारा दायर याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए, अदालत ने राज्य सरकार से स्पष्टीकरण मांगा कि क्या इस प्रक्रिया में संविधान का पालन किया गया है।

अनुच्छेद 243(क्यू) के उल्लंघन पर कोर्ट की टिप्पणी

अदालत की पीठ ने विशेष रूप से संविधान के अनुच्छेद 243(क्यू)(2) का उल्लेख किया। कोर्ट ने सरकार से पूछा कि क्या विलय से पहले जनसंख्या का आकार, घनत्व, गैर-कृषि रोजगार का प्रतिशत, स्थानीय प्रशासन के लिए उत्पन्न राजस्व और आर्थिक व्यवहार्यता जैसे आवश्यक मानदंडों का आकलन किया गया था। अदालत ने सवाल किया कि क्या यह विलय पूरी तरह से संवैधानिक प्रावधानों के अनुरूप किया गया है।

संशोधन अधिनियम को याचिकाकर्ताओं ने दी चुनौती

याचिकाकर्ताओं की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता एल. रविचंदर ने तर्क दिया कि यह विलय संवैधानिक रूप से मान्य नहीं है और सरकार अनुच्छेद 243(क्यू) और 243(यू) का पालन करने में विफल रही है। ▶10 पर

हाइड्रा के बुलडोजर जस्टिस पर कोर्ट सख्त

तेलंगाना उच्च न्यायालय ने मंगलवार को सरकारी संपत्ति का दावा करते हुए भूमि पर बाड़ लगाने की हाइड्रा की कार्रवाई पर कड़ी आपत्ति जताई है। अदालत ने सवाल किया कि क्या यह एजेंसी खुद को बुलडोजर न्याय पर सुप्रीम कोर्ट के फैसलों से बंधा हुआ मानती है या नहीं। न्यायमूर्ति एन.वी. श्रवण कुमार ने हाइड्रा के वकील से पूछा, क्या हाइड्रा बुलडोजर फैसले में निर्धारित प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों का पालन नहीं करना चाहती?

एनआरआई व्यवसायी की याचिका पर सुनवाई

यह टिप्पणियाँ एनआरआई व्यवसायी प्रसाद एन. तंजरला द्वारा दायर एक याचिका की सुनवाई के दौरान की गईं। याचिकाकर्ता ने आरोप लगाया कि एजेंसी ने गुडीमलकापुर में उनके 1,351 वर्ग गज के भूखंड पर एक शेड को ध्वस्त कर दिया और क्षेत्र की घेराबंदी कर दी। उन्होंने दावा किया कि यह कार्रवाई 2000, 2003 के अदालती आदेशों और हाल ही के एक उच्च न्यायालय के फैसले का उल्लंघन है। ▶10 पर

अभिनेत्री प्रत्युषा मृत्यु मामला

आरोपी को सरेंडर करने का आदेश

नई दिल्ली/हैदराबाद, 17 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।
सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को तेलुगु अभिनेत्री प्रत्युषा की 2002 में हुई मौत के मामले में अपनी सजा को चुनौती देने वाली एक व्यक्ति की याचिका को खारिज कर दिया। अदालत ने दोषी को चार सप्ताह के भीतर आत्मसमर्पण (सरेंडर) करने का निर्देश दिया है।

न्यायमूर्ति राजेश बिंदल और न्यायमूर्ति मनमोहन की पीठ ने प्रत्युषा की माँ पी. सरोजिनी देवी द्वारा दायर उस याचिका को भी खारिज कर दिया, जिसमें उन्होंने मौत में साजिश का आरोप लगाया था। पीठ ने स्पष्ट किया कि मामले में गला घोंटने या बलात्कार के कोई साक्ष्य नहीं हैं। अदालत ने कहा, गला घोंटकर हत्या की संभावना खारिज की जाती है। दूसरा, चश्मदीद और चिकित्सीय साक्ष्य यह साबित करते हैं कि मृत्यु जहर के कारण हुई थी। तीसरा, अपीलकर्ता आरोपी के खिलाफ बलात्कार का अपराध सिद्ध नहीं होता है। इस विलंबित चरण में यह आरोप लगाना कठिन है कि मृत्यु का कारण बलात्कार और गला घोंटना था। उल्लेखनीय है कि प्रत्युषा की मृत्यु 24 फरवरी 2002 को हैदराबाद में हुई थी। ▶10 पर

सड़क पर गंदगी को लेकर रेवंत की कड़ी चेतावनी

ऑन-द-स्पॉट सस्पेंड

हैदराबाद, 17 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।
मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने मंगलवार को नगरपालिका प्रशासन और शहरी विकास (एमएयूडी) विभाग के कार्यों की समीक्षा बैठक के दौरान अधिकारियों को सख्त लहजे में चेतावनी दी है। मुख्यमंत्री, जो स्वयं इस विभाग का प्रभार संभाल रहे हैं, ने स्पष्ट किया कि यदि शहर की सड़कें गंदी पाई गईं, तो संबंधित अधिकारियों को मौके पर ही निलंबित (ऑन-द-स्पॉट सस्पेंशन) कर दिया जाएगा।

विभाजन के बाद पहली समीक्षा बैठक

नगर निगम को तीन हिस्सोंसाइबराबाद, मल्काजगिरि और हैदराबादमें विभाजित किए जाने के बाद यह पहली आधिकारिक बैठक थी। इस नई व्यवस्था का नेतृत्व विशेष सचिव जयेश रंजन कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी) के विभाजन से उत्पन्न परिचालन समस्याओं को हल करने के लिए कई सुझाव दिए और तीनों निगमों में स्वच्छता पर विशेष ध्यान देने का आह्वान किया। उन्होंने आयुक्तों और जोनल आयुक्तों को प्रतिदिन सुबह फील्ड में रहने का निर्देश दिया है।

स्मार्ट पोल और स्काईवॉक का विस्तृत अध्ययन

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को पूरे शहर में, विशेष रूप से प्रमुख जंक्शनों पर स्मार्ट पोल लगाने के संबंध में एक विस्तृत अध्ययन करने का आदेश दिया। इसके साथ ही, भारी यातायात वाले स्थानों पर सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) मोड में स्काईवॉक ब्रिज के निर्माण की व्यवहार्यता तलाशने के निर्देश भी दिए। यातायात की भीड़ को कम करने के लिए नेकलेस रोड रेलवे स्टेशन के पास मल्टी-लेवल कार पार्किंग विकसित करने की योजना पर भी चर्चा की गई।

शहर में विज्ञापन बोर्डों के नियमन पर जोर देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि अनुमति देते समय सावधानी बरती जाए ताकि सरकारी राजस्व का नुकसान न हो। उन्होंने निर्देश दिया कि कुल विज्ञापन स्थान का 10 प्रतिशत सरकारी कार्यक्रमों के लिए आरक्षित किया जाए। विज्ञापनदाताओं से वार्षिक शुल्क वसूला जाए। अनधिकृत होर्डिंग्स के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। ▶10 पर

जल्द शुरू होगा वाहन पोर्टल

आरटीए की 52 सेवाएँ होगी अब ऑनलाइन

हैदराबाद, 17 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।
परिवहन सेवाओं को पूरी तरह डिजिटल बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए, परिवहन विभाग जल्द ही वाहन पोर्टल शुरू करने की योजना बना रहा है। इस एकल ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के माध्यम से वाहन संबंधी सभी सेवाओं को एक छत के नीचे लाया जाएगा।अधिकारियों के अनुसार, इस प्रणाली को सबसे पहले सिकंदराबाद क्षेत्रीय परिवहन प्राधिकरण (आरटीए) में पायलट आधार पर शुरू किया जाएगा। यहाँ सफलता मिलने के बाद, इसे हैदराबाद के सभी आरटीओ कार्यालयों में विस्तारित किया जाएगा। वर्तमान में ड्राइविंग लाइसेंस संबंधी सेवाएं सारथी पोर्टल के माध्यम से दी जा रही हैं, और अब वाहन पोर्टल के आने से 52 प्रकार की वाहन-संबंधी सेवाएं पारदर्शी और सुलभ हो जाएंगी। आधिकारिक अनुमान के अनुसार, ग्रेटर हैदराबाद सीमा के भीतर लगभग 89 लाख वाहन पंजीकृत हैं। इन सभी वाहनों के रिकॉर्ड को नई प्रणाली में स्थानांतरित या अपडेट किया जाएगा। पोर्टल लागू होने के बाद- 1) नया वाहन खरीदने पर ग्राहक को डिलीवरी मिलने से पहले ही उसका पंजीकरण वाहन पोर्टल पर कर दिया जाएगा। ▶10 पर

राजनीति कीचड़, मैं खुद फंसा हूँ

छिंदवाड़ा में बोले राजा सिंह

छिंदवाड़ा, 17 फरवरी (एजेंसियाँ)।
गोशामहल, हैदराबाद के भाजपा विधायक टी. राजा सिंह ने छिंदवाड़ा में आयोजित हिंदू गर्जना रैली के दौरान विवादित बयान दिया। उन्होंने कहा कि कई नेता अलग-अलग क्षेत्रों में अलग-अलग तरह की भाषा और प्रतीकों का इस्तेमाल करते हैं। अपने ऊपर हुए हमलों का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि अगर कोई उनकी जान लेना चाहता है तो पूरी तरह ले, लेकिन यदि वे बच गए तो सख्त जवाब देंगे। उन्होंने नो केस, नो एफआईआर की मांग भी रखी और कहा कि यदि सरकार उनकी मांगें मानती है तो उनके बजरंगी 10-10 बांग्लादेशियों का सिर काटेंगे। उनका कहना था कि बजरंगियों को सरकार बांग्लादेशियों को भगाने की खुली छूट दें। भाजपा विधायक ने यह भी कहा कि यदि कभी उनका राज आया तो एक आतंकी का सिर काटने वाले को 50 हजार रुपए का इनाम दिया जाएगा।

धर्मसभा को संबोधित करते हुए टी. राजा सिंह ने कहा कि राजनीति कीचड़ की तरह है, जिसमें वे खुद फंस चुके हैं और अपने बच्चों को इसमें नहीं फंसाना चाहते। उन्होंने कहा कि वे अपने बच्चों को धर्म के लिए समर्पित करने की शिक्षा देंगे।

इस दौरान उन्होंने छत्रपति शिवाजी महाराज और संभाजी महाराज का उल्लेख करते हुए धार्मिक समर्पण पर जोर दिया।

सभा के दौरान टी. राजा सिंह ने असदुद्दीन ओवैसी और उनके भाई अकबरुद्दीन ओवैसी पर भी टिप्पणी की। ▶10 पर

भारतीय मुसलमान भी हिन्दू

'घर वापसी' तेज़ हो : भागवत

लखनऊ, 17 फरवरी (एजेंसियां)।
राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत ने मंगलवार को लखनऊ में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान कई सामाजिक और जनसंख्या संबंधी मुद्दों पर विचार व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि भारत में रहने वाले मुसलमान भी हिंदू हैं और वे किसी अरब देश से नहीं आए हैं। उन्होंने घर वापसी अभियान को तेज करने की बात कही और कहा कि जो लोग हिंदू धर्म में लौटते हैं, उनका ध्यान रखना समाज की जिम्मेदारी है।

घुसपैठ पर सख्त रुख 1 डिटेक्ट डिलीट और डिपोर्ट

संघ प्रमुख ने बढ़ती घुसपैठ पर चिंता जताते हुए कहा कि घुसपैठियों को डिटेक्ट, डिलीट और डिपोर्ट करना होगा। उन्होंने कहा कि ऐसे लोगों को रोजगार नहीं दिया जाना चाहिए। हिंदुओं की घटती जनसंख्या दर पर बोलते हुए भागवत ने कहा कि हिंदुओं के कम से कम तीन बच्चे होने चाहिए। उन्होंने कहा कि वर्तमान जनसंख्या दर 2.1 है, जबकि इसे कम से कम 3 होना चाहिए।

उन्होंने तर्क दिया कि जिस समाज में औसतन तीन से कम बच्चे होते हैं, वह समाज भविष्य में समाप्त हो सकता है। उन्होंने नवविवाहित दंपतियों से अपील की कि वे कम से कम तीन बच्चे पैदा करें।

भागवत ने कहा कि विवाह का उद्देश्य सृष्टि को आगे बढ़ाना होना चाहिए, न कि केवल वासना की पूर्ति। उन्होंने कहा कि इसी भावना से कर्तव्यबोध उत्पन्न होता है।

यूजीसी गाइडलाइंस पर स्पष्टीकरण

उन्होंने स्पष्ट किया कि यूजीसी की गाइडलाइंस किसी के खिलाफ नहीं हैं और समाज को साथ लेकर चलना होगा। उन्होंने कहा यदि एक व्यक्ति गड्ढे में गिरा हुआ है तो उसे बाहर निकलने के लिए हाथ उठाना होगा और बाहर खड़े व्यक्ति को उसे बाहर निकालने के लिए थोड़ा झुककर हाथ बढ़ाना होगा। जब दोनों हाथ बढ़ाएंगे तभी बात बनेगी। भागवत ने समाज को जातियों में बंटने पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि हमें जाति के चक्कर में नहीं पड़ना चाहिए। ▶10 पर

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

फाइनरेनोन दवा ओवेरियन इनसफिशिएंसी के उपचार में प्रभावी

टोक्यो, 17 फरवरी (एजेंसियां)।

क्रोनिक किडनी डिजीज और हार्ट फेलियर के इलाज में इस्तेमाल होने वाली दवा फाइनरेनोन समय से पहले ओवेरियन इनसफिशिएंसी के उपचार में भी प्रभावी हो सकती है। यह कहना है शोधकर्ता वैज्ञानिकों का। यह अध्ययन जापान की जुंटेंडो यूनिवर्सिटी और हांगकांग यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं द्वारा किया गया है।

शोधकर्ताओं को उम्मीद है कि यह खोज इनफर्टिलिटी के इलाज में एक नई थेरेपी के रूप में विकसित हो सकती है। जुंटेंडो यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर काजुहिरो कवामुरा ने कहा कि टीम का लक्ष्य ओवरी स्टिमुलेशन को बेहतर बनाना और अधिक असरदार दवाओं की खोज करना है। समय से पहले ओवेरियन इनसफिशिएंसी का शिकार महिलाओं के पीरियड्स 40 वर्ष की उम्र से पहले ही बंद हो जाते हैं। इस स्थिति में अक्सर ओवेरियन फाइब्रोसिस विकसित हो जाता है, जिससे फालिकल ग्रोथ रुक जाती है। फाइनरेनोन किडनी और हार्ट टिशू में फाइब्रोसिस को रोकने के लिए जानी जाती है, और अब यही दवा ओवरी में भी इसी तरह की प्रक्रिया को रोकने में सक्षम साबित हो रही है।

क्लिनिकल ट्रायल में इस कंडीशन वाली महिलाओं को फाइनरेनोन दी गई, साथ ही ओवरी स्टिमुलेशन और ओवम मैचुरेशन के लिए अन्य दवाओं का भी उपयोग किया गया। परिणामस्वरूप, इन विट्रो फर्टिलाइजेशन (आईवीएफ) के जरिए एक फर्टिलाइज्ड अंडा प्राप्त हुआ, जो इस थेरेपी की संभावनाओं को मजबूत करता है। क्लिनिकल परीक्षण से पहले शोधकर्ताओं ने चूहों पर प्रयोग किया ताकि यह पता लगाया जा सके कि क्या फाइनरेनोन फालिकल ग्रोथ को बढ़ावा देती है। नतीजों से स्पष्ट हुआ कि दवा दिए गए चूहों ने सामान्य से अधिक संख्या में बच्चे पैदा किए और जन्मे बच्चों में कोई असामान्यता भी नहीं पाई गई।

गौरतलब है कि 2013 में प्रोफेसर कवामुरा ने इन विट्रो एक्टिवेशन नामक एक नई इनफर्टिलिटी ट्रीटमेंट तकनीक विकसित की थी। इस तकनीक में लैप्रोस्कोपी के जरिए ओवरी का एक हिस्सा निकालकर मेडिकल एजेंट्स की मदद से फालिकल्स को सक्रिय किया जाता है और फिर उन्हें ओवेरियन मेम्ब्रेन के नीचे ट्रांसप्लांट किया जाता है। हालांकि यह तरीका प्रभावी है, लेकिन इसमें जनरल एनेस्थीसिया की आवश्यकता पड़ती है, जो कई मरीजों के लिए उचित नहीं है। इसी कारण वैज्ञानिक टीम एक ऐसी ओरल दवा की खोज कर रही थी जो इसी तरह का प्रभाव दिखा सके।

न्यूज़ ब्रीफ

ड्रैगन की नई चाल का सैटेलाइट तस्वीरों से खुलासा, दिखे बड़े-बड़े बंकर, पहाड़ खोदकर चीन ने बना डाले परमाणु ठिकाने

बीजिंग। अमेरिका ने कई बार यह दावा किया कि चीन ने गुप्त रूप से परमाणु परीक्षण किया है। हालांकि चीन ने इस तरह के दावों को नकारा और अमेरिका के आरोप को निराधार और सरासर झूठ बताया, लेकिन इन सब आरोप-प्रत्यारोप के बीच ड्रैगन की सीक्रेट चाल का खुलासा हो गया है। जिसके बाद भारत की टेंशन बढ़ सकती है। न्यूयार्क टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार चीन अपने परमाणु हथियार कार्यक्रम को तेजी से बढ़ा रहा है। बीजिंग दक्षिण-पश्चिमी सिचुआन प्रांत में पहाड़ों के अंदर गुप्त रूप से परमाणु हथियारों से जुड़ी सुविधाओं का तेजी से विस्तार कर रहा है। द न्यूयार्क टाइम्स ने अपनी रिपोर्ट में रविवार को बताया कि 2022 और 2026 के बीच ली गई उपग्रह तस्वीरों के भू-स्थानिक विश्लेषण से दक्षिण-पश्चिम चीन के सिचुआन प्रांत में गुप्त परमाणु हथियार सुविधाओं के महत्वपूर्ण विस्तार का पता चला है। घाटी में नए बने बंकर और दीवारें दिखी भू-स्थानिक खुफिया विशेषज्ञ रेनी बाबियारज द्वारा साझा किए गए निष्कर्षों से संकेत मिलता है कि 2019 से चीन के परमाणु निर्माण में तेजी आई है, जो देश की रणनीतिक क्षमताओं में एक अहम मोड़ है। सिचुआन में जिटोंग नाम की एक साइट पर इमेज से घाटी में नए बने बंकर और दीवारें दिखती हैं। उस जगह पर एक नए बने काम्प्लेक्स में बड़ा पाइपिंग इंफ्रास्ट्रक्चर है, जिसके बारे में एनालिस्ट्स का कहना है कि यह उन सुविधाओं से मेल खाता है, जो खतरनाक मटीरियल को हैंडल करती हैं। इसलिए किया जा रहा बंकरों का इस्तेमाल विश्लेषण में बताए गए एक्सपर्ट्स का अंदाजा है कि बंकरों का इस्तेमाल शायद उच्च-विस्फोटक परीक्षण करने के लिए किया जा रहा है। यह एक प्रक्रिया है, जिसका इस्तेमाल केमिकल डेटोनेटर को रिफाइन करने के लिए किया जाता है, जो एक वारहेड में न्यूक्लियर मटीरियल को कंप्रेस करते हैं। न्यूयार्क टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक चीन लगातार अपनी रणनीतिक स्थिति को मजबूत करने में जुटा है।

वाशिंगटन के प्यू रिसर्च सेंटर की एक व्यापक वैश्विक रिसर्च की रिपोर्ट में खुलासा

वाशिंगटन। हाल ही वाशिंगटन स्थित प्यू रिसर्च सेंटर द्वारा जारी एक व्यापक वैश्विक रिसर्च की रिपोर्ट आई है, जिसमें बताया गया कि सिंगापुर दुनिया का सबसे अधिक धार्मिक विविधता वाला देश है। वहीं अगर केवल दुनिया के 10 सबसे अधिक आबादी वाले देशों की बात की जाए, तो अमेरिका धार्मिक रूप से सबसे विविध राष्ट्र बनकर उभरा है। प्यू रिसर्च की रिपोर्ट में बताया गया है कि सिंगापुर धार्मिक मेलजोल का एक अनूठा उदाहरण है। यहाँ की आबादी का वितरण सात प्रमुख समूहों में काफी संतुलित है, लेकिन किसी भी एक धर्म के लोगों के अधिकता नहीं है। रिसर्च के मुताबिक, सिंगापुर में यहां किसी भी एक धर्म का पूर्ण बहुमत (50 प्रतिशत से अधिक) नहीं है, जो इसे दुनिया का सबसे विविध देश बनाता है। यहां बौद्ध 31 प्रतिशत (सबसे बड़ा समूह), धार्मिक रूप से असंबद्ध 20 प्रतिशत, ईसाई 19 प्रतिशत, मुस्लिम 16 प्रतिशत, हिंदू 5 प्रतिशत और अन्य धर्म 9 प्रतिशत हैं। बड़ी आबादी वाले देशों की स्थिति दुनिया की 10 सबसे बड़ी आबादी वाले देशों यानी भारत, चीन, अमेरिका, नाइजीरिया आदि के विश्लेषण में यह बताया गया है कि धार्मिक विविधता के लिहाज से पहले नंबर पर अमेरिका है।

तारिक रहमान का 31 प्वाइंट प्लान बन सकता है भारत-बांग्लादेश संबंध सुधार में पुल

ढाका। बांग्लादेश चुनाव में बीएनपी की बड़ी जीत के साथ तारिक रहमान के पीएम बनने का रास्ता साफ हुआ है। चुनाव नतीजों के बाद तारिक की नीतियों को लेकर चर्चा जारी है। रहमान सरकार में भारत और बांग्लादेश के रिश्ते में बदलाव हो सकता है। भारत और बांग्लादेश का रिश्ता बीते 18 महीनों में यूनुस सरकार के समय निचले स्तर पर पहुंच गया है। तारिक के एजेंडे और भारत के सकारात्मक रुख ने चीजें बदलने के संकेत दिए हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, भारत ने बांग्लादेश की नई वाली सरकार के साथ काम करने को लेकर उम्मीद जाहिर की है। बीएनपी का इतिहास भारत के साथ रिश्ते के मामले में बहुत अच्छा नहीं रहा है, लेकिन पार्टी के मौजूदा चेयरमैन रहमान का विकास एजेंडा दोनों देशों के रिश्ते नार्मल करने का मौका बन सकता है।

मिस्र की वैली आफ किंग्स में भारतीय रहस्य 2000 साल पुराने तमिल-ब्राह्मी शिलालेख

काहिरा, 17 फरवरी (एजेंसियां)।

20वीं सदी की शुरुआत में खोजने के बाद से ही मिस्र की वैली आफ किंग्स दुनिया भर के लोगों को अपनी ओर आकर्षित करती है। नील नदी की घाटी में मौजूद इस जगह पर तीन हजार साल से भी पहले मिस्र के न्यू किंगडम पर राज करने वाले फिरौन की क्रब है। हजारों सालों में इस जगह पर विजिटर्स ने अपने निशान छोड़े हैं। इनमें कुछ निशान इसतरह के थे जिन पर करीब एक सदी तक किसी का ध्यान नहीं गया। ये निशान भारतीय थे, जो ये साबित करते हैं कि भारतीय व्यापारी 2000 साल पहले मिस्र तक गए थे।

शोधकर्ताओं ने मिस्र में राजाओं की घाटी के उच्च सुरक्षा वाले शाही मकबरों के अंदर 2,000 साल पुराने तमिल-ब्राह्मी शिलालेखों की खोज की है। स्विट्जरलैंड के विद्वान प्रोफेसर ने अंतरराष्ट्रीय तमिल पुरालेख सम्मेलन के उद्घाटन सत्र के दौरान अपना शोधपत्र प्रस्तुत किया। ये निष्कर्ष इसकी पुष्टि करते हैं कि प्राचीन तमिल व्यापारी अन्वेषण और पर्यटन के लिए मिस्र के आंतरिक भागों तक की यात्रा करते थे। प्रोफेसर स्ट्राच ने रामेसेस-6 के मकबरे सहित चट्टानों को काटकर बनाई गई छह कब्रों में तमिल-ब्राह्मी और प्राकृत में लिखे करीब 30 शिलालेखों का दस्तावेजीकरण किया।

सबसे महत्वपूर्ण खोज सिकई कोर्रान' (प्राचीन तमिलभाषी व्यापारी के लिए प्रयुक्त) नाम है, जो आठ अलग-अलग स्थानों पर पाया जाता है। शोधकर्ताओं ने रेखांकित किया कि शिलालेख में विशेष रूप से सिकई कोर्रान वरा कांता' लिखा है, जिसका अनुवाद सिकई कोर्रानआये और देखे' गए होता है, जो उसी परिसर में पाए जाने वाले यूनानी पर्यटक भित्तिचित्रों की शैली से मेल खाते हैं।

प्रोफेसर ने सम्मेलन में आए प्रतिनिधियों को संबोधित कर कहा कि हालांकि मिस्र में तमिलों की उपस्थिति के पहले के साक्ष्य बेरेनिके जैसे बंदरगाह शहरों तक ही सीमित थे, लेकिन ये शिलालेख साबित करते हैं कि भारतीय व्यापारी केवल इलाके से गुजरने वाले नाविक भर नहीं थे। उन्होंने रेखांकित किया कि व्यापारी लंबे समय तक ठहरते थे और उसमें तट से दूर स्थित अंतर्देशीय विरासत स्थलों का दौरा करने की जिज्ञासा होती थी। प्रोफेसर ने कहा कि सिकई' नाम का अर्थ है गुच्छा या मुकुट, और कोर्रान नाम का अर्थ है नेता, जो यह दर्शाता है कि वह व्यक्ति प्रारंभिक ऐतिहासिक काल के व्यापारी संघों में महत्वपूर्ण स्थिति का व्यक्ति था। तमिलनाडु राज्य पुरातत्व विभाग द्वारा आयोजित सम्मेलन का उद्घाटन राज्य के वित्त और पुरातत्व मंत्री थंगम तेन्नारासु ने किया।

इस मौके पर मंत्री ने रेखांकित किया कि शिलालेख समाज का एक प्रामाणिक कालानुक्रमिक रिकार्ड प्रदान करते हैं, जो बाद के साहित्यिक कार्यों में अक्सर पाए जाने अनुमानों से मुक्त हैं। उन्होंने उल्लेख किया कि भारत में प्रलेखित शिलालेखों में से लगभग 30,000 तमिलनाडु में पाए जाते हैं, जो छठी शताब्दी ईसा पूर्व से लेकर अब तक का एक अटूट इतिहास प्रस्तुत करते हैं। यह सम्मेलन 14 फरवरी को समाप्त होगा।

नेपाल में चुनाव को लेकर सरगर्मियां तेज, आरपीपी ने जारी किया घोषणा-पत्र

काठमांडू। नेपाल में 5 मार्च को होने वाले चुनाव को लेकर सरगर्मियां तेज हो गई हैं। इसे लेकर सभी पार्टियां अपने-अपने वादे कर रही हैं। नेपाल की राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी (आरपीपी) ने नेपाल में राजतंत्र की वापसी की मांग मेनिफेस्टो के जरिए उठाई है। अपने चुनावी घोषणा-पत्र में पार्टी ने पृथ्वी पथ को राष्ट्र निर्माण का मार्गदर्शक सिद्धांत बताया है। इसमें सेक्युलरिज्म को खारिज कर हिंदू राष्ट्र बनाने की बात कही है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पार्टी अध्यक्ष राजेंद्र लिंगदेन ने काठमांडू में पार्टी के केंद्रीय कार्यालय में घोषणा-पत्र पेश किया, जिसमें नेपाल को हिंदू राष्ट्र बनाने, राजतंत्र की बहाली, प्रांतीय संरचना को समाप्त कर दो-स्तरीय शासन अपनाने, चुनावी सुधार और अच्छे शासन पर जोर दिया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी ने 5 मार्च को होने वाले चुनाव के लिए इस घोषणा-पत्र को तैयार किया है, जिसमें आर्थिक परिवर्तन के 6 स्तंभों वाले माडल को नेपाल की समृद्धि का आधार बताया है। पार्टी ने भ्रष्टाचार पर जीरो टालरेंस, स्थानीय क्षेत्रों को स्वतंत्र बनाने और पृथ्वी पथ को शासन की भावी दिशा के रूप में अपनाया है। घोषणा-पत्र में राजनीतिक स्थिरता, सुशासन, आर्थिक सुधार और सामाजिक न्याय के जरिए समृद्धि को बढ़ावा देने पर फोकस है।

मैं अब राजनेता नहीं हूं और न ही बन सकता हूं, चुनाव लड़ा तो बीवी तलाक दे देगी

वाशिंगटन, 17 फरवरी (एजेंसियां)।

अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा ने एक पाडकास्ट में मजाकिया अंदाज में कही बात

अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा ने साफ कहा है कि वे दोबारा चुनावी राजनीति में नहीं लौटेंगे। इस बार उन्होंने यह बात हल्के-फुल्के अंदाज में कही। एक पाडकास्ट में बराक ओबामा ने मुस्कुराते हुए कहा कि सबसे पहले तो मैं अब राजनेता नहीं हूं और न ही बन सकता हूं। उन्होंने माना कि संविधान कुछ पदों के लिए तकनीकी रूप से इजाजत दे सकता है, लेकिन उनकी खुद की कोई इच्छा नहीं है कि वे फिर से चुनाव लड़ें। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बराक ओबामा जितने अच्छे राजनेता के तौर पर जाना जाता है, उन्हें उतना ही बेहतरीन फैमिली मैन भी माना जाता है। यही वजह है कि उनकी लोकप्रियता अमेरिका के अलावा दूसरे देशों में भी थी। उन्होंने जब से राष्ट्रपति का पद छोड़ा, तब से वे राजनीति में सक्रिय नहीं हैं, हालांकि कई बार उनसे इसे लेकर सवाल किए गए। यहां भी जब उनसे पूछा गया कि वे राजनीति में वापसी करेंगे, तो उन्होंने मजाकिया अंदाज में कहा कि मैं संविधान पर भी भरोसा करता हूं और अपनी शादी पर भी। रिपोर्ट के मुताबिक ओबामा ने आगे कहा कि अगर मैंने दोबारा चुनाव लड़ने की कोशिश की तो मिशेल मुझे तलाक दे देंगी। उनके इस बयान पर हंसी के ठहाके लगे और तालियां भी बजीं। ओबामा ने कहा कि व्हाइट हाउस छोड़ने के बाद उनकी प्राथमिकताएं बदल चुकी हैं। अब वे और उनकी पत्नी मिशेल ओबामा युवाओं को प्रेरित करने और उनका मार्गदर्शन करने पर ध्यान देना चाहते हैं। उनका मानना है कि अमेरिका में असली बदलाव 20 और 30 साल के युवा ही लाएंगे। उन्होंने कहा कि नई पीढ़ी ही हमारे संस्थानों को फिर से गढ़ेगी। इस तरह ओबामा ने साफ कर दिया कि उनकी राजनीति अब चुनावी मैदान में नहीं, बल्कि नई पीढ़ी को दिशा देने में दिखाई देगी। ओबामा ने हाल ही में सोशल मीडिया पर हुए एक विवाद का भी जिक्र किया। अमेरिका के मौजूदा राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के ट्रुथ सोशल अकाउंट पर एक वीडियो साझा हुआ था।

उत्तर कोरिया में तानाशाह अपनी बेटी को सौंप सकता हैं पद......बहन लगा सकती है अड़ंगा

प्योंग यांग। उत्तर कोरिया में राजनीतिक भविष्य पर नई अटकलें तेज हुई हैं। देश के लंबे समय से शासक, किम जोंग उन को पूरी दुनिया जानती है। बीते 15 साल से वह सत्ता में हैं और उनके शासनकाल में उत्तर कोरिया ने लगातार मिसाइल परीक्षणों और परमाणु क्षमता बढ़ा रहा हैं। केवल 27 साल की उम्र में सत्ता संभालने वाले किम की अगली पीढ़ी को लेकर अब चर्चा जोर पकड़ रही है। उनके संभावित उत्तराधिकारी उनकी 13 वर्षीय बेटी किम यूए हो सकती हैं। यदि ऐसा होता है, तब उत्तर कोरिया में पहली बार किसी महिला को सर्वोच्च पद मिलने का मार्ग खुलेगा।
किम परिवार का शासन उ.कोरिया में 1948 से जारी है। उस वर्ष किम इल-सुंग ने देश की गद्दी संभाली थी। इसके बाद उनके बेटे किम जोंग इल ने सत्ता संभाली, और 2011 में उनके निधन के बाद किम जोंग उन ने शासन संभाला। खबरें हैं कि किम जोंग उन अपनी बेटी को सत्ता हस्तांतरण के लिए तैयार कर रहे हैं। परिवार की वंशानुगत सत्ता की परंपरा को ध्यान में रखते हुए यह कदम भविष्य में किम परिवार की नियंत्रण रेखा को कायम रखने की दिशा में देखा जा रहा है। हालांकि संभावित उत्तराधिकार में चुनौती की संभावना भी है। तानाशाह किम की बहन किम यो जोंग, जिन्हें उत्तर कोरिया की दूसरी सबसे शक्तिशाली हस्ती है, उनके पास भी राजनीतिक और सैन्य समर्थन मौजूद है।

रूस है सबसे अधिक वन क्षेत्र वाला देश, भारत 9 वें नंबर पर

लंदन, 17 फरवरी (एजेंसियां)।

क्या आपको पता है, दुनिया का अधिकांश वन क्षेत्र कुछ चुनिंदा देशों में केंद्रित है। हालिया वैश्विक रिपोर्ट्स के अनुसार, रूस दुनिया का सबसे अधिक वन क्षेत्र वाला देश है, जहां लगभग 832.6 मिलियन हेक्टेयर भूमि घने जंगलों से ढकी हुई है। यह वैश्विक वन क्षेत्र का 20 प्रतिशत से भी अधिक हिस्सा है। रूस के जंगल मुख्य रूप से साइबेरिया में फैले हैं, जिन्हें टैगा वन कहा जाता है। यहां लंबे समय तक बर्फबारी रहती है और जंगलों का बड़ा भाग सालभर बर्फ की चादर में ढका रहता है। इन वनों में साइबेरियाई बाघ और भूरे भालू जैसे दुर्लभ जीव पाए जाते हैं।

दूसरे स्थान पर है ब्राजील, जो लगभग 486 मिलियन हेक्टेयर जंगलों का घर है। यहां स्थित अमेजन वर्षा वन दुनिया का सबसे बड़ा उष्णकटिबंधीय जंगल है, जिसे धरती के फेफड़े के रूप में जाना जाता है। अमेजन लाखों प्रजातियों के पौधों और जानवरों का घर है और वैश्विक जैव विविधता का सबसे महत्वपूर्ण केंद्र माना जाता है।

कनाडा लगभग 368.8 मिलियन हेक्टेयर वन क्षेत्र के साथ तीसरे स्थान पर है। यहां के विशाल बोरियल जंगल देश के लगभग 40 प्रतिशत हिस्से को ढकते हैं। न्यूफाउंडलैंड और लैब्राडोर से लेकर यूकान तक फैला यह क्षेत्र वन्य जीवन और वनस्पतियों की विविधता से भरपूर है। यहां मानव हस्तक्षेप अन्य देशों की तुलना में काफी कम है। चौथे स्थान पर है संयुक्त राज्य अमेरिका, जहां लगभग 308.9 मिलियन हेक्टेयर वन क्षेत्र मौजूद है। अलास्का के बोरियल वन, पश्चिमी क्षेत्रों के रेडवुड, एपलाचियन के पर्णपाती वन और हवाई के उष्णकटिबंधीय जंगल अमेरिका की वन विविधता को विशेष बनाते हैं। पांचवें स्थान पर आता है चीन, जिसका लगभग 227.2 मिलियन हेक्टेयर हिस्सा जंगलों से आच्छादित है। चीन ने पिछले दशक में बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण अभियान चलाए, जिसके चलते 2015 से 2025 के बीच हर साल औसतन 1.69 मिलियन हेक्टेयर नए जंगल जोड़े गए। भारत ने भी वैश्विक वन रैंकिंग में मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई है। एफएओ 2025 की रिपोर्ट के मुताबिक भारत दुनिया में नौवें स्थान पर है। यहां लगभग 72.7 मिलियन हेक्टेयर वन क्षेत्र फैला है हिमालय के शीतोष्ण वनों से लेकर सुंदरबन के मैंग्रोव और पश्चिमी घाट के वर्षावन इसकी प्राकृतिक विविधता को दर्शाते हैं।

चीन में लूनर न्यू ईयर बदल देता है तकदीर, जितने गिनो उतने नोट ले जाओ

बीजिंग, 17 फरवरी (एजेंसियां)।

चीन में लूनर न्यू ईयर यानी चंद्र नव वर्ष धूमधाम से मनाया जाता है। इस अवसर पर बंपर बोनस और गिफ्ट बांटने की प्रथा है। अब इस त्योहार के नजदीक आते ही चीन में कई कारोबारी बोनस बांटने में जुटे हैं। कई फर्में कर्मचारियों को नकद रकम दे रही हैं। इतना अधिक कैश बोनस मिल रहा है कि उसे हाथों में संभालना मुश्किल है। बोनस मिलने के बाद कर्मचारी इन पैसों को बाक्स, बैग में भरकर ले जाते नजर आ रहे हैं, जिसकी तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं।

यह परंपरा चीनी न्यू ईयर से पहले चरम पर पहुंच जाती है। इस दौरान चीनी फर्म साल भर के प्रदर्शन के आधार पर कर्मचारियों को पुरस्कृत करती हैं। नकद बोनस को एक रोचक खेल में बदल जाता है। हेनान प्रांत की एक क्रेन निर्माण कंपनी ने 50-70 मीटर लंबी टेबल पर लाखों युआन के नोट बिछा दिए और कर्मचारियों को 15 मिनट में जितना गिन सकें, उतना ले जाने की बात कह दी। चीन में यह परंपरा बड़ी अजीब है। अगर किसी ने सही काउंटिंग नहीं की तो उसकी गलत गिनती पर जुर्माना भी लगाया जाता है।

रिपोर्ट के मुताबिक एक कर्मचारी ने 97,800 युआन करी 14,500 अमेरिकी डालर तक गिन लिए। कंपनी ने कुल 100 मिलियन युआन यानी 14 मिलियन डालर का बोनस पूल बनाया, जिससे 5,000 कर्मचारियों को लाभ हुआ। एक अन्य फर्म ने 60 मिलियन युआन नकद बांटे, जहां कर्मचारी नोटों के पहाड़ से पैसे उठा रहे थे। जियांग्शी प्रांत में किसानों को भी रिकार्ड बोनस मिले, जहां 21.29 मिलियन युआन के ढेर बनाए गए। ये बड़े बोनस आर्थिक सुधार, मजबूत प्रदर्शन और कर्मचारियों को बनाए रखने की रणनीति का हिस्सा हैं। चीन में ऐसा मनता है न्यू ईयर।

चीनी संस्कृति में साल के अंत का बोनस घर लौटने और परिवार के साथ त्योहार मनाने के लिए अहम होता है। हालांकि सभी फर्म और कंपनियां नकद नहीं देतीं कुछ बैंक ट्रांसफर या गिफ्ट्स देती हैं, लेकिन नकद ढेर वाली घटनाएं सबसे ज्यादा चर्चा बटोरती हैं। यह ट्रेंड दिखाता है कि चीन में कुछ क्षेत्रों में आर्थिक रिकवरी मजबूत है, खासकर मैन्युफैक्चरिंग और टेक सेक्टर में कर्मचारी खुश हैं। लूनर न्यू ईयर 2026 में कई परिवारों के लिए बड़े तोहफे बन रहे हैं।

प्रौद्योगिकी से सशक्त एमएसएमई: योगी सरकार ने यूपी को बनाया डिजिटल औद्योगिक शक्ति केंद्र

लखनऊ,17 फरवरी (एजेंसियां) । उत्तर प्रदेश में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) क्षेत्र को प्रौद्योगिकी से जोड़ने की दिशा में प्रदेश सरकार ने बहुस्तरीय पहल की गति तेज कर दी है। डिजिटल प्लेटफॉर्म, प्रशिक्षण कार्यक्रमों, तकनीकी उन्नयन और नीतिगत सुधारों के माध्यम से प्रदेश के 96 लाख से अधिक एमएसएमई इकाइयों को प्रतिस्पर्धी और बाजारोन्मुख बनाने का प्रयास किया गया है। योगी सरकार के इन कदमों से उत्पादन क्षमता बढ़ी है और रोजगार सृजन को नई गति प्राप्त हुई है। डिजिटल अवसंरचना, नीतिगत सरलता और वित्तीय सहयोग के संयोजन ने प्रदेश को अग्रणी औद्योगिक केंद्र बनाने की आधारभूमि को तैयार करने का काम किया है। एमएसएमई सेक्टर की योजनाओं के लिए प्रदेश सरकार के बजट 2026-27 में 3,822 करोड़ रुपए प्रस्तावित हैं, जो वर्ष 2025-2026 की तुलना में 19 प्रतिशत अधिक है। वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट योजना के अंतर्गत मार्केटिंग डेवलपमेंट, टूलकिट वितरण और प्रशिक्षण के लिए ऑनलाइन प्लेटफॉर्म विकसित किया गया है। इसके माध्यम से एससी-एसटी और ओबीसी वर्ग के कारीगरों को तकनीक आधारित कौशल प्रशिक्षण दिया जा रहा है। पारंपरिक उत्पादों को ई-कॉमर्स और डिजिटल मार्केटिंग

से जोड़ने से स्थानीय वस्तुओं की पहुंच राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय बाजार तक बढ़ी है।एमएसएमई चैम्पियनशिप इनीशिएटिव (चैंपियंस पोर्टल) के अंतर्गत चयनित इकाइयों को आधुनिक मशीनरी को अपनाने, गुणवत्ता सुधार और डिजिटल टूल्स के उपयोग के लिए तकनीकी सहायता दी जा रही है। इस पहल का उद्देश्य उत्पादन लागत को घटाकर प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता को और विकसित करना है। लाखों इकाइयों को डिजिटल उन्नयन और विपणन सहयोग का लाभ मिल रहा है।उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा 24 जनवरी, 2021 को लॉन्च की गई उद्यम सारथी ऐप के जरिए डिजिटल रजिस्ट्रेशन, योजनाओं की जानकारी और संचालन मार्गदर्शन एक ही मंच पर उपलब्ध कराया गया है। इससे उद्यमियों की सरकारी योजनाओं और प्रोत्साहनों तक त्वरित पहुंच प्राप्त हो जाती है। प्रदेश में आरएएमपी (राइजिंग एंड एक्सेलेरेटिंग एमएसएमई परफार्मेंस) योजना विश्व बैंक समर्थित एक केंद्रीय पहल है। इसके अंतर्गत वित्तीय और तकनीकी समर्थन भी प्रदान किया जा रहा है, जिससे इकाइयों के विस्तार और आधुनिकीकरण को बल मिला है।वर्ष 2022 से लागू एमएसएमई नीति के माध्यम से प्रक्रियाओं को सरल बनाया गया है। प्लग एंड प्ले मॉडल से 72 घंटे में संचालन शुरू करने की सुविधा दी गई है। क्रेडिट प्रवाह में वृद्धि और पांच लाख रुपये तक बीमा कवरेज जैसी व्यवस्थाओं ने उद्यमियों को जोखिम प्रबंधन में सहूलियत प्रदान करने का काम किया है। इन उपायों से निवेश वातावरण मजबूत हुआ है।प्रौद्योगिकी आधारित सुधारों का असर रोजगार सृजन पर भी पड़ा है। एमएसएमई क्षेत्र पहले से ही करोड़ों लोगों की आजीविका का आधार रहा है और डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन से इसमें नए अवसर जुड़े हैं। ई-कॉमर्स और ऑनलाइन सप्लाई चेन से जुड़ने के कारण ग्रामीण और अर्धशहरी इकाइयों को व्यापक बाजार हासिल हुआ है।

राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस सत्ता में नहीं आएगी : रामदास आठवले

मुंबई,17 फरवरी (एजेंसियां) । केंद्रीय राज्य मंत्री रामदास आठवले ने कांग्रेस नेता मणिशंकर अय्यर के बयान पर कहा कि राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस सत्ता में नहीं आएगी, ऐसा अब उनकी पार्टी के नेताओं को भी लगने लगा है। मुंबई में आईएएनएस से बातचीत में केंद्रीय राज्यमंत्री रामदास आठवले ने कहा कि मणिशंकर अय्यर का बयान सही है। कांग्रेस पार्टी जनता का नेतृत्व नहीं कर सकती और राहुल गांधी पार्टी को मजबूत या प्रतिष्ठित नहीं बना सकते। मणिशंकर अय्यर ने जो कहा, यही उसका सार है। उन्होंने कहा कि मणिशंकर अय्यर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता हैं। मेरे साथ उनके संबंध बहुत अच्छे रहे हैं। अय्यर बहुत नाराज चल रहे हैं। कांग्रेस पार्टी के नेता भाजपा में आ रहे हैं और राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस सत्ता में नहीं आएगी।

कांग्रेस पार्टी घोषणाबाजी और हंगामा करने का काम करती है। कांग्रेस पार्टी में कुछ दम नहीं है। जनता ने पीएम मोदी को तीन बार सत्ता की कुर्सी पर बैठाया है। जनता का भरोसा पीएम मोदी के साथ है।बांग्लादेश में तारिक रहमान की सरकार बनने पर केंद्रीय राज्य मंत्री रामदास आठवले ने कहा कि बहुमत के साथ उनकी सरकार बनी है। भारत और बांग्लादेश के संबंध बहुत अच्छे रहे हैं। तारिक रहमान को भारत के साथ अच्छे संबंध बनाने की जरूरत है। बांग्लादेश की बेरोजगारी हटानी है तो भारत के साथ संबंध अच्छा बनाना चाहिए। चुनाव में उनकी जीत पर पीएम मोदी ने बधाई दी है। भविष्य में दोनों देशों के संबंध अच्छे होंगे।

टीपू सुल्तान विवाद पर केंद्रीय राज्यमंत्री रामदास आठवले ने कहा कि मालेगांव की डिप्टी मेयर के कार्यालय में टीपू सुल्तान की प्रतिमा रखने का निर्णय ठीक नहीं था। मुस्लिम समुदाय को विवाद वाली बात नहीं करनी चाहिए। कांग्रेस नेता को भी यह देखना चाहिए कि ऐसा बयान नहीं देना चाहिए जिससे विवाद पैदा हो। शिवाजी महाराज के साथ टीपू सुल्तान की तुलना नहीं करनी चाहिए। कांग्रेस नेता की हर तरफ निंदा हो रही है।

पीएम मोदी के मुंबई दौरे को लेकर केंद्रीय राज्य मंत्री रामदास आठवले ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मुंबई में हैं और उनके साथ फ्रांस के राष्ट्रपति भी हैं।

मानहानि मामला : मुंबई की अदालत ने दोषसिद्धि के खिलाफ संजय राउत की अपील पर सुनवाई टाली

मुंबई,17 फरवरी (एजेंसियां) । मुंबई की एक अदालत ने मंगलवार को शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत की अपील पर सुनवाई टाल दी। राउत ने पूर्व भाजपा सांसद किरीट सोमैया की पत्नी मेधा के. सोमैया द्वारा दायर मानहानि मामले में दोषी ठहराए जाने के खिलाफ अपील की थी। सत्र न्यायालय ने कार्यवाही टाल दी क्योंकि मेधा सोमैया की तरफ से कोई मौजूद नहीं था। राउत के वकील मनोज पिंगले ने कहा, मंगलवार को आखिरी सुनवाई होनी थी, लेकिन प्रतिवादी की तरफ से कोई पेश नहीं हुआ। हमने आज कुछ बची हुई दलीलें पूरी कर लीं। हमने सुप्रीम कोर्ट के फैसलों के आधार पर कुछ केस लॉ पेश किए, और अब

माननीय जज जो भी फैसला देंगे, हम उसे मानेंगे।

सितंबर 2024 में, मझगांव मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट कोर्ट ने मेधा सोमैया द्वारा 2022 में दायर मानहानि केस में राउत को दोषी ठहराया और उन्हें 15 दिन की जेल और 25,000 रुपए का जुर्माना लगाया।

इसके तुरंत बाद, राउत ने कोर्ट में एक अर्जी दी, जिसने उनकी जेल की सजा को निलंबित कर दिया ताकि वह अपील कर सकें और बेल दे दी। सजा की जानकारी देते हुए, मेधा सोमैया के वकील विवेकानंद गुप्ता ने कहा था, मेधा सोमैया द्वारा दायर मानहानि के केस में, मझगांव की 25वीं कोर्ट के मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट ने राउत को आईपीसी सेक्शन 500 के तहत 15 दिन की जेल और मुआवजे के तौर पर 25,000 रुपए का जुर्माना लगाया है।यह आदेश मेधा सोमैया द्वारा राउत के खिलाफ दायर दो साल पुराने मानहानि के केस में आया, जिसमें राउत ने मीरा रोड (ठाणे) में 100 करोड़ रुपए के टॉयलेट बनाने के घोटाले का आरोप लगाया था, जो सोमैया द्वारा चलाए जा रहे एक एनजीओ से जुड़ा था।

बिहार का दुर्भाग्य है कि नीतीश कुमार के रूप में 'अचेत' और 'कठपुतली' मुख्यमंत्री मिला : तेजस्वी यादव

पटना,17 फरवरी (एजेंसियां) । राजद के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष और बिहार विधानसभा में विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव ने मंगलवार को बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को 'अचेत' और 'कठपुतली' सीएम बताते हुए कहा कि यह बिहार का दुर्भाग्य है कि उसे ऐसा नेतृत्व मिला। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि आज प्रदेश को मुख्यमंत्री नहीं बल्कि कुछ चुनिंदा भ्रष्ट अधिकारी चला रहे हैं। तेजस्वी यादव ने मंगलवार को जननायक कर्पूरी ठाकुर की पुण्यतिथि समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि हम सभी कर्पूरी ठाकुर के अनुयायी हैं। हम सभी का फर्ज बनता है कि उनके सपनों को पूरा करें, लेकिन आज देश की स्थिति बदली हुई है। आज लोकतंत्र और संविधान को मिटाया जा रहा है, संवैधानिक संस्थाओं को समाप्त किया जा रहा है, और तानाशाही चरम पर है। ऐसे में हमारी लड़ाई का रास्ता इतना सरल नहीं है। उन्होंने राज्य में बढ़ते अपराध और भ्रष्टाचार पर सरकार को घेरते हुए कहा कि बिहार में विकास के नाम पर केवल जनता की

आंखों में धूल झोंकी जा रही है। उन्होंने सवाल किया कि पिछले 100 दिनों के शासन में बिहार में कितने नए कारखाने खुले और कितने युवाओं को रोजगार मिला। उन्होंने मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना को लेकर भी कहा कि क्या महिलाओं को 1.90 लाख रुपए मिल गए?

उन्होंने राजद के कार्यकर्ताओं को एकजुट रहने की अपील करते हुए कहा कि राजद कमजोर नहीं है, समय कमजोर है। तेजस्वी ने प्रशासनिक अधिकारियों के रवैये पर कड़ा आक्रोश व्यक्त करते हुए कहा कि राज्य में पुलिस और प्रशासन द्वारा राजद कार्यकर्ताओं को प्रताड़ित किया जा रहा है।तेजस्वी यादव ने आरोप लगाया कि चुनाव के दौरान मतदाताओं को डराने का काम किया गया। उन्होंने कहा कि जब हम लोगों का समय आएगा तो ऐसे लोगों को जवाब दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि पार्टी का जनाधार लगातार बढ़ रहा है और राजद का वोट शेयर 23-24 प्रतिशत से बढ़कर अब 40 प्रतिशत तक पहुंच चुका है।उन्होंने कहा कि होली के बाद बिहार के सभी जिलों में कार्यक्रम होगा और संगठन को विस्तार और मजबूत करने का कार्य किया जाएगा। यह कार्यक्रम अन्य राज्यों में भी चलाया जाएगा। उन्होंने कहा कि राजद को राष्ट्रीय पार्टी बनाने के लिए अन्य प्रदेशों में भी हमें मजबूत बनना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि वे झुकने वाले नहीं हैं और हर अत्याचार के खिलाफ संघर्ष जारी रखेंगे।

असम की सरकारी नौकरियों में चाय बागान जनजातियों के लिए 3 प्रतिशत आरक्षण को मंजूरी

गुवाहाटी,17 फरवरी (एजेंसियां) । असम मंत्रिमंडल ने मंगलवार को प्रथम और द्वितीय श्रेणी की सरकारी नौकरियों में चाय बागान जनजातियों और आदिवासी समुदायों के लिए तीन प्रतिशत आरक्षण को मंजूरी दे दी है। यह जानकारी असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने दी। मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने बताया कि यह राज्य के सबसे हाशिए पर स्थित वर्गों में से एक के लिए सकारात्मक कार्रवाई का एक महत्वपूर्ण विस्तार है। यह फैसला दिसपुर स्थित असम विधानसभा परिसर में आयोजित कैबिनेट बैठक में लिया गया है। इस कदम से चाय बागान जनजातियों और आदिवासी समुदायों को अब तृतीय और चतुर्थ श्रेणी के पदों में मौजूदा कोटा के अतिरिक्त उच्चस्तरीय सरकारी सेवाओं में भी आरक्षण का लाभ मिलेगा।

मुख्यमंत्री ने पत्रकारों को बताया कि यह निर्णय नीति-निर्माण और प्रशासनिक भूमिकाओं में चाय बागान

जनजातियों और आदिवासी युवाओं के अधिक प्रतिनिधित्व को सुनिश्चित करने के सरकार के इरादे को दर्शाता है।

असम की अर्थव्यवस्था में, विशेष रूप से चाय उद्योग के माध्यम से इस समुदाय के महत्वपूर्ण योगदान के बावजूद ऐतिहासिक रूप से यह समुदाय वरिष्ठ सरकारी पदों में कम प्रतिनिधित्व वाला रहा है।मंत्रिमंडल ने इस बात पर गौर किया कि प्रथम और द्वितीय श्रेणी के पदों के लिए आरक्षण का विस्तार करने से चाय बागान जनजातियों और आदिवासी पृष्ठभूमि के शिक्षित युवाओं के लिए नए अवसर खुलेंगे, उच्च शिक्षा को प्रोत्साहन मिलेगा और लंबे समय से चली आ रही सामाजिक और आर्थिक असमानताओं को दूर करने में मदद मिलेगी।

आरक्षण संबंधी निर्णय के अलावा, मंत्रिमंडल ने 2026-27 वित्तीय वर्ष के शुरुआती महीनों के लिए असम विधानसभा के समक्ष रखे जाने वाले वोट-ऑन-अकाउंट बजट विवरण को भी मंजूरी दी।एक अन्य महत्वपूर्ण कल्याणकारी पहल के तहत मंत्रिमंडल ने मुख्यमंत्री महिला उद्यमिता अभियान (एमएमयूए) योजना के तहत अतिरिक्त 1,07,532 पात्र महिला स्वयं सहायता समूह सदस्यों को उद्यमिता के लिए प्रारंभिक पूंजी जारी करने को मंजूरी दी।

अवसंरचना और विकास संबंधी निर्णयों में रक्षा मंत्रालय की ओर से परियोजना की डीपीआर को मंजूरी देने के बाद कार्बी आंगलोंग के लांगवोकु में दूसरे सैनिक विद्यालय के निर्माण को मंजूरी देना और खेल अवसंरचना विकास के लिए असम क्रिकेट एसोसिएशन के पक्ष में धेमाजी जिले में 31 बीघा से अधिक भूमि का निपटान करना शामिल था।

मंत्रिमंडल ने विरासत आधारित पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए जोरहाट के बोरभेटी परिसर के एकीकृत विकास के लिए 20 करोड़ रुपए भी स्वीकृत किए। स्कूल शिक्षकों के लिए अर्जित अवकाश को बढ़ाकर 15 दिन कर दिया और पदोन्नति मानदंडों को आसान बनाने के लिए असम कृषि सेवा नियमों में संशोधन किया।

मुख्यमंत्री ने तर्क दिया कि मंत्रिमंडल के निर्णय असम में सामाजिक न्याय, रोजगार, बुनियादी ढांचे और समावेशी विकास पर सरकार के समानांतर ध्यान केंद्रित करने को रेखांकित करते हैं।

तिहाड़ जेल से अभिनेता राजपाल यादव रिहा, समर्थन के लिए देशवासियों का जताया आभार

नई दिल्ली, 17 फरवरी (एजेंसियां) । अभिनेता राजपाल यादव तिहाड़ जेल से रिहा हो गए हैं। जेल से बाहर निकलने के बाद मीडिया से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा कि मुझे बॉलीवुड में काम करते हुए 30 साल हो गए हैं। देश के लोग हमारे साथ थे, तभी मैं इतनी फिल्में कर पाया हूं। मीडिया से बातचीत करते हुए राजपाल यादव ने कहा कि किस्सा 2012-13 में शुरू हुआ था। 2026 तक मैं 250 फिल्में कर चुका हूं। भारतीय सिनेमा से जुड़े बच्चे, बुजुर्ग और नौजवान मेरे कलेजे के टुकड़े हैं। सब मेरे साथ रहें। देश की जनता मेरे साथ रही। उन्होंने कहा कि इस मामले को लेकर कोर्ट से जो भी आदेश मिला, मैंने उसका पालन किया और उनके बुलाने पर हाजिर रहा हूं। आगे भी मैं उनके आदेशों का पालन करूंगा।

राजपाल यादव ने कोर्ट का आभार जताया और कहा कि उन्होंने मेरी बात सुनी।दिल्ली उच्च न्यायालय ने सोमवार को चेक बाउंस मामलों के संबंध में बॉलीवुड अभिनेता राजपाल यादव की सजा पर अंतरिम निलंबन प्रदान किया। न्यायमूर्ति स्वर्ण कांता शर्मा की एकल-न्यायाधीश पीठ ने 18 मार्च तक उनकी जेल से रिहाई का आदेश दिया। यह आदेश शिकायतकर्ता कंपनी के बैंक खाते में 1.5 करोड़ रुपए जमा होने की सूचना मिलने के बाद दिया गया।राजपाल यादव को राहत देते हुए न्यायमूर्ति शर्मा ने कहा, अगली सुनवाई की तारीख तक सजा को अंतरिम रूप से निलंबित किया जाए। आपको अदालत में उपस्थित होना चाहिए या वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से उपस्थित रहना चाहिए। हम किसी भी प्रकार की गड़बड़ी नहीं चाहते।इस मामले की अगली सुनवाई 18 मार्च को होगी और राजपाल यादव तब तक हिरासत से बाहर रहेंगे।दिल्ली उच्च न्यायालय द्वारा 2 फरवरी को पारित एक आदेश में राजपाल यादव को 4 फरवरी को शाम 4 बजे तक संबंधित जेल अधीक्षक के समक्ष आत्मसमर्पण करने का निर्देश दिया गया था।इसके बाद राजपाल यादव ने अदालत के निर्देश का पालन करते हुए जेल अधिकारियों के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया था।

कठुआ-सांबा में पांच पाकिस्तानी आतंकियों की तस्वीरें जारी, सुरक्षा बलों ने लोगों से मांगी मदद

जम्मू, 17 फरवरी (एजेंसियां) । अधिकारियों ने मंगलवार को जम्मू-कश्मीर के बॉर्डर जिलों कठुआ और सांबा में पांच संदिग्ध पाकिस्तानी आतंकवादियों की तस्वीरें जारी कीं और लोगों से आतंकियों की गतिविधियों को ट्रैक करने में मदद मांगी। सूत्रों ने यह जानकारी दी। ऑफिशियल सूत्रों ने बताया कि यह जम्मू-कश्मीर के बाहर से मिली इंटेलिजेंस इनपुट के बाद हुआ है, जिसमें बॉर्डर पार से आतंकियों की संदिग्ध घुसपैठ के बारे में बताया गया है। 'पब्लिक इन्फॉर्मेशन' टाइटल वाले इस पोस्टर में लोगों से अपील की गई है कि अगर कहीं भी संदिग्ध दिखे तो तुरंत सिक्योरिटी फोर्स, आर्मी, सेंट्रल रिजर्व पुलिस फोर्स, पुलिस या बॉर्डर सिक्योरिटी फोर्स को बताएं या हेल्पलाइन नंबर पर संपर्क करें।इसमें लोगों को यह भी भरोसा दिलाया गया है कि जानकारी देने वाले की पहचान गुप्त रखी जाएगी।सूत्रों ने बताया कि पंजाब में सिक्योरिटी एजेंसियों ने बॉर्डर पार से संदिग्ध आतंकवादियों की घुसपैठ के इंटेलिजेंस इनपुट शेयर किए थे।

उन्होंने आगे कहा, सिक्योरिटी फोर्स कठुआ, किश्तवाड़, उधमपुर, डोडा और सांबा जिलों में आतंकवादियों को बेअसर करने और बॉर्डर पार के आतंकी नेटवर्क को खत्म करने के लिए एंटी-टेरर ऑपरेशन तेज कर रही हैं।उन्होंने कहा, सिक्योरिटी फोर्स और पुलिस ने हाईवे, बॉर्डर एरिया और अंदरूनी इलाकों में एक्स्ट्रा चेकपॉइंट और एरिया डॉमिनेशन पेट्रोलिंग लगाई है, और सिक्योरिटी बढ़ाने के लिए खासकर बॉर्डर एरिया में सर्च कर रहे हैं।यह कदम डोडा जिले में पुलिस के पाकिस्तान-बेस्ड टेररिस्ट सैफुल्लाह बलूची के पोस्टर लगाने के कुछ ही समय बाद आया है, जो चिनाब वैली बेल्ट में एक्टिव विदेशी टेररिस्ट को ट्रैक करने के लिए लगातार ऑपरेशन का हिस्सा है।

एआई समिट में कुप्रबंधन से प्रतिभागी परेशान, बीटीएस से सीखे केंद्र सरकार : खड़गे

नई दिल्ली, 17 फरवरी (एजेंसियां) । कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने मंगलवार को नई दिल्ली के भारत मंडपम में हो रहे इंडिया-एआई इम्पैक्ट समिट में पूर्ण अराजकता और घोर कुप्रबंधन का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार को बेंगलुरु टेक समिट (बीटीएस) से सीखना चाहिए। मल्लिकार्जुन खड़गे ने दावा किया कि एआई इम्पैक्ट समिट के प्रतिभागियों को कई मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है, जैसे निजी इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस और बैग पर बैन, साथ ही डिजिटल और यूपीआई पेमेंट के बजाय कैश इस्तेमाल करने की जरूरत। खड़गे ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, जो पूरी दुनिया के लिए भारत की डिजिटल और एआई क्षमताओं को दिखाने वाला एक शोपीस एआई समिट हो सकता था, वह पीआर की भूखी इस सरकार द्वारा पूरी तरह से अव्यवस्था और घोर मिसमैनेजमेंट में बदल गया है।

उन्होंने आगे कहा, संस्थापक, प्रदर्शक और आगंतुक, सभी को पीएम के पहले ही दिन फोटो खिंचवाने के मौके के लिए घुसने की वजह से बहुत परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

कांग्रेस चीफ ने आरोप लगाया, प्रदर्शकों के पास खाना और पानी नहीं है, उनके प्रोडक्ट्स चोरी हो जाते हैं, डिजी यात्रा बुरी तरह फेल हो जाती है। लैपटॉप, पर्सनल इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस और यहां तक कि बैग भी बैन हैं। डिजिटल/यूपीआई पेमेंट के बजाय सिर्फ कैश लिया जाता है और फाउंडर्स को बिना बेसिक सुविधाओं के भारी रकम देनी पड़ती है और भी कई परेशानियां हैं।

उन्होंने कहा कि यह 'बहुत दुर्भाग्यपूर्ण' है कि भारत को 'अपनी ही सरकार की नाकाबिलियत की वजह से दुनियाभर में यह शर्मिंदगी झेलनी पड़ रही है।'खड़गे ने आगे कहा, शायद मोदी सरकार को बेंगलुरु टेक समिट (बीटीएस) से सीखना चाहिए, जो इतने बड़े पैमाने पर डिजिटल और टेक प्रोग्राम को आसानी से ऑर्गनाइज करने का एक सालाना इवेंट है।एआई इम्पैक्ट समिट आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर एक इंटरनेशनल समिट है, जो 16-20 फरवरी तक नई दिल्ली में हो रहा है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि यह समिट तीन 'सूत्रों', 'पीपुल, प्लानेट और प्रोग्रेस', पर आधारित है, जो आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय सहयोग के लिए भारत के फ्रेमवर्क को बताते हैं।

इस इवेंट का मकसद दुनियाभर के ग्लोबल लीडर्स, पॉलिसीमेकर्स, इनोवेटर्स और सब्जेक्ट-मैटर एक्सपर्ट्स को एक साथ लाना है ताकि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की भविष्य की दिशा पर बातचीत की जा सके।

विदेश मंत्रालय के मुताबिक, समिट में 45 से ज्यादा देशों के मिनिस्टीरियल डेलीगेशन भी हिस्सा लेंगे। यूनाइटेड नेशंस सेक्रेटरी-जनरल और कई इंटरनेशनल ऑर्गनाइजेशन के सीनियर रिप्रेजेंटेटिव शामिल होंगे।

परफेक्ट मुस्कान के पीछे उम्मीदों के बोझ को तलाशती संदीपा धर

ऐसी दुनिया में जहाँ परफेक्शन की सराहना तो होती है, लेकिन उसके पीछे छिपी भावनाओं को शायद ही कोई समझना चाहता है, वहां संदीपा धर दो दीवाने सहर में में नैना के एक बेहद संवेदनशील किरदार के साथ सामने आ रही हैं। नैना एक ऐसी युवती है, जो बाहर से पूरी तरह सुलझी हुई, आत्मविश्वासी और परफेक्ट दिखती है, लेकिन भीतर ही भीतर अपनी पहचान, अकेलेपन और अपेक्षाओं के बोझ से जूझ रही है। विशेष रूप से सलीके से सजी मुस्कान और सहज अंदाज़ के पीछे छिपी एक ऐसी कहानी, जो अपने अस्तित्व के साथ हर हाल में ठीक दिखने की थकान को बयां करती है। अपने किरदार नैना के बारे में बात करते हुए संदीपा कहती हैं, नैना वो लड़की है, जिसमें हममें से बहुत से लोग खुद को देख सकते हैं। वो मुस्कुराती है, हर ज़िम्मेदारी निभाती है और बाहर से लगता है कि सब कुछ कंट्रोल में है। लेकिन अंदर ही अंदर वो खुद से कटी हुई है, जैसे वो अपनी ही ज़िंदगी में एक किरदार निभा रही हो और असली खुद को भूल चुकी हो। हालांकि आज के समय में ये दबाव बहुत आम बात है, जहां हर हाल में ठीक दिखने की अपेक्षा की जाती है, फिर चाहे आपके अंदर कुछ भी चल रहा हो।

फिल्म की भावनात्मक गहराई पर बात करते हुए संदीपा आगे कहती हैं, दो दीवाने सहर में मुझे इसलिए खास लगी क्योंकि यह नज़रअंदाज़ होने की भावना को बेहद खूबसूरती से दिखाती है। कई बार जितना ज़्यादा आप परफेक्ट दिखते हैं, उतना ही मुश्किल हो जाता है ये स्वीकार करना कि अंदर कुछ टूट रहा है। सच खून तो नैना की जर्नी आईने के सामने खड़े होने और शायद पहली बार खुद से ईमानदार होने की है।

अपने किरदार से जुड़ी उम्मीदों पर संदीपा कहती हैं, मुझे यकीन है कि फिल्म देखने के बाद लोग खुद से ये ज़रूर पूछेंगे कि दुनिया की उम्मीदों से परे वे कौन हैं? हालांकि मेरी कोशिश है कि वे खुद को देखा हुआ महसूस करें, क्योंकि हर शांत और सधे हुए चेहरे के पीछे एक कहानी होती है, जो हमेशा सुनी नहीं जाती।

सच पूछिए तो 20 फरवरी को रिलीज़ हो रही फिल्म दो दीवाने सहर में के ज़रिए संदीपा धर दर्शकों को उन मुखौटों पर सवाल उठाने का, जिन्हें हम रोज़ पहनते हैं, और उन आईनों से सामना करने का, जिनसे हम अक्सर नज़रें चुरा लेते हैं का मौक़ा देती हैं। इसी के साथ नैना की कहानी के माध्यम से यह फिल्म कई दिलों की सच्चाई को न सिर्फ सामने लाने की कोशिश करती है, बल्कि उन्हें थोड़ा सुकून भी देती है।

धुरंधर 2 शूटिंग में नियम तोड़ने पर बीएमसी सख्त
बी62 स्टूडियोज को ब्लैकलिस्ट करने की सिफारिश

आदित्य धर की मोस्टअवेटेड स्पाई एक्शन थ्रिलर फिल्म 'धुरंधर: द रिवेंज' (धुरंधर 2) की शूटिंग के दौरान सुरक्षा नियमों के बार-बार उल्लंघन के आरोप में बृहन्मुंबई म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन (बीएमसी) ने सख्त कार्रवाई शुरू कर दी है। आदित्य धर की प्रोडक्शन कंपनी बी62 स्टूडियोज को ब्लैकलिस्ट करने की सिफारिश की गई है। हालांकि, अभी तक आधिकारिक रूप से ब्लैकलिस्ट नहीं किया गया है, लेकिन प्रस्ताव को आगे की कार्रवाई के लिए मंजूरी मिल चुकी है। इसके लिए बीएमसी के ए-वार्ड कार्यालय ने डिप्टी म्युनिसिपल कमिश्नर (डीएमसी) को पत्र लिखकर स्टूडियो पर राज्य के सिंगल-विंडो फिल्मिंग पोर्टल के माध्यम से शूटिंग पर स्थायी रोक लगाने का प्रस्ताव दिया है। आरोप हैं कि 'धुरंधर 2' की शूटिंग के दौरान कई बार नियम तोड़े गए। जानकारी के अनुसार, हाई-सिक्योरिटी जोन में जलती हुई मशालों का इस्तेमाल किया गया, जिसे गंभीर सुरक्षा चूक माना गया। मुंबई पुलिस को हस्तक्षेप करना पड़ा और उपकरण जब्त कर लिए गए। इसके अलावा, क्रू मेंबर्स ने बिना अनुमति लोकेशन बदली और एक इमारत की छत पर शूटिंग की, जहां के लिए नगर निगम की जरूरी परमिशन नहीं ली गई थी। इसके अलावा, सेट पर खाना बनाने के लिए गैस का इस्तेमाल और दो जेनरेटर वैन चलाने का भी आरोप है, जिनके लिए स्थानीय प्रशासन से वैध मंजूरी नहीं थी।

बीएमसी ने पहले ही प्रोडक्शन की 25 हजार रुपए की सिक्योरिटी डिपॉजिट जब्त कर ली है और अतिरिक्त 1 लाख का जुर्माना लगाने का प्रस्ताव रखा है।

'धुरंधर 2' (धुरंधर: द रिवेंज) साल 2025 में रिलीज ब्लॉकबस्टर 'धुरंधर' की सीक्वल है। आदित्य धर लिखित, निर्देशित और सह-निर्मित यह फिल्म जियो स्टूडियोज और बी62 स्टूडियोज के बैनर तले बन रही है।

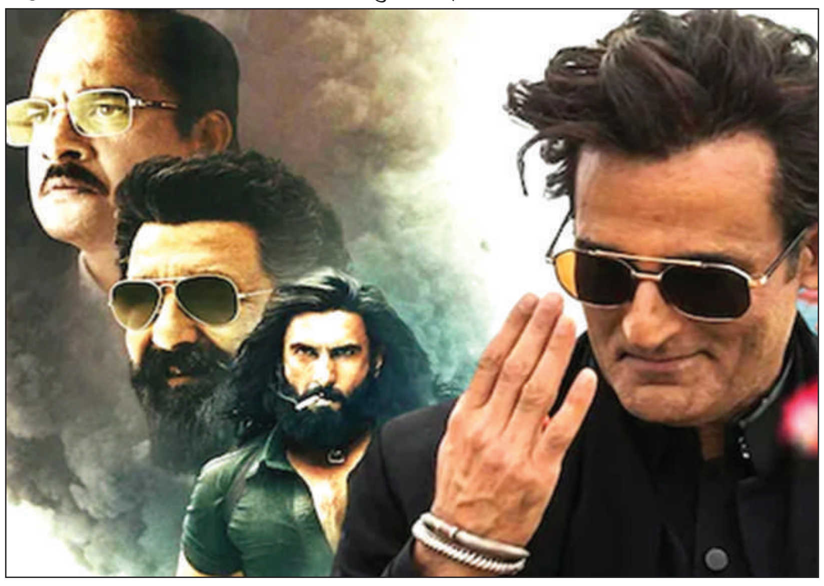

लारा दत्ता ने महेश भूपति संग अपने रिश्ते को बताया आग और हवा का मेल

अभिनेत्री लारा दत्ता पूर्व टेनिस प्लेयर महेश भूपति के साथ खुशहाल वैवाहिक जीवन जी रही हैं। सोमवार को कपल ने शादी के 15

साल पूरे कर लिए हैं। इस खास मौके पर लारा ने इंस्टाग्राम के जरिए पति महेश को शुभकामनाएं दीं। लारा ने महेश के साथ कुछ तस्वीरें पोस्ट कीं। इन तस्वीरों में दोनों एक दूसरे के साथ बहुत खुश और रोमांटिक नजर आ रहे हैं। लारा ने लिखा, 15 साल, मैं आग और वो हवा। मैं चिंगारी लगाती हूं, तो वे उसे और भड़का देते हैं, और हैरानी की बात ये है कि अब तक हमने घर नहीं जलाया। अभिनेत्री ने आगे लिखा कि इतने सालों में दोनों ने एक-दूसरे को प्रोफेशनल तरीके से परेशान करना, ऐसे लड़ना जैसे कोई खेल हो, यह दिखाना कि हम बिल्कुल भी प्रतिस्पर्धी नहीं हैं, और फिर भी हर दिन एक-दूसरे को ही चुनना सीखा है।

अभिनेत्री की पोस्ट फैंस और उनके दोस्तों को काफी पसंद आ रही है। कई यूजर्स उनके मजाकिया अंदाज को काफी पसंद कर रहे हैं। अभिनेता गजराव ने हार्ट इमोजी के साथ शानदार प्रतिक्रिया दी। अभिनेत्री लारा दत्ता और महेश भूपति की पहली मुलाकात एंटरटेन्मेंट और स्पोर्ट्स को लेकर एक बिजनेस मीटिंग के दौरान हुई थी। काम के सिलसिले में दोनों के बीच दोस्ती हुई थी और धीरे-धीरे दोस्ती प्यार में बदल गई। 9 साल तक एक-दूसरे को डेट करने के बाद दोनों ने पहले 16 फरवरी 2011 को सिविल मैरिज की और उसके बाद गोवा में क्रिश्चियन रस्मों के साथ शादी की। इस जोड़े की एक बेटी सायरा भूपति है।अभिनेत्री लारा जल्द ही फिल्म 'वेलकम' के तीसरे पार्ट 'वेलकम टू द जंगल' में नजर आएंगी।

सुष्मिता से पहले मैं हूं ना में अभिनेत्री समीरा रेड्डी को लेना चाहती थीं फराह

फिल्ममेकर और कोरियोग्राफर फराह खान ने बड़ा खुलासा किया है। उन्होंने बताया कि उनकी साल 2004 में आई डायरेक्टोरियल डेब्यू फिल्म 'मैं हूं ना' में शाहरुख खान के अपोजिट किरदार के लिए सुष्मिता सेन पहली पसंद नहीं थीं। सुष्मिता सेन के क्लासिक रोल के लिए सबसे पहले उनकी पसंद समीरा रेड्डी थीं। फराह ने अपने यूट्यूब व्लॉग में समीरा रेड्डी के साथ हुई हालिया बातचीत में यह बात बताई। फराह ने कहा, मैंने पहली बार आपको 'आहिस्ता कीजिए बातें' म्यूजिक वीडियो में देखा था। आपने इंडियन ट्रेडिशनल कपड़े पहने थे और बहुत खूबसूरत लग रही थीं। मैंने सोचा था कि 'मैं हूं ना' में चांदनी का रोल आपके लिए परफेक्ट होगा। इस खुलासे पर समीरा रेड्डी हैरान रह गईं और फराह से पूछा, हे भगवान! फिर आपने मुझे क्यों नहीं लिया?

फराह ने जवाब देते हुए कहा कि तब तक हालात बदल चुके थे। उन्होंने बताया, क्योंकि आपने 'मैंने दिल तुझको दिया' कर लिया था। यह फिल्म साल 2002 में सोहेल खान के साथ समीरा की बॉलीवुड डेब्यू फिल्म थी। फराह के मुताबिक, उस समय समीरा की इमेज और प्रोजेक्ट्स बदल चुके थे, इसलिए फैसला सुष्मिता सेन के पक्ष में गया।

समीरा इस खुलासे पर काफी खुश हुईं, लेकिन साथ ही थोड़ी निराश भी दिखीं। उन्होंने कहा कि उन्हें इस बात का अफसोस है, क्योंकि 'मैं हूं ना' उस दौर की सबसे बड़ी हिट फिल्मों में से एक रही। 'मैं हूं ना' में शाहरुख खान लीड रोल में हैं। फिल्म में सुष्मिता सेन ने चांदनी का किरदार निभाया था, जो एक कॉलेज प्रोफेसर रहती है। उनका साड़ी में ग्लैमरस और एलिगेंट लुक दर्शकों को बहुत पसंद आया और आज भी याद किया जाता है।

फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सुपरहिट रही और फराह खान के डायरेक्टोरियल करियर की शानदार शुरुआत साबित हुई। वहीं, समीरा रेड्डी 'मैंने दिल तुझको दिया' के बाद 'डरना मना है', 'मुसाफिर', 'नो एंट्री', 'रेस' जैसी फिल्मों में काम कर चुकी हैं। उन्होंने मेनस्ट्रीम सिनेमा से दूरी बना ली है।

कोविड-19 महामारी के बाद से समीरा अपने परिवार के साथ गोवा में रह रही हैं और जरूरत पड़ने पर मुंबई आती-जाती रहती हैं।

इंडियन आइडल के स्टेज पर सिद्धांत चतुर्वेदी ने फिर रचा रैप मैजिक

सिद्धांत चतुर्वेदी हाल ही में अपने आगामी रोमांटिक फिल्म 'दो दीवाने सहर में' के प्रमोशन के लिए इंडियन आइडल के मंच पर नज़र आए। संजय लीला भंसाली द्वारा निर्देशित इस फिल्म में उनके साथ मृणाल ठाकुर हैं। इंडियन आइडल के मंच पर रोमांटिक अंदाज़ में नज़र आए सिद्धांत चतुर्वेदी ने ऐसा जादू रचा, जिससे एक बार फिर उन्होंने ये साबित कर दिया कि आखिर क्यों उन्हें बॉलीवुड का यूथ आइकन कहा जाता है। दरअसल हुआ यूं कि एपिसोड के दौरान जैसे ही शो के जज बादशाह ने अपनी को-जज श्रेया घोषाल के साथ मिलकर 'गली बॉय' में सिद्धांत की दमदार परफॉर्मेंस को याद करते हुए उनसे रैप करने का अनुरोध किया, तो सिद्धांत ने देखते ही देखते स्टेज पर एक इम्प्रोवाइज़्ड रैप गाना शुरू कर दिया। सिर्फ यही नहीं, इस रैप को उन्होंने थोड़ा और मज़ेदार बनाते हुए कुछ पंक्तियाँ मृणाल के नाम भी समर्पित कर दीं।

सिद्धांत के इस अचानक परफॉर्मेंस ने माहौल को इस तरह एनर्जेटिक बना दिया कि देखते ही देखते सिद्धांत चर्चा का विषय बन गए और कुछ ही पलों में इसके क्लिप्स सोशल मीडिया पर वायरल हो गए। फिल्म रिलीज़ के 7 साल बाद सिद्धांत को एक बार फिर रैपर बना देख उनके फैंस ने उन्हें, जबरदस्त प्रतिक्रियाएं दीं।

गौरतलब है कि साल 2019 में 'गली बॉय' की रिलीज़ के साथ ही एमसी शेर के रूप में सिद्धांत का किरदार फिल्म का ब्रेकआउट हाइलाइट बन गया था। उनका कॉन्फिडेंट स्वैग, दमदार स्क्रीन प्रेज़ेंस और यादगार डायलॉग्स उन्हें रातों-रात चर्चा में ले आया था। सच कहें तो भारतीय सिनेमा में उनका यह किरदार, सिर्फ एक किरदार नहीं, बल्कि एक पॉप-कल्चर फिनॉमिना बन चुका है, जिसकी लाइन्स आज भी कोट की जाती हैं। फिलहाल 7 साल बाद, सिद्धांत एक दिलचस्प मोड़ पर खड़े हैं। 'गली बॉय' के स्ट्रीट-स्मार्ट एमसी शेर से लेकर अब वे भंसाली फिल्म्स की 'दो दीवाने सहर में' एक सॉफ्ट, रोमांटिक हीरो के साथ अपने लवर-बॉय फेज़ में पूरी तरह कदम रख रहे हैं। और हालिया वायरल रैप मोमेंट यह साबित करता है कि भले ही उनकी इमेज बदल रही हो, लेकिन परफॉर्मर की आग आज भी उतनी ही तेज़ है, जितना पहले थी।

होलाष्टक की शुरुआत के पीछे की मान्यता, क्या आप जानते हैं

फाल्गुन शुक्ल पक्ष की सप्तमी 24 फरवरी 2026, मंगलवार को प्रातः 7 बजकर 14 मिनट तक है, अष्टमी तिथि लगते ही यानि फाल्गुन शुक्ल अष्टमी, से होलाष्टक की शुरुआत होगी। होली आने से पहले होलाष्टक से होलिका दहन तक शुभ कार्य नहीं किए जाते हैं, होलाष्टक को लेकर विभिन्न मान्यताऐं हैं, मान्यताओं के पीछे वैज्ञानिक आधार निहित है।

फाल्गुन शुक्ल पक्ष की अष्टमी से लेकर होलिका दहन तक के समय को धर्मशास्त्रों में होलाष्टक का नाम दिया गया है। ज्योतिष के ग्रन्थों में 'होलाष्टक' के आठ दिन समस्त मांगलिक कार्यों में निषिद्ध कहे गए हैं। 'होलाष्टक' दो शब्दों से मिलकर बना है, होला और अष्टक, अष्टक अर्थात् आठ इसलिए होली जलने से आठ दिन पूर्व होलाष्टक में शुभ कर्म नहीं किए जाते, न ही कोई मांगलिक कार्य होता है, कोई नई वस्तु नहीं खरीदी जाती।

होलाष्टक की कैसे हुई थी शुरूआत?

होलाष्टक के मध्य दिनों में सोलह संस्कारों में से किसी भी संस्कार को नहीं किया जाता, यहां तक कि अंतिम संस्कार करने से पूर्व भी शांति कार्य किए जाते हैं। इन दिनों में सोलह संस्कारों पर रोक होने के कारण इस अवधि को शुभ कार्यों के लिए श्रेष्ठ नहीं माना जाता। होलाष्टक के विषय में यह माना जाता है कि जब भगवान श्री भोले नाथ ने क्रोध में आकर कामदेव को भस्म कर दिया था, तो उस दिन से होलाष्टक की शुरूआत हुई थी। होली की शुरूआत होली पर्व होलाष्टक से प्रारम्भ होकर दुलहण्ड़ी तक रहती है, इसके कारण इन दिनों प्रकृति में खुशी और उत्सव

का माहौल रहता है।

क्यों मनाया जाता है होलाष्टक?

होलाष्टक से होली के आने की दस्तक मिलती है, साथ ही उस दिन से होली उत्सव के साथ-साथ होलिका दहन की तैयारियां भी शुरू हो जाती हैं। इस दिन से मौसम की छटा में बदलाव आना आरम्भ हो जाता है। सर्दियां अलविदा कहने लगती हैं और गर्मियों का आगमन होने लगता है। भगवान श्री कृष्ण आठ दिन तक गोपियों संग होली खेले और दुलहण्डी के दिन अर्थात् होली को रंगों में सन कपड़ों को अग्नि के हवाले कर दिया, तब से आठ दिन तक यह पर्व मनाया जाने लगा।

फाल्गुन शुक्ल की प्रतिपदा तिथि जानें शुभ मुहूर्त और राहुकाल

सनातन धर्म में पंचांग के पांच अंग तिथि, नक्षत्र, योग, करण और वार का विशेष महत्व है। ये सभी तत्व किसी भी दिन के शुभ-अशुभ मुहूर्त को निर्धारित करते हैं। 18 फरवरी के पंचांग के अनुसार फाल्गुन मास के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि है, जो शाम 4 बजकर 57 मिनट तक रहेगी। इसके बाद द्वितीया तिथि प्रारंभ हो जाएगी। बुधवार का दिन विघ्नहर्ता भगवान गणेश को समर्पित है। गणपति की विधि-विधान से पूजा करने से जीवन के सभी बाधाएं दूर होती हैं, सुख-समृद्धि प्राप्त होती है और संपत्ति में वृद्धि होती है। भक्त सुबह या शुभ मुहूर्त में गणेश जी का पूजन अवश्य करें। गणपति को दूर्वा, सिंदूर, पान, इत्र, लावा, तिल आदि चढ़ाकर मोदक, खीर, हलवा का भोग लगाना चाहिए। दृक पंचांग के अनुसार, नक्षत्र शतभिषा रात 9 बजकर 16 मिनट तक रहेगा, उसके बाद पूर्व भाद्रपद नक्षत्र शुरू होगा। योग शिव रात 10 बजकर 45 मिनट तक प्रभावी रहेगा। करण बव शाम 4 बजकर 57 मिनट तक है। चंद्रमा कुंभ राशि में गोचर करेंगे। वहीं, सूर्योदय 6 बजकर 57 मिनट पर और सूर्यास्त शाम 6 बजकर 13 मिनट पर होगा। शुभ मुहूर्त की बात करें तो बुधवार को ब्रह्म मुहूर्त सुबह 5 बजकर 15 मिनट से 6 बजकर 6 मिनट तक, विजय मुहूर्त दोपहर 2 बजकर 28 मिनट से 3 बजकर 13 मिनट तक, गोधूलि मुहूर्त शाम 6 बजकर 11 मिनट से 6 बजकर 36 मिनट तक और अमृत काल दोपहर 2 बजकर 4 मिनट से 3 बजकर 40 मिनट तक रहेगा। ये समय पूजा, जप, ध्यान या नए कार्य शुरू करने के लिए उत्तम माना जाता है।

अशुभ काल का विचार भी महत्वपूर्ण है। राहुकाल दोपहर 12 बजकर 35 मिनट से 2 बजे तक रहेगा। इस दौरान कोई शुभ कार्य जैसे विवाह, नामकरण, गृह प्रवेश या यात्रा नहीं करनी चाहिए। यमगंड सुबह 8 बजकर 22 मिनट से 9 बजकर 46 मिनट तक, गुलिक काल सुबह 11 बजकर 11 मिनट से दोपहर 12 बजकर 35 मिनट तक रहेगा। आज पूरे दिन पंचक योग भी लागू है, इसलिए कुछ लोग मांगलिक कार्य टाल सकते हैं।

रात को डराते हैं भयानक सपने? जानें छुटकारा पाने के आसान उपाय

सपनों पर किसी का कंट्रोल नहीं होता। हर व्यक्ति रात को सोते समय कोई न कोई सपना जरूर देखता है। कुछ सपने अच्छे तो कुछ बेहद ही डरावने होते हैं। कुछ सपने तो इतने भयानक होते हैं जिसे देखकर व्यक्ति अचानक से डरकर उठ जाता है। बार-बार आ रहे इन सपनों से रातों की नींद भी उड़ जाती है। स्वप्न शास्त्र में हर सपने का कुछ न कुछ मतलब होता है। सपनों को भविष्य में होने वाली घटनाओं का संकेत माना जाता है। इसे कुंडली में अशुभ ग्रहों के प्रभाव से भी जोड़कर देखा जाता है। ज्योतिष और वास्तु शास्त्र में इन सपनों का कारण और इससे छुटकारा पाने के कई उपाय भी बताए गए हैं।

सिरहाने पर चाकू रखकर सोएं

अगर आपको डरावने सपने आते हैं तो रात को सोते समय अपने तकिए के नीचे चाकू रखकर सोएं। चाकू के अलावा लोहे की कोई भी नुकीली चीज रखकर भी सो सकते हैं। इस उपाय को कुछ दिन करने से आपको इन डरावने सपनों से छुटकारा मिल जाएगा और रात को अच्छी नींद आएगी।

आपको भी रात में अगर डरावने सपने परेशान करते हैं तो सिर के नीचे पीले चावल रखकर सोएं। चावल में थोड़ी हल्दी मिलाकर उसे पीला कर लें। कुछ दिनों तक लगातार इस उपाय को करें। इससे रात में आने वाले डरावने सपने बंद हो जाएंगे।

छोटी इलायची का उपाय

अगर आप भी रात को डरावने सपने देखकर घबरा जाते हैं और उठकर बैठ जाते हैं। तो ऐसे में छोटी इलायची का ये उपाय आपके लिए लाभकारी रहेगा। रात में सोने से पहले एक कपड़े में छोटी इलायची बांधकर तकिए के नीचे रख लें। ऐसा करने से आपको रात में बुरे सपने आना बंद हो जाएंगे।

तांबे के बर्तन में पानी रखें

डरावने सपनों की वजह से आपकी भी नींद खराब हो जाती है और ऐसा बार-बार हो रहा है। ऐसे में तांबे के बर्तन में पानी भरकर अपने पलंग के नीचे रख दें। सुबह उठने के बाद उस पानी को गमले में या किसी पेड़ की जड़ में डाल दें। ऐसा करने से आपकी ये परेशानी खत्म हो जाएगी।

भूल कर भी न करें ये गलती

सोने से पहले ये देख लें कि बिस्तर के नीचे जूते या चप्पल तो नहीं रखें हैं। ये भी आपके बुरे सपनों का कारण हो सकता है। इसके अलावा सोने से पहले अपने बिस्तर को अच्छे से साफ कर लें और अपने पैरो को धोकर सोएं। इन उपायों से आपको डरावने सपने आना बंद हो जाएंगे।

शुक्र उदय मीन राशि में बनाएंगे मालव्य राजयोग, कर्क कन्या समेत अन्य राशियों को मिलेगी सफलता

शुक्र 2 मार्च को मीन राशि में गोचर करने जा रहा है। प्रेम और सुख-सुविधाओं के दाता शुक्र अपनी उच्च राशि मीन में प्रवेश कर मालव्य राजयोग का निर्माण करेंगे। ज्योतिष शास्त्र में इसे अत्यंत शुभ और पंच महापुरुष योग माना जाता है। इस दौरान शुक्र भौतिक सुख, सफलता और समृद्धि प्रदान करेंगे। मीन राशि में पहले से ही मौजूद शनि के साथ शुक्र की युति भी होगी, जो कई जातकों के लिए लाभकारी रहेगी। इस दौरान सबसे अच्छी बात यह रहेगी कि गुरु बुध की राशि मिथुन और शुक्र गुरु की राशि मीन में केंद्र भाव में होकर केंद्र योग बनाएंगे। जो इस गोचर को और भी अधिक प्रभावशाली बनाएगा। शुक्र गोचर के प्रभाव से वृष, मिथुन, कर्क, कन्या और मीन राशि के जातकों के रिश्तों में मजबूती आएगी और विदेश से लाभ प्राप्त होगा।

वृष राशि: आय में वृद्धि देखने को मिलेगी

वृषभ राशि के 11वें भाव में शुक्र का गोचर होने जा रहा है। इस दौरान करियर में आपको सफलता प्राप्त होगी। नौकरी और व्यवसाय को लेकर किए जा रहे आपके प्रयास आपको अच्छा लाभ दिलाएंगे। यह गोचर आपको आय में वृद्धि कराने वाला साबित होगा। इस अवधि में समझदारी पूर्वक किया गया निवेश भी लाभ प्रदान करेगा। पारिवारिक जीवन से लिहाज से भी गोचर आपके लिए शुभ रहेगा। प्रेम संबंध पहले से अधिक मजबूत बनेंगे।

मिथुन राशि: व्यवसाय में लाभकारी परिणाम मिलेंगे

शुक्र का गोचर मीन राशि में आपके 10वें भाव को प्रभावित करेगा। इस दौरान आपको करियर और व्यवसाय में लाभकारी परिणाम देखने को मिलेगा। नौकरी में प्रमोशन के साथ आपको निवेश भी लाभ दिलाने वाला रहेगा। इस अवधि में आपको संपत्ति मिलने के भी योग बन रहे हैं। पारिवारिक जीवन आपका सुखद रहेगा। हालांकि आपको खर्चे पर थोड़ा कंट्रोल करना होगा।

कर्क राशि: धन लाभ और अच्छा मुनाफा होगा

कर्क राशि के जातकों के लिए शुक्र का गोचर सफलता दिलाने वाला रहेगा। यह गोचर आपके नौवें भाग्य और शिक्षा के भाव में होगा। ऐसे में भाग्य की बदौलत यह समय धन लाभ और अच्छा मुनाफा कमाने का रहेगा। उच्च शिक्षा प्राप्त करने की और आप कदम बढ़ा सकते हैं। इस अवधि के दौरान धर्म-कर्म के कार्यों में आपकी रुचि बढ़ेगी। परिवार के लोगों के साथ आपका रिश्ता और अधिक मजबूत होगा। जीवनसाथी और स्वास्थ्य दोनों का ही आपको साथ मिलेगा।

कन्या राशि: अधिकारियों का पूरा सपोर्ट मिलेगा

कन्या राशि के सातवें भाव में हो रहा शुक्र का गोचर नौकरी-पेशा लोगों के लिए शुभ रहने वाला है। यह भाव विवाह, साझेदारी और रिश्तों से संबंधित है। गोचर के दौरान नौकरी करने वाले लोगों को अधिकारियों का पूरा सपोर्ट मिलेगा और लाभ के अवसर प्राप्त होंगे। यात्राओं पर जरूरत से ज्यादा खर्च हो सकता है। परिवार के लोगों के साथ सुखद समय बिताने का मौका मिलेगा। अविवाहित लोगों के लिए यह गोचर शुभ समाचार लेकर आ सकता है।

मीन राशि: लाभ कमाने के सुनहरे अवसर मिलेंगे

इस गोचर के दौरान शुक्र आपके पहले भाव में प्रवेश करेगा। इस दौरान व्यवसाय करने वाले लोगों के लिए यह अवधि अधिक लाभकारी रहने वाली है। लाभ कमाने के सुनहरे अवसर मिलेंगे। वहीं, नौकरीपेशा लोगों को प्रमोशन के अवसर मिल सकते हैं। इससे आपकी आर्थिक स्थिति पहले से बेहतर होती चली जाएगी। लग्न भाव में शुक्र के गोचर से वैवाहिक जीवन सुखद रहेगा और जीवन में सुख-समृद्धि प्राप्त होगी।

इस जगह कूड़ेदान रखने से घर में आती है परेशानी

वास्तुशास्त्र में घर की साफ-सफाई को बहुत अधिक महत्व दिया गया है। यही वजह है कि, घर में हर सामान को रखने के लिए सही दिशा और स्थान बताया गया है। वास्तुशास्त्र के नियमों में की गई छोटी सी भी लापरवाही आपके लिए परेशानी का कारण बन सकती है। घर में रखे कूड़ेदान को भी वास्तु शास्त्र में महत्वपूर्ण माना जाता है। कूड़ेदान घर की गंदगी और बेकार की चीजों को रखने के लिए इस्तेमाल किया जाता है और इसका संबंध राहु से माना जाता है। ऐसे में घर में गलत जगह पर रखा कूड़ेदान राहु के प्रतिकूल प्रभाव को बढ़ा सकता है। ऐसे में आपके परिवार में कुछ न कुछ परेशानी बनी रह सकती है। इसका सीधा असर आपके आर्थिक जीवन पर भी पड़ सकता है और पैसों से जुड़ी समस्याएं जीवन में आ सकती हैं। आइए जानते हैं कि, घर में कूड़ेदान रखने के क्या नियम है बताए गए हैं वास्तु शास्त्र में।

किचन में कूड़ेदान रखने से बचें

वास्तु शास्त्र में कूड़ेदान को नकारात्मक ऊर्जा बढ़ाने वाला माना जाता है। आम तौर पर लोग अपने किचन में कूड़ेदान रखने की बड़ी गलती करते हैं। घर की रसोई में मां अन्नपूर्णा का वास माना जाता है। ऐसे में कूड़ेदान को घर की रसोई में रखने से मां नाराज हो सकती हैं और आपको आर्थिक समस्या का सामना करना पड़ सकता है।

मंदिर में न रखें कूड़ेदान

घर में मंदिर को सबसे शुभ स्थान माना जाता है। यहीं पर सबसे अधिक सकारात्मक ऊर्जा का प्रभाव होता है। ऐसे में मंदिर वाले कमरे में रखा गया कूड़ेदान सकारात्मक ऊर्जा के प्रवाह में बाधा उत्पन्न कर सकता है। इसे आपकी आर्थिक स्थिति बिगड़ सकती है। इससे आपको धन हानि भी हो सकती है।

घर में मेन गेट पर न रखें कूड़ेदान

घर के मेन गेट पर आपको भूलकर भी कूड़ेदान नहीं रखना चाहिए। वास्तु शास्त्र में माना गया है कि घर के मुख्य द्वार से

मां लक्ष्मी का प्रवेश होता है। यहां रखा कूड़ेदान नकारात्मक ऊर्जा को बढ़ाने का काम करता है। ऐसा करने से आपको आर्थिक तंगी का सामना करना पड़ सकता है।

इस दिशाओं में न रखें कूड़ेदान

वास्तु शास्त्र में घर की दिशाओं को भी महत्व दिया गया है। घर की उत्तर पूर्व और उत्तर पश्चिम दिशा में कूड़ेदान रखने से बचना चाहिए। इस दिशा से घर में सकारात्मक ऊर्जा प्रवेश करती है। ऐसे में उत्तर पूर्व दिशा में रखा कूड़ेदान आपके पारिवारिक जीवन पर गहरा असर डाल सकता है। इसके नकारात्मक प्रभाव से पति-पत्नी के बीच झगड़े और तनाव बढ़ सकता है।

घर में कहां रखे कूड़ेदान

घर की दक्षिण या दक्षिण पश्चिम दिशा को कूड़ेदान रखने के लिए सही माना जाता है। वास्तु के अनुसार, इस दिशा से घर की नकारात्मक ऊर्जा बाहर निकलती है। ऐसे में कूड़ेदान के लिए सबसे सही जगह दक्षिण या दक्षिण पश्चिम दिशा को माना जाता है। इस बात का ख्याल रखें कि कूड़ेदान में ढक्कन जरूर लगा हो।

6, 15 और 24 तारीख पर जन्मी लड़कियां होती हैं खुशमिजाज
दूसरों की मदद के लिए रहती हैं तैयार

अंक ज्योतिष में मूलांक के आधार पर किसी भी व्यक्ति के भविष्य और जीवन के बारे में जाना जाता है। यह अंक 1 से लेकर 9 के बीच होते हैं। उदाहरण के लिए अगर किसी व्यक्ति का जन्म किसी भी महीने की 29 तारीख को हुआ हो तो उनका मूलांक (2+9= 1+1= 2) 2 होगा। इसी प्रकार आप भी अपनी जन्म तारीख का कुल योग जानकर अपना मूलांक जान सकते हैं। आज हम 6, 15 और 24 तारीख पर जन्मी लड़कियों के स्वभाव और जीवन के बारे में जानेंगे। अंक ज्योतिष के अनुसार, इनका मूलांक 6 होगा जो स्वभाव से बहुत खुशमिजाज होते हैं और दूसरों की मदद करने के लिए हमेशा तैयार रहते हैं।

मूलांक 6 की लड़कियां होती हैं खुशमिजाज

जिन स्त्रियों का जन्म किसी भी महीने की 6, 15 या 24 तारीख को हुआ हो उनका मूलांक 6 होगा। अंक ज्योतिष के अनुसार 6 अंक के स्वामी ग्रह शुक्र होते हैं जिसे सौंदर्य, सुख-सुविधाओं, धन संपत्ति, कला आदि का कारक माना गया है। इनका प्रभाव अंक 6 वाली लड़कियों पर भी देखने को मिलता है। अंक ज्योतिष के अनुसार मूलांक 6 वाली स्त्रियां स्वभाव से बहुत खुशमिजाज होती हैं। ये हमेशा प्रसन्न रहती हैं और इनके चेहरे पर भी आपको हमेशा एक नेचुरल स्माइल देखने को मिल सकती है।

दूसरों की मदद के लिए रहती हैं तैयार

6, 15 और 24 तारीख पर जन्मी लड़कियां स्वभाव से बेहद अच्छी होती हैं। ये हमेशा दूसरों की मदद करने के लिए तैयार होती हैं। अगर इनसे कोई किसी भी प्रकार का सहयोग मांगें तो यह जल्दी न नहीं कह पाती हैं। इसी स्वभाव के चलते इनके आसपास के लोग इनकी ओर जल्दी आकर्षित होते हैं। इनकी आवाज भी बेहद मधुर और आकर्षक हो सकती है। साथ ही, शुक्र के अंक की लड़कियां दिखने में भी बेहद खूबसूरत होती हैं।

बिना टेंशन के लाइफ जीना करती हैं पसंद

अंक ज्योतिष के अनुसार मूलांक 6 वाली लड़कियां बेहद कूल नेचर की होती हैं। ये अपनी लाइफ को खुलकर और बिना कोई टेंशन लिए जीना पसंद करती हैं। ये अपने कार्यों में लगे रहते हैं और उसी में आनंद ढूंढ लेती हैं। साथ ही, मूलांक 6 की लड़कियों को बहुत दयालु माना जाता है। ये बिना किसी स्वार्थ के दूसरों की मदद के लिए हमेशा तैयार रहती हैं। हालांकि, इन्हें शॉपिंग का अधिक शौक हो सकता है। जिसके चलते खर्चे अधिक होते हैं।

जीवन में खूब कमाती हैं धन

6, 15 और 24 जन्म तारीख वाली लड़कियां बेहद शुद्ध विचारों वाली होती हैं। ये किसी के बारे में भी बुरा नहीं सोचती और न ही किसी का बुरा चाहती हैं। साथ ही, मूलांक 6 की लड़कियां अपने जीवन में खूब धन कमाती हैं और करियर में सफलता प्राप्त कर सकती है। ये प्रेम के मामले में भी बहुत पक्के विचारों और भरोसे वाली होती हैं। मूलांक 6 की लड़कियां फैशन डिजाइनर, ज्वेलरी के कारोबार, संगीत और ब्यूटी से जुड़े काम में अधिक रुचि रख सकती हैं।

शुभ लाभ — खबरें जो सोच बदल दे

संपादकीय

पाक सेना की हकीकत

पाक सेना की हकीकत पाकिस्तान की आमा इतनी बहादुर है कि जब बीएलए यानि बलोच लिबरेशन आमा चाहती है, उन्हें ठोंकती है और नाक रगड़वा कर छोड़ती है। तालिबान सरकार को जब गुस्सा आता है तो वह अपने लड़ाकों को भेजकर पीटती है और दर्जनों जब मारे जाते हैं तो पाकिस्तान का फील्ड मार्शल मुल्ला आसिम मुनीर अरब देशों से गुहार लगाता है कि हमें बख्श दो अब गलती नहीं होगी, लेकिन झूठे नैरेटिव गढ़ने के ये इतने चतुर शिल्पी हैं कि भारत के साथ जितनी लड़ाईयां हुईं, उन सभी में जीत का दावा करते हैं और बाजार से खरीद कर सैन्य अधिकारी तमगे लगा लेते हैं। पोल पट्टी खुलने के डर से इस झूठ को फजा रूप से सही बनाने के लिए स्थाई भाव की जो साजिश रची गई है, उसी के तहत 1965, 1971 और कारगिलद्रास बटालिक युद्ध को जीतने का दावा अपने बच्चों की पुस्तकों में पढ़ाया जाता है और यदि कोई पत्रकार हिम्मत करके सवाल पूछ लेता है तो उसे सैन्य प्रतिष्ठान न सिर्फ धमकाता है बल्कि उसको तरह-तरह से प्रताड़ित किया जाता है। अब इनकी सेना की वास्तविकता यह है कि इनके 17 सैनिकों को बीएलए ने हिरासत में ले लिया और 10 सैनिकों को मुक्त करके सैन्य प्रतिष्ठान को चेतावनी दी है कि यदि 7 और सैनिकों को छुड़ाना है तो उनके वैदियों को एक सप्ताह के अन्दर रिहा करो। सच तो यह है पाकिस्तान का जैसा चरित्र है, वैसी ही उसकी फौज भी है। वह कुरान की कसम खाकर जान तो बीएलए से कई बार बचा चुकी है किन्तु अब बीएलए उनके झांसे में नहीं आती इसलिए अब सेना और बीएलए में जो भी सौदेबाजी होती है, वह 'एक हाथ से दे और दूसरे हाथ से ले' के सिद्धांत पर होती है। गत वर्ष जब पाक ट्रेन को ही ब्लूचिस्तान में बीएलए ने अपहरण किया था तब भी सेना अपने बल पर अपने साथियों को छुड़ा नहीं पाई थी। आए दिन पाक सेना खासकर पंजाब प्रांत के जवानों को बीएलए के लोग पीटते हैं। हैरानी की बात तो यह है कि पाक सेना अपने पड़ोसियों से पिटती है तो बाप-बाप चिल्लाती है और 'सीज फायर' के लिए गिड़गिड़ाने लगती है लेकिन शेखी ऐसी बघारते हैं कि वह युद्ध तो किसी देश से हारते ही नहीं, अपने देश की जनता को पाकिस्तान की सेना यह बताती है कि ब्लूचिस्तान में जो भी गड़बड़ चल रही है, उसके लिए भारत जिम्मेदार है। वह वास्तविकता को महसूस करने के लिए तैयार ही नहीं है। कल्पना करें, यदि भारत ब्लूचिस्तान में अलगाववादी गतिविधियां कराता तो क्या अभी तक पाकिस्तान का विखंडन न हो गया होता! वास्तविकता यह है कि बीएलए ईरान से अवैध तेल हासिल कर उनसे धन कमाते हैं और पाकिस्तान की सेना को तबाह करते हैं। यही नहीं बीएलए चीन से भी उगाही करके उन्हें ब्लूचिस्तान में काम करने की अनुमति देता है। उसको मोटी कमाई हो रही है। इसलिए जब जनरल आसिम मुनीर और प्राधानमंत्री शाहबाज शरीफ ने अमेरिका को कच्चे तेल और अपना रेयर अर्थ मिनरल निकालने का आग्राह किया तब बलोच मुक्ति आंदोलन के नेताओं ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को पत्र लिखकर आग्राह किया कि वह जनरल मुनीर और प्राधानमंत्री शरीफ पर भरोसा न करें क्योंकि आप बीएलए से लड़कर वुछ भी हासिल नहीं कर पाएंगे। पाक सेना बीएलए से आप के लोगों को सुरक्षा भी नहीं दे पाएगी। इसलिए यदि खनिज उत्खनन में आप वुछ करना चाहते हैं तो बीएलए से समझौता कर ले। इस पत्र के बाद ही ट्रंप का माथा ठनका था। यही कारण है आजकल ट्रंप पाकिस्तान को उस तरह चने की झाड़ पर नहीं चढ़ाता जैसा कि उन्होंने 2025 में अपने पूरे परिवार को पाकिस्तान में खनिज हासिल करने की उम्मीद से काम पर स्व्रिाय कर दिया था। बहरहाल पाकिस्तान की आमा इतनी जाहिल हो चुकी है कि वह कभी भारत से पिटती है तो पीठ झाड़ कर दावा करती है कि उसने तो मैदान मार लिया, बीएलए सैनिकों को ही मारती है इसलिए पंजाब सहित सारे क्षेत्रों के सैनिक बीएलए से पिटने के बाद भी खुलकर यह मानने को तैयार नहीं है कि ब्लूचिस्तान में अलगाववाद की आंधी यू ही नहीं आई है, इसका मुख्य कारण है बलूचों की समस्याओं को सुने बिना ही उन्हें आतंकी घोषित कर दिया गया। ब्लूचों की समस्या है कि उनके मासूम बच्चों और पुरुषों को पाक सेना मारती है और गायब कर देती है। इसलिए पाक सैनिकों पर बीएलए रहम नहीं करती और उन्हें हमेशा इस बात का एहसास कराती है कि जिस तरह बांग्लादेश को पाकिस्तान से अलग करने में धंधेबाज सेना ने व्रूर भूमिका निभाई थी, ठीक वैसे ही ब्लूचिस्तान के जन-जन में अलगाववाद की भावना प्राबल करने के लिए माहौल बना रही है पाक सेना।

तालिबान सरकार को जब गुस्सा आता है तो वह अपने लड़ाकों को भेजकर पीटती है और दर्जनों जब मारे जाते हैं तो पाकिस्तान का फील्ड मार्शल मुल्ला आसिम मुनीर अरब देशों से गुहार लगाता है कि हमें बख्श दो अब गलती नहीं होगी, लेकिन झूठे नैरेटिव गढ़ने के ये इतने चतुर शिल्पी हैं कि भारत के साथ जितनी लड़ाईयां हुईं, उन सभी में जीत का दावा करते हैं और बाजार से खरीद कर सैन्य अधिकारी तमगे लगा लेते हैं। पोल पट्टी खुलने के डर से इस झूठ को फजा रूप से सही बनाने के लिए स्थाई भाव की जो साजिश रची गई है, उसी के तहत 1965, 1971 और कारगिलद्रास बटालिक युद्ध को जीतने का दावा अपने बच्चों की पुस्तकों में पढ़ाया जाता है और यदि कोई पत्रकार हिम्मत करके सवाल पूछ लेता है तो उसे सैन्य प्रतिष्ठान न सिर्फ धमकाता है बल्कि उसको तरह-तरह से प्रताड़ित किया जाता है। अब इनकी सेना की वास्तविकता यह है कि इनके 17 सैनिकों को बीएलए ने हिरासत में ले लिया और 10 सैनिकों को मुक्त करके सैन्य प्रतिष्ठान को चेतावनी दी है कि यदि 7 और सैनिकों को छुड़ाना है तो उनके वैदियों को एक सप्ताह के अन्दर रिहा करो। सच तो यह है पाकिस्तान का जैसा चरित्र है, वैसी ही उसकी फौज भी है।

कुछ अलग

संयम से धन संचय

एक संत आश्रम में प्रवचन कर रहे थे। संत ने वैदिक साहित्य में वर्णित उद्धरणों का हवाला देकर कहा कि मनुष्य को धन का उपयोग इंद्रियों के संयम के साथ जरूरत के अनुसार करना चाहिए। धन इतना ही रखना चाहिए जो जीवनयापन के लिए जरूरी हो और मुश्किल वक्त में काम आ सके। इंसान को धन का एक अंश परोपकार की मंशा से जरूरतमंदों को दान कर देना चाहिए। संत के प्रवचन के बाद शिष्यों में धन संग्रह व उसके उपयोग को लेकर तर्क-वितर्क होने लगे। कई शिष्य कहने लगे कि यदि धन सुरक्षित रखा जा सके तो संग्रह में क्या बुराई है। यही सवाल एक शिष्य ने संत से पूछा कि पुरुषार्थ व मेहनत से अर्जित धन यदि सुरक्षित रूप से रखा जा सके तो क्या बुराई है? संत बोले : ये ठीक ऐसा ही होगा जैसा मधुमक्खियों द्वारा कठिन मेहनत से एकत्र पराग से बना शहद जमा करना, जिसकी मिठास हमेशा ही दूसरे लोगों व जीवों के ही काम आती है।

भारत ने आम तौर पर शरणार्थियों को वापस न भेजने (नॉन-रिफाउलमेंट) की नीति अपनाई हुई है

नये परिदृश्य में हसीना के प्रत्यर्पण का यक्ष प्रश्न

शेख़ हसीना, जो 5 अगस्त, 2024 को हिंसक प्रदर्शनकारियों से जान बचाते हुए ढाका से गाजियाबाद के लिए एक सीक्रेट फ्लाइट से भागी थीं, अभी फांसी से दूर हैं, और नई दिल्ली निर्वासन में रह रही हैं। शेख़ हसीना का सवाल विक्रम और बेताल की तरह मोदी सरकार के कंधे पर सवार है। चूंकि प्रधानमंत्री मोदी को 'एआई समिट' में उपस्थित रहना था, इसलिए तारिक़ रहमान के शपथ ग्रहण समारोह में उन्होंने ढाका, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला को भेजा। बांग्लादेश की तरफ से उन्हें सौंपने के बार-बार अनुरोध के बावजूद भारत में हसीना की मौजूदगी पिछले 18 महीनों में दक्षिण एशियाई पड़ोसियों के बीच झगड़े की एक बड़ी वजह रही है। भले ही भारत, ढाका के साथ 'पोस्ट हसीना पार्टनरशिप' बनाने के लिए उत्सुक है, लेकिन कई जियोपॉलिटिकल एनालिस्ट ने कहा, कि वे ऐसे हालात की कल्पना नहीं कर सकते, जिसमें नई दिल्ली पूर्व प्रधानमंत्री को मौत की सज़ा का सामना करने के लिए बांग्लादेश को सौंप दे। ढाका रह चुके भारत के पूर्व हाई कमिश्नर पिनाक रंजन चक्रवर्ती ने कहा, 'नई दिल्ली उन्हें मौत की तरफ कैसे धकेल सकती है?' हसीना, बांग्लादेश की सबसे लंबे समय तक प्रधानमंत्री रहीं, वो शेख मुजीबुर रहमान की सबसे बड़ी बेटी हैं। शेख मुजीबुर रहमान ने 1971 में पाकिस्तान से आज़ादी की लड़ाई का नेतृत्व किया था। शेख हसीना कोई पहली बार भारत में शरणागत नहीं हुई हैं। 15 अगस्त, 1975 को बांग्लादेश के संस्थापक शेख मुजीबुर रहमान की ढाका में उनके धानमंडी स्थित घर पर मिलिट्री तख्तापलट के दौरान हत्या कर दी गई थी। इस हमले में उनकी पत्नी, तीन बेटे और दूसरे रिश्तेदार मारे गए थे। उनकी दो बेटियां संयोगवश बच गयीं, जो घटना के समय जर्मनी में थीं। उनमें एक शेख हसीना और दूसरी शेख़ रेहाना थीं। हसीना के पास अपने पति एमए वाजेद मियां के साथ भारत में शरण लेने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा था। वर्ष 1975 से 1981 तक वे सभी दिल्ली के पंडारा रोड में एक नकली पहचान के साथ रहे। लेकिन अब नरेंद्र मोदी सरकार, हसीना के 'निर्वासन पार्ट-टू' को लेकर दुविधा में है। हसीना ने 2022 के इंटरव्यू में मुजीबुर रहमान की हत्या के बाद के पलों को याद करते हुए कहा, 'मिसेज इंदिरा गांधी ने तुरंत जानकारी भेजी, कि वह हमें सुरक्षा और पनाह देना चाहती हैं।' दिल्ली आने के बाद, हसीना इंदिरा गांधी से मिलीं, तभी उन्हें अपने परिवार के 18 सदस्यों की हत्या के बारे में पता चला। हसीना ने 2022 में न्यूज़ एजेंसी एएनआई को बताया, 'इंदिरा गांधी ने हमारे लिए सारे इंतज़ाम किए। मेरे पति के लिए नौकरी भी।' दिल्ली में हसीना पहले 56 रिंग रोड, लाजपत नगर-3 में रहती थीं, फिर दिल्ली के पंडारा रोड के घर में शिफ्ट हो गईं। छह साल बाद, 17 मई, 1981 को, हसीना बांग्लादेश लौटीं। वापसी के बाद देश पर कब्ज़ा कर चुकी मिलिट्री सरकार के खिलाफ एक लंबी और मुश्किल लड़ाई की शुरुआत की। करप्शन के आरोपों में जेल के बावजूद, हसीना डटी रहीं। आखिरकार, 1996 में शेख़ हसीना सत्ता में आईं, और पहली बार बांग्लादेश की प्रधानमंत्री बनीं। लेकिन उस कालखंड से इस समय अलग परिस्थितियां हैं। पीएम मोदी बांग्लादेश के सन्दर्भ में अपनी पूर्ववर्ती इंदिरा गांधी की राह पर चले ज़रूर, मगर इसके अंजाम का आकलन मोदी के रणनीतिकार सही से नहीं कर पाए। वर्ष 2013 में भारत-बांग्लादेश के बीच प्रत्यर्पण संधि हुई थी। और 2016 में इसमें बदलाव किया गया था, जो कम से कम एक साल की जेल की सज़ा वाले अपराधों के दोषी या अभियुक्तों की अदला-बदली की अनुमति देती है। इसमें आतंकवाद, ट्रैफिकिंग और ऑर्गनाइज़्ड क्राइम जैसे अपराध शामिल हैं, लेकिन यदि कोई राजनीतिक क़ैदी है, तो उसके प्रत्यर्पण से मना करने की सहूलियत भी संधि में है। 11 पेज की संधि के अनुच्छेद 6-7 और 8 को ध्यान से पढ़ा जाये, तो शेख हसीना को आपराधिक धाराओं से भी छूट मिल जाती है। भारत इन्हीं धाराओं के आधार पर शेख़ हसीना के प्रत्यर्पण से मना करने की स्थिति में है। इस संधि पर हस्ताक्षर करने वाले तत्कालीन गृह मंत्री सुशील कुमार शिंदे और उनके समकक्ष डॉ. मोहिनुद्दीन ख़ान आलमगीर अभी जीवित हैं। बहरहाल, 17 नवंबर, 2025 को 453 पेज के फैसले में, बांग्लादेश की इंटरनेशनल क्राइम्स ट्रिब्यूनल (आईसीटी) ने शेख़ हसीना और दो सह-आरोपियों को दो अलहदा मामलों में मौत की सजा सुनाई थी। उन्हें पिछले साल 5 अगस्त को ढाका के चंखारपुल में छह निहत्थे प्रदर्शनकारियों की गोली मारकर हत्या करने के आरोप संख्या 4 के तहत मौत की सजा सुनाई गई थी। आरोप संख्या 5 के तहत, आरोपियों पर उसी दिन अशुलिया में छह छात्र प्रदर्शनकारियों को गोली मारने का आरोप था, जिनमें से पांच को बाद में जला दिया गया था, जबकि छठे को कथित तौर पर जिंदा रहते हुए आग लगा दी गई थी। पूर्व गृह मंत्री असदुज्जमान खान कमाल को भी मौत की सजा सुनाई गई, जबकि पूर्व पुलिस महानिरीक्षक चौधरी अब्दुल्ला अल-मामून, जो सरकारी गवाह बन गए थे, को इस मामले में पांच साल की कैद की सजा सुनाई गई थी। भारत का कहना है, कि वह पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के प्रत्यर्पण के लिए बांग्लादेश के आग्रह की जांच कर रहा है। क्या भारत ने पहले कभी किसी राजनीतिक शरणार्थी का प्रत्यर्पण किया है? भारत ने आम तौर पर शरणार्थियों को वापस न भेजने (नॉन-रिफाउलमेंट) की नीति अपनाई हुई है। इसी नीति के तहत, दलाई लामा जैसे प्रमुख राजनीतिक शरणार्थियों को ऐतिहासिक रूप से संरक्षण दिया गया है। हालांकि, भारत 1951 के शरणार्थी कन्वेंशन का हस्ताक्षरकर्ता नहीं है। आपराधिक मामलों या राष्ट्रीय सुरक्षा के आधार पर विशिष्ट व्यक्तियों के प्रत्यर्पण या निर्वासन का उसका अपना इतिहास रहा है। वर्ष 1959 से भारत ने दलाई लामा को राजनीतिक शरण दे रखी है। चीन ने उसका कड़ा विरोध किया था, लेकिन प्रत्यर्पण की मांग पूरी नहीं हुई। चीन से हमारे संबंध दोस्ती और कुश्ती वाले रहे हैं। चीन से गलवान-देपसांग झड़प भी हुई, तो उभयपक्षीय व्यापार एकदम से रुक नहीं गया। तो क्या हम बांग्लादेश से चीन जैसा सम्बन्ध बनाये रखना चाहते हैं, या फिर शेख हसीना की 'कूटनीतिक बलि' दे दी जाएगी? यह आधिकारिक रूप से स्पष्ट नहीं है, कि शेख हसीना किसी थर्ड कंट्री में शरण चाहेंगी। शेख़ हसीना की क़ीमत पर कोई तीसरा देश क्यों अपने सम्बन्ध तारिक़ रहमान सरकार से ख़राब करेगा? बीएनपी को इतना बड़ा जनादेश सहानुभूति वोट, और शेख हसीना शासन में हुए सितम की वजह से मिला है। तारिक़ रहमान हर हाल में शेख़ हसीना से पुराना स्कोर सेटल करना चाहेंगे।

हिंसक प्रदर्शनकारियों से जान बचाते हुए ढाका से गाजियाबाद के लिए एक सीक्रेट फ्लाइट से भागी थीं, अभी फांसी से दूर हैं, और नई दिल्ली निर्वासन में रह रही हैं। शेख हसीना का सवाल विक्रम और बेताल की तरह मोदी सरकार के कंधे पर सवार है। चूंकि प्रधानमंत्री मोदी को 'एआई समिट' में उपस्थित रहना था, इसलिए तारिक़ रहमान के शपथ ग्रहण समारोह में उन्होंने ढाका, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला को भेजा। बांग्लादेश की तरफ से उन्हें सौंपने के बार-बार अनुरोध के बावजूद भारत में हसीना की मौजूदगी पिछले 18 महीनों में दक्षिण एशियाई पड़ोसियों के बीच झगड़े की एक बड़ी वजह रही है। भले ही भारत, ढाका के साथ 'पोस्ट हसीना पार्टनरशिप' बनाने के लिए उत्सुक है, लेकिन कई जियोपॉलिटिकल एनालिस्ट ने कहा, कि वे ऐसे हालात की कल्पना नहीं कर सकते, जिसमें नई दिल्ली पूर्व प्रधानमंत्री को मौत की सज़ा का सामना करने के लिए बांग्लादेश को सौंप दे।

देश दुनिया से

क्या बांग्लादेश अपने संविधान की मूल भावना, धर्मनिरपेक्षता और बहुलतावाद को बनाए रखेगा

लोकतंत्र की असली शक्ति मतपेटी में नहीं बल्कि मतदाता के विश्वास में निहित होती है। बांग्लादेश के नागरिकों ने उसी विश्वास की परीक्षा दी है। आने वाले दिनों में यह स्पष्ट होगा कि जनता ने जिसे चुना है वह जनता के विश्वास पर कितना खरी उतरती है। परंतु यह निति है कि यह चुनाव इतिहास में उस मोड़ के रूप में दर्ज होगा जब राष्ट्र ने स्वयं से पूछा कि वह वैसा भविष्य चाहता है? बांग्लादेश आज अपने इतिहास के एक अत्यंत संवेदनशील मोड़ पर खड़ा है। 13वें आम चुनाव के लिए मतदान केवल सत्ता परिवर्तन की प्रव्रिया के लिए नहीं हुआ है बल्कि यह उस दिशा का निर्धारण भी है जिस ओर यह दक्षिण एशियाई राष्ट्र आगे बढ़ेगा। पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के देश छोड़ने और भारत में शरण लेने के बाद यह पहला राष्ट्रीय चुनाव हुआ है। ऐसे समय में यह चुनाव हुआ जब राजनीतिक परिदृश्य अस्थिर है और समाज में अविश्वास गहराया हुआ है तब यह चुनाव लोकतंत्र की परीक्षा भी है और सामाजिक सौहार्द की भी। देश के लगभग बारह करोड़ अस्सी लाख मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। मतदान के लिए सपेद मतपत्र नईं सरकार के चयन के लिए हुआ जबकि पिक मतपत्र के माध्यम से जुलाईं नेशनल चार्टर नामक संवैधानिक संशोधन पर भी जनमत लिया गया। इस दोहरे मतदान ने चुनाव को और अधिक निर्णायक बना दिया था। एक ओर सरकार चुनने की प्रव्रिया थी तो दूसरी ओर संविधान की आत्मा में परिवर्तन का प्रस्ताव। ऐसे में यह चुनाव केवल राजनीतिक दलों के बीच प्रतिस्पर्धा नहीं बल्कि राष्ट्र की विचारधारा की दिशा तय करने वाला जनमत संग्रह बन गया। चुनावी माहौल में डर और असुरक्षा की भावना स्पष्ट रूप से दिखाईं दी। विशेषकर हिदू समुदाय के बीच भविष्य को लेकर गहरी चिता थी। पिछले वुछ महीनों में हुईं घटनाओं ने इस आशंका को और बढ़ाया था। विभिन्न जिलों में मंदिरों पर हमले हुए हैं दुकानों में आगजनी हुईं और समुदाय विशेष के लोगों को निशाना बनाए जाने की खबरें सामने आईं थी। रंगपुर में सुसेन चंद्र सरकार की हत्या ने पूरे क्षेत्र को झकझोर दिया था। खुलना में मंदिर में तोड़फोड़ की गईं थी। चटगांव में दीपक साहा की दुकान को लूटा गया और आग के हवाले कर दिया गया था। लालमोनिर हाट में एक शिक्षक के परिवार पर हमला हुआ था। बरिसाल में गौरव दास को चुनावी रैली के बाद चावू मारा गया था। इन घटनाओं ने चुनाव को केवल राजनीतिक नहीं बल्कि सामाजिक सुरक्षा का मुद्दा बना दिया था। राजनीतिक परिदृश्य में भी बड़ा बदलाव आया है। लंबे समय तक सत्ता में रही अवामी लीग इस चुनाव में मुख्य दावेदार के रूप में नहीं दिखी। मैदान में मुख्य रूप से बांग्लादेश राष्ट्रवादी पाटा और जमात ए इस्लामी के नेतृत्व वाला गठबंधन है। बीएनपी का नेतृत्व पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया के बेटे तारिक रहमान के हाथों में है। अधिकांश सव्रेक्षणों में बीएनपी को बढ़त मिलती दिखाईं दी। दूसरी ओर जमात-ए-इस्लामी एक व्यापक गठबंधन के साथ चुनाव मैदान में था जिसमें नवगठित नेशनल सिटिजन पाटा भी शामिल है। इस गठबंधन की वैचारिक दिशा को लेकर समाज में बहस तेज है क्योंकि जमात लंबे समय तक प्रतिबंधित रही और उस पर कट्टरपंथी एजेंडा चलाने के आरोप लगते रहे हैं। हिदू समुदाय के कईं लोग खुद को राजनीतिक रूप से असहाय महसूस कर रहे थे। उनका मानना है कि मुख्य दलों में कोईं भी स्पष्ट रूप से उदारवादी या मध्यममागा दृष्टिकोण लेकर सामने नहीं आया। वुछ मतदाता ने बीएनपी को अपेक्षावृत सुरक्षित विकल्प माना जबकि जमात के प्रभाव को लेकर आशंका व्यत्त कर रहे थे। ढाका के एक मतदाता ने कहा कि वे ऐसे दल को वोट देंगे जो देश को धरमिक कट्टरता की ओर न ले जाए। यह भावना केवल एक व्यत्ति की नहीं बल्कि उस वर्ग की है जो स्थिरता और समान अधिकारों की गारंटी चाहता है। चुनाव आयोग ने सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए थे। लगभग डेढ़ लाख से अधिक पुलिस और सुरक्षा कर्मियों को तैनात किया गया था। करीब एक लाख सैनिक भी विभिन्न क्षेत्रों में तैनात थे। देश के आधे से अधिक मतदान वेंद्रों को संवेदनशील घोषित किया गया थे। अधिकांश निर्वाचन क्षेत्रों में सुरक्षा वैमरे लगाए गए थे। एक क्षेत्र में उम्मीदवार की मृत्यु के कारण मतदान स्थगित कर दिया गया। इन व्यवस्थाओं से स्पष्ट था कि प्रशासन संभावित हिसा को लेकर सतर्व थे। चुनाव प्रचार के दौरान हुईं हिसक घटनाएं स्थिति की गंभीरता को दर्शाती हैं कि दिसंबर से फरवरी के बीच राजनीतिक झड़पों में कईं लोगों की जान गईं और सैकड़ों घायल हुए। मानवाधिकार संगठनों ने पिछले डेढ़ वर्ष में राजनीतिक हिसा में बड़ी संख्या में लोगों के मारे जाने और हजारों के घायल होने की जानकारी दी है। यह आंकड़े लोकतांत्रिक प्रव्रिया पर गहरे सवाल खड़े करते हैं। यदि चुनाव हिसा की छाया में होगा तो उसकी वैधता पर भी प्रश्न उठेंगे। इस बार का चुनाव एक वैचारिक संघर्ष भी था। क्या बांग्लादेश अपने संविधान की मूल भावना, धर्मनिरपेक्षता और बहुलतावाद को बनाए रखेगा या धरमिक पहचान को राजनीतिक शत्ति के रूप में स्वीकार करेगा। पिक मतपत्र के माध्यम से प्रस्तावित संवैधानिक संशोधन इसी दिशा का संकेत देगा। यदि मतदाता बड़े पैमाने पर संशोधन का समर्थन करते हैं तो देश की राजनीतिक संरचना में दीर्घकालिक परिवर्तन संभव है। यदि वे इसे अस्वीकार करते हैं तो यह वर्तमान व्यवस्था पर भरोसे का संकेत होगा। अंतर्राष्ट्रीय समुदाय भी इस चुनाव पर नजर रखे हुए है। दक्षिण एशिया में स्थिरता के लिए बांग्लादेश की भूमिका महत्वपूर्ण है। भारत के साथ उसके संबंध रणनीतिक और आर्थिक दृष्टि से अहम हैं। शेख हसीना के भारत में रहने के कारण यह चुनाव द्विपक्षीय संबंधों के संदर्भ में भी महत्वपूर्ण हो गया है। नईं सरकार की नीतियां क्षेत्रीय संतुलन को प्रभावित कर सकती हैं। आम मतदाता के लिए यह चुनाव केवल राजनीतिक बहस का विषय नहीं बल्कि रोजमर्रा के जीवन से जुड़ा प्रश्न था। आर्थिक चुनौतियां बेरोजगारी महंगाईं और सामाजिक असुरक्षा लोगों की प्राथमिक चिताएं थी। यदि नईं सरकार इन मुद्दों पर ठोस कदम उठाने में विफल रहती है तो असंतोष और बढ़ सकता है। इसलिए मतदाता केवल विचारधारा नहीं बल्कि शासन क्षमता को भी परख रहे थे। बांग्लादेश ने अपने स्वतंत्रता संघर्ष से लेकर अब तक कईं उतार चढ़ाव देखे हैं। सैन्य शासन से लोकतंत्र की ओर वापसी और फिर राजनीतिक ध्रुवीकरण का दौर देश की यात्रा का हिस्सा रहा है। यह चुनाव उसी यात्रा का नया अध्याय है। यह तय करेगा कि देश समावेशी लोकतंत्र की राह पर आगे बढ़ेगा या वैचारिक टकराव की ओर जाएगा। मतदान के परिणाम चाहे जो भी आए हैं एक बात स्पष्ट हो गईं है कि बांग्लादेश के सामने सबसे बड़ी चुनौती सामाजिक विश्वास की पुनस्र्थापना है। यदि राजनीतिक दल चुनाव के बाद भी संवाद और सहमति की राजनीति अपनाते हैं तो लोकतंत्र मजबूत होगा। यदि प्रतिशोध और विभाजन की राजनीति हावी रही तो अस्थिरता बढ़ सकती है। इसलिए यह चुनाव केवल सरकार बदलने का अवसर नहीं बल्कि राष्ट्रीय आत्ममंथन का क्षण है। लोकतंत्र की असली शक्ति मतपेटी में नहीं बल्कि मतदाता के विश्वास में निहित होती है।

आप का नज़रिया

एआई से दोस्ती

भारत ने बदलती वैश्विक हवा की दिशा-दशा को पहचानते हुए देश में जिस सबसे बड़ी एआई समिट आयोजित कराने का फैसला किया, उसके सकारात्मक परिणाम सामने आने लगे हैं। इस पांच दिवसीय शिखर सम्मेलन की सार्थकता का पता इस बात से चलता है कि इसमें सौ बड़ी कंपनियों के सीईओ, बीस के करीब देशों के राष्ट्राध्यक्ष और 135 देशों के प्रतिनिधि जुटने की बात कही जा रही है। हाल के वर्षों में, दुनिया के सबसे ज्यादा युवाओं के देश भारत में एआई को लेकर जिस तरह का उत्साह व जुनून देखने को मिल रहा है, उम्मीद है कि आने वाले वर्षों में वो देश को दुनिया में एआई का हब बना ही देगा। वहीं दूसरी ओर महत्वपूर्ण बात यह भी है कि एआई भारत में आम लोगों के जीवन में बदलाव की वाहक बने। आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस यानी एआई भारत समेत दुनिया के देशों में आज सुशासन, विकास व नागरिक सेवाओं के बेहतर निस्तारण में कारगर भूमिका निभा रही है। यही वजह है कि ग्लोबल साउथ के देश हमारी ओर बड़ी उम्मीद से देख रहे हैं कि भारत द्वारा विकसित एआई के दिशा-निर्देश और नीतियां उभरती अर्थव्यवस्थाओं के लिये मददगार साबित होंगी। आज दुनिया में विकसित व धनी देश एआई को अपनी संकीर्ण आर्थिक व राजनीतिक हितों की पूर्ति का साधन बना रहे हैं, उससे गरीब व विकासशील देशों में असुरक्षाबोध पैदा हो रहा है। यह सुखद ही कि देश की राजधानी दिल्ली पांच दिन तक दुनिया में एआई कैपिटल बनी रहेगी। वहीं दूसरी ओर, 20 फरवरी तक भारत मंडपम में आयोजित की जा रही पांच दिवसीय इंडिया समिट में करीब तीन लाख लोगों का रजिस्ट्रेशन कराना, इस आयोजन की सार्थकता व सफलता को ही उजागर करता है। इसमें दो राय नहीं है कि हाल के वर्षों मे भारत ने खुद को एक एआई पॉवर हाउस के रूप में विकसित करने का प्रयास किया है। साथ ही विशाल डाटा संसाधन के साथ ही एआई वर्क फोर्स को भी तैयार किया है। निस्संदेह, इंडिया समिट तकनीकी क्रांति के बीच नई संभावनाओं को तलाशने की भारत की सकारात्मक पहल है। विश्वास किया जा रहा है कि इस सम्मेलन के जरिये भारत दुनिया में एआई को जवाबदेह, स्थायी और समावेशी तकनीक के रूप में स्थापित करने का प्रयास करेगा। इसमें दो राय नहीं कि हाल के वर्षों में एआई की स्वीकार्यता व कारोबार तेजी से बढ़ा है। लेकिन विडंबना यह है कि तमाम धनी राष्ट्रों में इस तकनीक को अपना जिन्न बनाने की होड़ लगी है। जो कालांतर दुनिया में पहले से ही व्याप्त आर्थिक असमानता को और ही बढ़ाएगा। सही मायनों में दुनिया में समावेशी समाज बनाने और आर्थिक विषमता को दूर करने के लिये जरूरी है कि एआई का उपयोग लोकतांत्रिक तरीके से नैतिकतापूर्ण ढंग से किया जाए। विश्वास किया जाना चाहिए कि इंडिया समिट में दुनिया के देश एआई तकनीक के सामने आने वाली चुनौतियों पर भी मंथन करेंगे। इस तथ्य से भी इनकार नहीं किया जा सकता कि एआई तेजी से दुनिया में विस्तार तो पा रही है, मगर यह तकनीक मानव जीवन के लिये कई तरह के खतरे भी पैदा कर रही है। हाल के वर्षों में दुनिया में एआई के दुरुपयोग के मामले भी तेजी से बढ़े हैं। जाहिर है इसके उपयोगकर्ताओं में इसको लेकर भरोसा कायम रहना चाहिए। उम्मीद की जानी चाहिए कि इंडिया समिट में एआई की विश्वसनीयता बनाने की दिशा में कोई सार्थक पहल होगी। जरूरी है कि एआई का कारोबार करने वाली कंपनियों की जवाबदेही भी तय की जाए। वहीं भारत जैसे विकासशील देशों में, जहां श्रमप्रधान कार्य-संस्कृति रही है और फिलहाल बेरोजगारी का आंकड़ा बढ़ा है, वहां एआई नौकरी देने वाली हो, न कि नौकरी खाने वाली। एआई के विस्तार से परंपरागत नौकरियों पर संकट नहीं आना चाहिए। निस्संदेह, युवाओं के देश भारत में एआई के प्रति जागरूकता व जुनून पैदा करने के लिये युद्ध स्तर पर पहल की जानी चाहिए। ताकि आने वाले वर्षों में हम भारत को दुनिया का एआई हब बनते हुए देख सकें।

दुनिया के सबसे ज्यादा युवाओं के देश भारत में एआई को लेकर जिस तरह का उत्साह व जुनून देखने को मिल रहा है, उम्मीद है कि आने वाले वर्षों में वो देश को दुनिया में एआई का हब बना ही देगा। वहीं दूसरी ओर महत्वपूर्ण बात यह भी है कि एआई भारत में आम लोगों के जीवन में बदलाव की वाहक बने। आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस यानी एआई भारत समेत दुनिया के देशों में आज सुशासन, विकास व नागरिक सेवाओं के बेहतर निस्तारण में कारगर भूमिका निभा रही है। यही वजह है कि ग्लोबल साउथ के देश हमारी ओर बड़ी उम्मीद से देख रहे हैं कि भारत द्वारा विकसित एआई के दिशा-निर्देश और नीतियां उभरती अर्थव्यवस्थाओं के लिये मददगार साबित होंगी। आज दुनिया में विकसित व धनी देश एआई को अपनी संकीर्ण आर्थिक व राजनीतिक हितों की पूर्ति का साधन बना रहे हैं, उससे गरीब व विकासशील देशों में असुरक्षाबोध पैदा हो रहा है। यह सुखद ही कि देश की राजधानी दिल्ली पांच दिन तक दुनिया में एआई कैपिटल बनी रहेगी। वहीं दूसरी ओर, 20 फरवरी तक भारत मंडपम में आयोजित की जा रही पांच दिवसीय इंडिया समिट में करीब तीन लाख लोगों का रजिस्ट्रेशन कराना, इस आयोजन की सार्थकता व सफलता को ही उजागर करता है। इसमें दो राय नहीं है कि हाल के वर्षों मे भारत ने खुद को एक एआई पॉवर हाउस के रूप में विकसित करने का प्रयास किया है। साथ ही विशाल डाटा संसाधन के साथ ही एआई वर्क फोर्स को भी तैयार किया है। निस्संदेह, इंडिया समिट तकनीकी क्रांति के बीच नई संभावनाओं को तलाशने की भारत की सकारात्मक पहल है।

दृष्टि कोण

राजस्व घाटे के बहाने तैयार रणनीति

गत सप्ताह की शुरुआत में 'द ट्रिब्यून' में मेरे सहयोगी सुभाष राजटा की लिखी एक खबर छपी थी, जो हिमाचल प्रदेश की सुखविंदर सिंह सुक्खू सरकार द्वारा अपने इस्तेमाल के लिए 10 लग्ज़री कारें खरीदने के बारे में थी –जबकि ठीक इसी वक्त मुख्यमंत्री 16वें वित्त आयोग के कर्ता-धर्ताओं से राज्यों को दिए जाने वाला राजस्व घाटा अनुदान बंद करने और मितव्ययिता अपनाने वाले अपने उस फैसले पर पुनर्विचार के लिए गुहार लगाने दिल्ली गए थे– इस खबर से हंगामा मच गया। लोगों का पूछना वैध है कि अगर स्कूलों, बसों, अस्पतालों वगैरह के बजट में कटौती की जा रही है तो ऐसे में मंत्रियों और नौकरशाहों को फैंसी, नई कारों का इस्तेमाल करने की ज़रूरत क्यों है —देखा जाए तो, 'लाल बत्ती' का खुमार नई गाड़ियों की खरीद करने से नहीं रोकता। फिर, हिमाचल सरकार अपनी ही पार्टी की बनाई उस 'सुधार संहिता पुस्तिका' से सबक क्यों नहीं ले रही, जिसे 1991 में तत्कालीन प्रधानमंत्री पीवी नरसिम्हा राव ने लागू किया था, और जिसको बनाने में उस वक्त के वित्त मंत्री डॉ. मनमोहन सिंह और वित्त सचिव मोंटेक सिंह आहलूवालिया ने अच्छी-खासी मदद की थी। इससे न केवल भारत को बदलने में मदद मिली बल्कि भारतीयों को दुनिया का सामना करने का आत्मविश्वास भी मिला। (लगता है कि सुक्खू ने कुछ नए उपाय सीखने के लिए पिछले दिनों पूर्व वित्त मंत्री पी. चिदंबरम से मुलाकात की है)। निश्चित तौर पर, 6,390 करोड़ रुपये के राजस्व घाटा, जो कि हिमाचल प्रदेश के सकल घरेलू उत्पाद का 2.5 फीसदी बनता है, सुक्खू के लिए एक समस्या है। लेकिन ऐसा भी नहीं है कि राजस्व घाटे में रहने वाला केवल उनका राज्य ही एकमात्र है। न ही ऐसा है कि पैसा खर्च करना कोई बुरी बात है— लेकिन हम सब जानते हैं कि जरूरत से अधिक खर्च (जब तक कि यह आपको ऐसे कर्ज़ में न डाल दे जिसे आप चुका न पाएं) अर्थव्यवस्था चलाए रखने में मददगार होता है। इसीलिए यह मापने करने

के लिए कितना कर्जदार आपका सूबा है, मुख्य पैमाना निरोल आकंड़े न देखकर, राज्य के सकल घरेलू उत्पाद के परिप्रेक्ष्य में राजस्व घाटे का प्रतिशत कितना है, यह देखना चाहिए। तो पंजाब का अनुमानित राजस्व घाटा, जो 23,957 करोड़ रुपये है, जो कि सूबे के सकल घरेलू उत्पाद का 2.7 प्रतिशत बनता है, और यह काफी ज्यादा है। तमिलनाडु का राजस्व घाटा 41,635 करोड़ रुपये तो और भी ज़्यादा है, लेकिन यह राज्य के सकल घरेलू उत्पाद का महज 1.17 प्रतिशत है। केरल की मार्क्सवादी सरकार– जो अपने बजट का एक बड़ा हिस्सा सामाजिक भलाई योजनाओं में लगाती है और जिसकी आबादी पंजाब जितनी ही है– उसका राजस्व घाटा पंजाब के मुकाबले ज़्यादा है, 27,125 करोड़ रुपये, लेकिन सकल घरेलू उत्पाद के परिप्रेक्ष्य में राजस्व घाटा उससे कम है, यानी 1.9 फीसदी। वहीं दूसरी ओर, भारत के सबसे समृद्ध राज्यों में से एक कर्नाटक का राजस्व घाटा 19,262 करोड़ रुपये है, जो कि उसके सकल घरेलू उत्पाद के परिप्रेक्ष्य में महज 0.6 फीसदी बनता है। आप तस्वीर साफ़ रूप में देखिए। छोटे से हिमाचल प्रदेश ने शिक्षा जैसे कुछ पैमानों पर अच्छा कर दिखाया है, लेकिन वह अपना खर्च पूरी तरह से अपने तौर पर चलाने के लिए पर्याप्त राजस्व नहीं जुटा पाता। दूसरी ओर, तमिलनाडु जैसे कहीं ज्यादा बड़ा सूबे, भले ही वे मुफ़्त की रेवड़ियां बांटने में पैसा उड़ाते हों – यह सब करने का आरोप हिमाचल पर भी है – अपने बजट को काबू में रख पाते हैं क्योंकि बड़े पैमाने के निवेश इन्वेस्टमेंट बूते वे अपने खर्च को पूरा कर पाते हैं।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

अपने जीवनसाथी के साथ धन से जुड़े किसी मामले को लेकर आज आपका झगड़ा हो सकता है। हालांकि अपने शांत स्वभाव से आप सबकुछ ठीक कर देंगे। परिवार के सदस्यों की ज़रूरतों को तरजीह दें। उनके सुख-दु:ख के भागीदार बनें, ताकि उन्हें महसूस हो कि आप वाक़ई उनका ख़याल रखते हैं। एकतरफ़ा लगाव आपके लिए सिर्फ दिल तोड़ने का काम करेगा। ऐसे बदलाव लाएँ जो आपके रूप-रंग में निखार ला सके और संभावित साथियों को आपकी ओर आकर्षित करे। आपके जीवनसाथी की मांगें तनाव का कारण बन सकती हैं।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज बिना किसी की सलाह लिये बिना आज आपको पैसा कहीं भी इनवेस्ट नहीं करना चाहिए। घरेलू ज़िंदगी सुकूनभरी और ख़ुशनुमा रहेगी। यात्रा के चलते रुमानी संबंध को बढ़ावा मिलेगा। अगर आप अपनी चीज़ों का ध्यान नहीं रखेंगे, तो उनके खोने या चोरी होने की संभावना है। आप अपने जीवनसाथी के प्यार की मदद से ज़िन्दगी की मुश्किलों का आसानी से सामना कर सकते हैं। आपके घर का कोई सदस्य आज आपसे प्यार से जुड़ी कोई समस्या शेयर कर सकता है। आपको उन्हें उचित सलाह देनी चाहिए।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आपको आर्थिक फ़ायदा होगा । पुरखों की जायदाद की ख़बर पूरे परिवार के लिए ख़ुशी ला सकती है। खाली समय में आप कोई खेल आज के दिन खेल सकते हैं लेकिन इस दौरान किसी तरह की दूर्घटना होने की भी संभावना है इसलिए संभलकर रहें। मुमकिन है कि आज आपका जीवनसाथी ख़ूबसूरत शब्दों में यह बताए कि आप उनके लिए कितने क़ीमती हैं। जिन्दगी आपके अनुसार तभी चल सकती है जब आप सही विचार और सही लोगों की संगति में रहें।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

दोस्तों को अपने उदार स्वभाव का ग़लत फ़ायदा न उठाने दें। थोड़े बहुत टकराव के बावजूद भी आज आपका प्रेम जीवन अच्छा रहेगा और आप अपने संगी को खुश रखने में कामयाब होंगे। जो भी आपसे मिले, उसके साथ विनम्र और सुखद व्यवहार करें। बहुत कम लोग ही आपके इस आकर्षण का राज़ जान पाएंगे। कुछ लोग सोचते हैं कि वैवाहिक जीवन ज़्यादातर झगड़ों और सेक्स के इर्द-गिर्द ही घूमता है, लेकिन आज आपके सब कुछ शान्त रहने वाला है। धन को इतनी अहमियत न दें कि आपके रिश्ते ही खराब हो जाएँ।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

इस राशि के कुछ लोगों को आज जमीन से जुड़े किसी मुद्दे को लेकर धन खर्च करना पड़ सकता है। गृह-प्रवेश के लिए शुभ दिन है। ज़िन्दगी की हक़ीक़त का सामना करने के लिए आपको अपने प्रिय को कम-से-कम कुछ वक़्त के लिए भूलना पड़ेगा। दूसरों की राय को ग़ौर से सुनें- अगर आप आज वाक़ई फ़ायदा चाहते हैं तो। आपका जीवनसाथी आपकी ज़रूरतों को अनदेखा कर सकता है, जिसके चलते आप चिड़चिड़े हो सकते हैं।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

किसी करीबी दोस्त की मदद से आज कुछ कारोबारियों को अच्छा-खासा धन लाभ होने की संभावना है। यह धन आपकी कई परेशानियों को दूर कर सकता है। परिवार के लिए किसी अच्छे और ऊँचे लक्ष्य को हासिल करने के नज़रिए से समझ-बूझकर थोड़ा ख़तरा उठाया जा सकता है। चूके मौक़ों की वजह से डरें नहीं। आपकी बातें घरवालों को परेशान कर सकती हैं लेकिन इन बातों का हल अवश्य निकलेगा। आपको महसूस होगा कि आपका जीवनसाथी इससे बेहतर पहले कभी नहीं हुआ। सेहत के लिहाज़ से दौड़ लगाना आपके लिए फ़ायदेमंद रहेगा ।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

दिन की शुरुआत भले ही अच्छी हो लेकिन शाम के वक्त किसी वजह से आपका धन खर्च हो सकता है जिससे आप परेशान होंगे। आपके माता-पिता की सेहत चिंता और घबराहट का कारण बन सकती है। आज आप हर तरफ़ प्यार-ही-प्यार फैलाएंगे। बातचीत में कुशलता आज आपका मज़बूत पक्ष साबित होगी। थोड़ी-सी कोशिश करें तो यह दिन आपके वैवाहिक जीवन के सबसे विशेष दिनों में से एक हो सकता है। आज आप किसी दोस्त या करीबी रिश्तेदार से अपने दिल के गम साझा कर सकते हैं।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

बिना विचार किये आपको किसी को भी अपना पैसा नहीं देना चाहिए नहीं तो आपको आने वाले वक्त में बड़ी परेशानी है सकती है। यह परिवार में दबदबा बनाए रखने की अपनी आदतों को छोड़ने का वक़्त है। ज़िंदगी के उतार-चढ़ाव में उनके कंधे से कंधा मिलाकर साथ दें। आपका बदला हुआ बर्ताव उनके लिए ख़ुशी का सबब साबित होगा। अगर आप वैवाहिक तौर पर लंबे समय से कुछ नाख़ुश हैं, तो आज के दिन आप हालात बेहतर होते हुए महसूस कर सकते हैं। शांति का वास आपके दिल में रहेगा और इसीलिए आप घर में भी अच्छा माहौल बना पाने में कामयाब होंगे।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

ख़ुद को सेहतमंद और दुरुस्त रखने के लिए वसायुक्त और तली-भुनी चीज़ों से दूर रहें। आज यदि आप अपने दोस्तों के साथ कहीं घूमने जा रहे हैं तो पैसा सोच समझकर खर्च करें। धन हानि हो सकती है। जितना आपने सोचा था, आपका भाई उससे ज़्यादा मददगार साबित होगा। आज आप बच्चों के साथ बच्चों के जैसा ही व्यवहार करेंगे जिससे आपके बच्चे सारे दिन आपसे चिपके रहेंगे।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज नवयुवकों को स्कूल प्रोजेक्ट की बाबत कुछ राय लेने की ज़रूरत हो सकती है। घर में परेशानियाँ पैदा हो सकती हैं- लेकिन अपने साथी को छोटी-छोटी बातों के लिए ताने देने से बचें। आज काफ़ी दिमागी कसरत मुमकिन है। आपमें से कुछ भविष्य की योजनाओं पर गहराई से सोच सकते हैं। अकेलापन कई बार काफ़ी दिक़्क़त भरा हो सकता है, ख़ास तौर से उन दिनों में जब कि आपके पास ज़्यादा कुछ करने के लिए न हो। इससे छुटकारा पाने की कोशिश करें और अपने दोस्तों के साथ थोड़ा समय व्यतीत करें।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

जो लोग अब तक पैसे को बिना सोचे विचारे उड़ा रहे थे उन्हें आज पैसे की बहुत आवश्यकता पड़ सकती है और आज आपको समझ में आ सकता है कि पैसे की जीवन में क्या अहमियत है। आपको अपने रोज़मर्रा के कामों से छुट्टी लेकर आज दोस्तों के साथ घूमने का कार्यक्रम बनाना चाहिए। खेलकूद जीवन का जरुरी हिस्सा है लेकिन खेलकूद में इतने भी व्यस्त न हो जाएं कि आपकी पढ़ाई में कमी आ जाए। अपने प्रिय के साथ पर्याप्त समय बिताने की संभावना है। ऐसा हो भी क्यों न, ऐसे पल ही तो किसी संबंध को प्रगाढ़ बनाते हैं।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

अपनी शारीरिक सेहत सुधारने के लिए संतुलित आहर लें आज के दिन आप ऊर्जा से लबरेज़ रहेंगे और मुमकिन है कि अचानक अनदेखा मुनाफ़ा भी मिले। आपको अपनी भावनाओं को नियन्त्रित करने में कठिनाई होगी, लेकिन आस-पास के लोगों से झगड़ा न करें नहीं तो आप अकेले रह जाएंगे। याद रखिए कि आँखें कभी झूठ नहीं बोलतीं। आपका अपने जीवनसाथी के साथ तनावपूर्ण संबंध रह सकता है। जहां तक सम्भव हो बात को बढ़ने न दें। अपने साथी के लिए कोई बेहतरीन पकवान बनाना आपके फीके पड़े रिश्तों में गर्मजोशी भर सकता है।

आज का पंचांग

दिनांक : 18 फरवरी 2026 , बुधवार
विक्रम संवत : 2082
मास : फाल्गुन , शुक्ल पक्ष
तिथि : प्रतिपदा सायं 05:00 तक
नक्षत्र : शतभिषा रात्रि 09:16 तक
योग : शिव रात्रि 10:44 तक
करण : बव सायं 05:00 तक
चन्द्रराशि : कुंभ
सूर्योदय : 06:41 , सूर्यास्त 06:18 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:41, सूर्यास्त 06:26 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:34 , सूर्यास्त 06:18 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:31, सूर्यास्त 06:11 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

लाभ : 06:00 से 07:30
अमृत : 07:30 से 09:00
शुभ : 10:30 से 12:00
चल : 03:00 से 04:30
लाभ : 04:30 से 06:00
राहुकाल : दोपहर 12:00 से 01:30
दिशाशूल : उत्तर दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : वसंत ऋतु आरंभ , पंचक चालू है , चन्द्र दर्शन

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

मुख्यमंत्री भजनलाल के नेतृत्व में

राजस्थान कृषि क्षेत्र के नवाचारों से देश को दिखा रहा नई दिशा : शिवराज सिंह

जयपुर, 17 फरवरी (एजेंसियां)। केन्द्रीय कृषि एवं कृषक कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि भारत विस्तार के माध्यम से कृषि में डिजीटल क्रांति का शंखनाद हुआ है। इस प्लेटफॉर्म से अन्नदाता किसानों को एआई आधारित प्रणाली में सही समय पर उनकी खेती से जुड़ी विविध जानकारियां त्वरित मिल सकेगी। उन्होंने कहा कि गुलाबी नगरी जयपुर से पूरे देशभर में शुरू हुए इस एआई आधारित नवाचार से किसानों को एकीकृत डिजीटल प्लेटफॉर्म पर समग्र कृषि सेवाएं प्रदान की जाएगी जिससे कृषि क्षेत्र में पारदर्शिता को बल मिलेगा एवं किसान सशक्त तथा आत्मनिर्भर बनेंगे। चौहान मंगलवार को दुर्गापुरा स्थित राज्य कृषि प्रबंधन संस्थान से आयोजित भारत विस्तार के शुभारंभ कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भारत विस्तार के माध्यम से किसानों को रियल टाइम मंडी मूल्य, भारतीय कृषि शोध संस्थान की कृषि पद्धतियां, केन्द्र की कृषि संबंधी जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी, फसल आधारित वैज्ञानिक परामर्श, मौसम पूर्वानुमान, कृषि ऋण, सरकारी योजनाओं की पात्रता, आवेदन सहित तमाम जानकारियां एक ही प्लेटफॉर्म पर आसानी से मिल पाएगी। वर्तमान में यह

हिन्दी एवं अंग्रेजी भाषा में शुरू किया गया है तथा भविष्य में यह 11 अन्य भारतीय भाषाओं में भी शुरू होगा। साथ ही, आगामी समय में इस प्लेटफॉर्म को एग्रीस्टैक से भी जोड़ा जाएगा जिसके तहत किसान अपनी फार्मर आई.डी. के माध्यम से अपने खेत से जुड़ी सभी समस्याओं का समाधान तुरंत प्राप्त कर सकेंगे।केन्द्रीय कृषि एवं कृषक कल्याण मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश में किसानों के कल्याण के लिए निरंतर कार्य किया जा रहा है। एमएसपी पर रिकॉर्ड खरीद की गई है। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, कृषि का विविधीकरण, प्राकृतिक खेती की तरफ बढ़ना, इंटीग्रेटेड फार्मिग, किसानों को खेती के साथ पशुपालन एवं कृषि वानिकी के लिए प्रोत्साहन सहित अनेक ऐसे निर्णय लिए गए हैं जिससे देश का अन्नदाता लाभान्वित हो रहा है।

चौहान ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की सराहना करते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में राजस्थान में कृषि क्षेत्र में नए-नए प्रयोग किए जा रहे है। साथ ही, कृषि में तकनीक की उपयोगिता से राज्य देश को दिशा भी दिखा रहा है। उन्होंने कहा कि राजस्थान में 10 एग्रो जलवायु क्षेत्र हैं, एक बड़ा हिस्सा रेगिस्तान का है। राज्य सरकार द्वारा निरंतर हो रहे नवाचारों के माध्यम से सूक्ष्म सिंचाई के क्षेत्र में प्रदेश देश में प्रथम स्थान पर आ गया है तथा सरकार ने राजस्थान में रेगिस्तान को नंदन वन बनाने का काम किया है।

चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री के लिए किसान हित सर्वोपरि है तथा उनका मानना है कि वे किसानों के हित पर किसी भी तरह की आंच नहीं आने देंगे। उन्होंने कहा कि वर्ष 2006-07 में जब चीनी का रिकॉर्ड उत्पादन हुआ तब तत्कालीन सरकार द्वारा चीनी का बफर स्टॉक क्यों नहीं किया गया, किसानों को संरक्षण क्यों नहीं दिया गया। साथ ही, पहले भारत खाद्य तेलो में आत्मनिर्भर था लेकिन तत्कालीन सरकार की गलत नीतियों के कारण खाद्य तेल में देश आयात पर निर्भर हो गया। उन्होंने पशुपालकों को आश्वस्त किया कि दूध, दही, घी, पनीर अथवा कोई भी डेयरी उत्पाद का आयात नहीं किया जाएगा। साथ ही, किसानों तथा गौ पशुपालकों के हितों का पूरा ध्यान रखा जाएगा।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने केन्द्रीय कृषि मंत्री का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ए.आई. के माध्यम से लागू होने वाली प्रणाली भारत विस्तार कृषि के आधुनिकीकरण की दिशा में ऐतिहासिक कदम है। यह किसानों की खुशहाली को और बढ़ाएगी। उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार ने आधार, यूपीआई और एग्रीस्टेक जैसे मजबूत डिजिटल प्लेटफॉर्म की तर्ज पर कृषि में ए.आई. पर आधारित एक राष्ट्रीय डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर भारत-विस्तार तैयार किया है। यह एक ऐसा तकनीकी बदलाव है जहां तकनीक, ज्ञान और किसान एक साथ आगे बढ़ते हैं। भारत विस्तार के माध्यम से किसानों के फोन में फसल की योजना, खेती के बेहतर तरीके, कीट से बचाव, मौसम की जानकारी, बाजार भाव, मत्स्यपालन, पशुपालन और सरकारी योजनाओं से जुड़ी जानकारी उपलब्ध होगी। इससे प्रदेश के किसानों को भी व्यापक फायदा मिलेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत विस्तार के माध्यम से किसानों को खेती से जुड़ी जानकारी और सेवाएं सीधे बातचीत के माध्यम से तुरंत उनकी भाषा में मिलेंगी। महाराष्ट्र से महाविस्तार, बिहार से बिहार कृषि, और गुजरात से अमूल जैसे सिस्टम पहले ही इससे जुड़ चुके हैं। यह एक साझा डिजिटल आधार है, जो केंद्र और राज्यों की प्रणालियों को जोड़कर किसानों तक सेवाएं सरल, एकीकृत और भरोसेमंद तरीके से पहुँचाने का माध्यम बनेगा।

किशनगढ़ में ट्रेफिक जाम के समाधान के लिए गंभीरता से प्रयास : गृह राज्यमंत्री

अजमेर, 17 फरवरी (एजेंसियां)। गृह राज्यमंत्री जवाहर सिंह बेढ़म ने मंगलवार को राज्य विधानसभा में कहा कि राज्य सरकार द्वारा किशनगढ़ में ट्रेफिक जाम की समस्या के समाधान के लिए गंभीरता से प्रयास किये गए हैं। शहर में अजमेर विकास प्राधिकरण की टीम द्वारा सर्वे करवाया है तथा ट्रेफिक मेनेजमेंट के लिए अधिक कार्मिकों की तैनाती की है। शहर के प्रमुख चौराहों पर लाइटें ठीक करवाई गई हैं। मार्बल एरिया में पलियावल रोड़ पर एक तरफा यातायात की व्यवस्था की गई है। इसी प्रकार मदनगंज के लिंक रोड़ पर बेरिकेड लगाकर कटों को बंद किया गया है तथा यहां के प्रमुख चौराहों पर चारों और 50 मीटर के दायरे में नो पार्किंग जोन विकसित किया है। उन्होंने आश्वस्त किया कि आवश्यकता और बजट संसाधनों के आधार पर यहां ट्रेफिक पुलिस थाना स्थापित करने पर विचार किया जाएगा। उन्होंने बताया कि वर्ष 2026-27 की बजट घोषणा में 35 करोड़ रुपये की लागत से पाटन- किशनगढ़ वाया तिलोनिया सड़क निर्माण की घोषणा की गई है।

गृह राज्य मंत्री प्रश्नकाल के दौरान विधायक विकास चौधरी द्वारा इस संबंध में पूछे गए पूरक प्रश्नों का जवाब दे रहे थे। उन्होंने बताया कि एशिया की बड़ी मार्बल मण्डी होने के कारण किशनगढ़ में यातायात का दबाव रहता है। इसके अलावा जयपुर से अजमेर, भीलवाड़ा और ब्यावर तक का रूट यहां से जाने के कारण बाहरी वाहनों का भी आवागमन बना रहता है।

राजस्व अधिकारियों की समीक्षा बैठक आयोजित

श्रीगंगानगर, 17 फरवरी (एजेंसियां)। जिला कलक्टर डॉ. मंजू की अध्यक्षता में मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिले की राजस्व संबंधी कार्यों की विस्तृत समीक्षा बैठक आयोजित हुई। बैठक में बजट घोषणा वर्ष 2026 के अंतर्गत जिन परियोजनाओं के लिए भूमि की आवश्यकता है, उनके लिए संबंधित अधिकारियों को उपयुक्त भूमि का चयन एवं प्रस्ताव शीघ्र प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए। बैठक में राजस्व न्यायालयों में लंबित प्रकरणों, नामांतरण, सीमांकन, रास्ता प्रकरण, भूमि विवाद, न्यायालयीन प्रकरणों तथा विभिन्न ऑनलाइन पोर्टलों पर दर्ज मामलों की प्रगति की समीक्षा की गई। जिला कलक्टर ने कहा कि आमजन से जुड़े राजस्व प्रकरणों का समयबद्ध, पारदर्शी एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि लंबित प्रकरणों की नियमित समीक्षा कर प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण किया जाए, ताकि आम नागरिकों को अनावश्यक रूप से परेशान न होना पड़े। उन्होंने सीएम थार योजना एवं डीएमएफटी के अंतर्गत संचालित कार्यों का नियमित निरीक्षण कर गुणवत्ता जांच सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

नशे पर सरकार की उदासीनता खतरनाक, युवाओं का भविष्य दांव पर : कुमारी सैलजा

चंडीगढ़, 17 फरवरी (एजेंसियां)। सिरसा की सांसद, पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव कुमारी सैलजा ने हरियाणा, विशेषकर पंजाब से सटे जिलों में तेजी से फैल रहे नशे के जाल पर गहरी चिंता व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में नशे की बढ़ती समस्या अत्यंत गंभीर रूप ले चुकी है, लेकिन राज्य सरकार इस ओर अपेक्षित गंभीरता नहीं दिखा रही। कुमारी सैलजा ने आरोप लगाया कि नशा तस्करों के सामने प्रदेश का प्रशासन लगभग पंगु नजर आ रहा है, जिसके कारण लगातार युवाओं की जिंदगी बर्बाद हो रही है। उन्होंने कहा कि सरकार केवल औपचारिक बयानबाजी तक सीमित है, जबकि जमीनी स्तर पर प्रभावी कार्रवाई दिखाई नहीं दे रही। उन्होंने कहा कि नशे की समस्या को केवल कानून-व्यवस्था के दायरे में सीमित करके नहीं देखा जा सकता। प्रदेश में बढ़ती बेरोजगारी भी युवाओं को नशे और अपराध की ओर धकेलने का एक बड़ा कारण है। जब तक सरकार रोजगार सृजन पर ठोस कदम नहीं उठाएगी, तब तक नशे के खिलाफ लड़ाई अधूरी रहेगी। कुमारी सैलजा ने मांग की कि सरकार नशे के खिलाफ व्यापक और समयबद्ध कार्ययोजना तैयार करे तथा इसमें समाज, विशेषज्ञों और विपक्ष को भी विश्वास में लिया जाए, ताकि प्रदेश स्तर पर एक संयुक्त अभियान चलाया जा सके। उन्होंने कहा कि यदि समय रहते सख्त और समन्वित कदम नहीं उठाए गए तो स्थिति और अधिक भयावह हो सकती है। उन्होंने प्रदेश सरकार से युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने, नशा तस्करों पर कड़ी कार्रवाई करने और प्रभावित क्षेत्रों में विशेष अभियान चलाने की मांग की है, ताकि हरियाणा को नशा मुक्त बनाने की दिशा में ठोस प्रगति सुनिश्चित हो सके।

सिरसा लोकसभा क्षेत्र की सांसद कुमारी सैलजा ने रेल मंत्री को पत्र लिखकर डिंग मंडी (सिरसा) रेलवे स्टेशन पर सिरसा-कोटा-सिरसा एक्सप्रेस के ठहराव को पुन: बहाल करने तथा फिरोजपुर-मुंबई जनता एक्सप्रेस (ट्रेन संख्या 19023/19024) का संचालन दोबारा शुरू करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि पहले सिरसा-कोटा एक्सप्रेस के ठहराव से आसपास के 20-25 गांवों के यात्रियों, विद्यार्थियों और मरीजों को बड़ी सुविधा मिलती थी, लेकिन ठहराव बंद होने से लोगों को अनावश्यक परेशानी उठानी पड़ रही है।

कुमारी सैलजा ने अपने पत्र में यह भी उल्लेख किया कि फिरोजपुर-मुंबई जनता एक्सप्रेस कोविड काल में अस्थायी रूप से बंद की गई थी, जिसे अब तक शुरू नहीं किया गया है। यह ट्रेन पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, गुजरात और महाराष्ट्र के यात्रियों के लिए महत्वपूर्ण कड़ी रही है।

जनप्रतिनिधियों से शिष्टाचार पर सख्त संदेश प्रशासन को विधानसभा अध्यक्ष के निर्देश

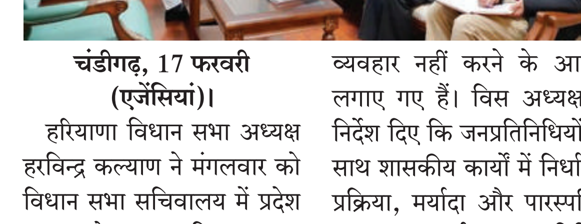

चंडीगढ़, 17 फरवरी (एजेंसियां)। हरियाणा विधान सभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने मंगलवार को विधान सभा सचिवालय में प्रदेश सरकार के मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी के साथ बैठक कर विभिन्न विषयों पर विस्तार से चर्चा की। इस दौरान उन्होंने विधायकों की ओर से प्राप्त उन शिकायतों पर भी कड़ा संज्ञान लिया है, जिनमें कुछ सरकारी अधिकारियों पर निर्वाचित जनप्रतिनिधियों के साथ संतोषजनक एवं अपेक्षित शिष्टाचारपूर्ण व्यवहार नहीं करने के आरोप लगाए गए हैं। विस अध्यक्ष ने निर्देश दिए कि जनप्रतिनिधियों के साथ शासकीय कार्यों में निर्धारित प्रक्रिया, मर्यादा और पारस्परिक सम्मान का पूर्ण पालन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि प्रशासन और विधायकों के बीच आधिकारिक व्यवहार के संबंध में केंद्र सरकार द्वारा जारी दिशा-निर्देशों में स्पष्ट रूप से अपेक्षा की गई है कि अधिकारियों द्वारा जनप्रतिनिधियों के साथ विनम्र, समयबद्ध और उत्तरदायी व्यवहार किया जाए।

प्रजातंत्र का हनन बर्दाशत नहीं करेंगे, हर स्तर पर लड़ाई के लिये तैयार : दीपेन्द्र हुड्डा

कैथल, 17 फरवरी (एजेंसियां)। सांसद दीपेन्द्र हुड्डा ने गुहला चीका से कांग्रेस विधायक देवेंद्र हंस के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराने पर गहरी नाराजगी जताते हुए मांग करी कि अगर लेशमात्र भी लोकतंत्र की मर्यादा है तो कांग्रेस विधायक देवेन्द्र हंस व अन्य लोगों के खिलाफ दर्ज मुकदमा तुरंत वापस लिया जाए और जनप्रतिनिधि की बात न सुनने वाले एसडीएम का तुरंत ट्रान्सफर किया जाए और इस मामले में निष्पक्ष जांच कराई जाए। उन्होंने कहा कि अगर ऐसा नहीं हुआ तो बीजेपी सरकार के सभी मंत्रियों को झुनझुना दिया जाएगा। सांसद दीपेन्द्र हुड्डा ने कहा कि ये कैसा लोकतंत्र है जहां जनता की आवाज और भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज उठाने वाले पर ही मुकदमा कर दिया गया। दीपेंद्र हुड्डा ने कहा कि दुनिया में कहीं भी सरकार हमेशा एक पार्टी की नहीं रहती। एसडीएम को कभी न कभी अपनी कार्यप्रणाली पर जवाब देना होगा। उन्होंने सरकार को चेतावनी दी कि देश में संविधान का राज है। अगर एसडीएम को अधिकार है तो गुहला चीका से निर्वाचित जनप्रतिनिधि को भी अपनी बात कहने का अधिकार

है। ऐसे में सरकार यदि ऐसा काम करेगी तो हर स्तर लड़ाई के लिये हम तैयार हैं। प्रजातंत्र का हनन बर्दाशत नहीं करेंगे। पत्रकार वार्ता में मौजूद विधायक देवेन्द्र हंस ने विस्तार से पूरे मामले को बताया और इस मामले से जुड़े पूरे तथ्य रखे। सांसद दीपेन्द्र हुड्डा ने कहा कि हरियाणा की बीजेपी सरकार का प्रजातंत्र में कोई विश्वास नहीं है। गुहला चीका से कांग्रेस विधायक देवेन्द्र हंस ने एसडीएम को एक मांग पत्र दिया, जिसमें कहा गया था कि बिना सरकारी अनुमति के तेज रफ्तार से दुकाने बनायी जा रही हैं। लेकिन एसडीएम के संज्ञान में मामला लाने के बावजूद उन्होंने कोई कार्रवाई नहीं की ठेकेदार को खुली छूट देते हुए जानबूझकर कोई फैसला ही नहीं किया। मौजूदा एसडीएम की कार्यप्रणाली पर प्रश्नचिन्ह लगता है और इसमें भ्रष्टाचार की बू आती है। दीपेन्द्र हुड्डा ने कहा कि मौजूदा एसडीएम की कार्यशैली जनता और साथ ही एक निर्वाचित जनप्रतिनिधि का अपमान करने वाली है। जब विधायक देवेन्द्र हंस ने ईमानदारी से इलाके की आवाज उठायी तो SDM ने उन्हें अनुसना कर दिया। विधायक खुद मौके पर गये तो उन्हें 1 घंटे से ज्यादा इंतजार कराया गया। बीस-बीस बार एसडीएम को फोन करने पर उन्होंने विधायक जी का फोन तक नहीं उठाया। अब एसडीएम राजनीतिक रूप से बयानबाजी कर रहे हैं। और तो और उल्टा चोर कोतवाल को डांटे की तर्ज पर सरकार के ईशारे पर उन्होंने विधायक देवेन्द्र हंस पर उलटा मुकदमा करवा दिया साथ ही विधायक जी के साथ मौजूद एक पत्रकार को भी नहीं बक्शा और पत्रकार के खिलाफ भी मुकदमा बनाया

बुधवार, 18 फरवरी, 2026
हैदराबाद
शुभ लाभ DAILY खबरें जो सोच बदल दे
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

बाल विवाह उन्मूलन हेतु 100 दिवसीय विशेष अभियान

आसिफाबाद, 17 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रन एवं सुर एनजीओ के तत्वावधान में, महिला एवं बाल कल्याण विभाग ने बाल विवाह भारत-100 दिन विशेष कार्यक्रम के तहत आज एक विशेष पहल की शुरुआत की। माननीय जिलाधिकारी ने जिला कल्याण पदाधिकारी डॉ. भास्कर के साथ एक विशेष प्रचार वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।यह प्रचार वाहन जिले के गांवों, मंडलों और आदिवासी क्षेत्रों का दौरा करेगा और बाल विवाह के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए माइक्रोफोन की व्यवस्था के साथ जानकारी डेसिमिनेट करेगा।इस

अवसर पर जिला कलक्टर ने कहा कि जिले में बाल विवाह उन्मूलन के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता है और इसकी रोकथाम के लिए सभी विभाग समन्वय में काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा, बचपन बहुत ही अनमोल पड़ाव है और हर बालक-बालिका को शिक्षा, स्वास्थ्य और सुरक्षा का अधिकार दिलाना हम सभी की जिम्मेदारी है। बाल विवाह कानूनन अपराध है, और यदि ऐसी घटनाएं कहीं भी पाई जाती हैं, तो तुरंत संबंधित अधिकारियों को सूचित किया जाना चाहिए।

जिला कल्याण पदाधिकारी भास्कर ने बताया कि इस 100 दिवसीय विशेष कार्यक्रम के तहत, स्कूलों, कॉलेजों, ग्राम सभाओं, आश्रम विद्यालयों और आदिवासी टांडा में व्यापक स्तर पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि बच्चों के अधिकारों की सुरक्षा के लिए समाज के सभी सदस्यों का सहयोग ïळींरश्र है।

इस कार्यक्रम में जनजातीय कल्याण विभाग के डीडी रामादेवी, डीसीपीओ महेश, डीएचडब्ल्यू समन्वयक शारदा, चैरिटी संस्था के समन्वयक संतोष कुमार, प्रभु, देवाजी, एवं अन्य शामिल हुए। यह पहल न केवल बाल विवाह विर-ोधी जागरूकता फैलाने में मदद करेगी, बल्कि सामुदायिक विकास में भी अत्यधिक सहायक साबित होगी।

अविशेष व्यापक संशोधन कार्यक्रम को तेजी से लागू करने की दिशा में सुदर्शन रेड्डी की अपील

आसिफाबाद, 17 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो) । राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी सुदर्शन रेड्डी ने कहा कि विशेष व्यापक संशोधन कार्यक्रम को पूरी ताकत से चलाया जाना चाहिए। उन्होंने मंगलवार को हैदराबाद में राज्य के मुख्य विद्युत अधिकारी के कार्यालय से वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से सभी जिला निर्वाचन अधिकारियों, कलेक्टरों, अतिरिक्त कलेक्टरों, राजस्व मंडल अधिकारियों और तहसीलदारों के साथ एक समीक्षा बैठक आयोजित की।

इस अवसर पर, मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने निर्देश दिया कि मतदाता सूची को ए, बी, सी और डी श्रेणी में मैप किया जाए। उन्होंने कहा कि बूथ लेवल ऑफिसर के रिक्त पदों को भरने और उन्हें घर-घर जाकर जानकारी जुटाने की जिम्मेदारी दी जानी चाहिए। सुदर्शन रेड्डी ने कहा कि राजनीतिक दलों के बूथ

स्तर के एजेंटों की सूची को ठीक से प्रबंधित किया जाना चाहिए। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं कलक्टर ने भी इस बात पर जोर दिया कि जिले में विशेष व्यापक संशोधन कार्यक्रम को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए कदम उठाए जा रहे हैं।

उन्होंने बताया कि व्यापक प्रचार कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं ताकि सभी लोगों को इस कार्यक्रम के बारे में जानकारी मिले। बूथ स्तर के अधिकारी और पर्यवेक्षक क्षेत्र में भ्रमण कर रहे हैं और घर-घर जाकर जानकारी जुटा रहे हैं।

इसके साथ ही, मतदाता सूची के मैपिंग की प्रक्रिया की निगरानी सुनिश्चित की जाएगी ताकि कोई गलती न हो। राजनीतिक दलों से बूथ स्तर के एजेंटों की सूची जमा कराने की अपील की गई है तथा फॉर्म 6, 7 और 8 के लंबित आवेदनों को हल करने के लिए भी कदम उठाए जा रहे हैं। इस कार्यक्रम में तहसीलदार, चुनाव विभाग के अधिकारी, और अन्य संबंधित लोग शामिल हुए।

संत सेवालाल का मार्ग सभी के लिए मार्गदर्शक है : हरिता

आसिफाबाद, 17 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो) । जिला कलेक्टर के. हरिता ने कहा है कि संत सेवालाल का मार्ग सभी के लिए एक प्रेरणास्त्रोत है। आसिफाबाद विधानसभा क्षेत्र की विधायिका कोवा लक्ष्मी ने उत्सव समिति के सदस्यों के साथ जिला केंद्र के प्रेमला गार्डन में आयोजित संत सेवालाल की 20087वीं जयंती कार्यक्रम में भाग लिया।इस कार्यक्रम का आयोजन आदिम जाति कल्याण विभाग और सेवालाल जयंती प्रबंधन समिति के संयुक्त तत्वावधान में किया गया था, जिसमें संत सेवालाल जयंती के अवसर पर बोग बंदर का आयोजन भी शामिल था।

जिला कलेक्टर हरिता ने कहा कि हम सभी संत सेवालाल द्वारा बताए गए मार्ग पर चलेंगे। उन्होंने बताया कि संत सेवालाल बंजारों के देवता हैं, जिन्होंने बंजारा समुदाय के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया और उन्हें एक समाज सुधारक के रूप में जाना जाता है।

उन्होंने आदिवासी संस्कृति और परंपराओं के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि ये सभी जीवित प्राणियों की माँ, अम्मा भवानी की पूजा करते हैं। कलेक्टर ने बताया कि संत सेवालाल ने न केवल बंजारों के लिए, बल्कि सभी लोगों के लिए आदर्श प्रस्तुत किया है।

उन्होंने हिंसा को पाप बताते हुए लोगों को नशा और धूम्रपान से दूर रहने की सलाह दी। आगे कहा कि सभी को महान व्यक्तियों से प्रेरित होकर देश के विकास में योगदान देना चाहिए।कलेक्टर हरिता ने यह भी घोषणा की कि डिस्ट्रिक्ट सेंटर में बंजारा भवन और सेवालाल की प्रतिमा स्थापित करने के लिए कदम उठाए जाएंगे। कार्यक्रम में सांस्कृतिक गतिविधियों ने सभी को प्रभावित किया।इस दौरान आदिवासी कल्याण विभाग के अधिकारी, बंजारा बुजुर्ग, और प्रबंधन समिति के सदस्य भी उपस्थित थे।

मदनूर में केसीआर का जन्मदिन मनाया गया

मदनूर, 17 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो) । संयुक्त मंडल में भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) पार्टी के सुप्रीमो और तेलंगाना राज्य के पहले पूर्व मुख्यमंत्री के चन्द्र शेखर राव (केसीआर) का जन्मदिन बड़े उल्लास के साथ मनाया गया।पार्टी के कार्यकर्ताओं ने स्थानिक गांधी चौक में केक काटकर केसीआर को शुभकामनाएँ दीं। इस समारोह में बीआरएस पार्टी के मंडल अध्यक्ष बंशी पटेल, पूर्व सोसाइटी अध्यक्ष विजय, पंडित राव, पूर्व सरपंच सुरेश, गफ्फार, काशीनाथ पटेल, कृष्णा पटेल और पार्टी के अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यकर्ताओं ने केसीआर के नेतृत्व की सराहना की और उनके नीतियों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। इस अवसर पर सभी ने एकजुट होकर पार्टी के लक्ष्यों की पूर्ति के लिए कार्य करने का संकल्प लिया।

किसान पंजीकरण पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

मदनूर, 17 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। मदनूर मंडल के लच्छन गांव के ग्राम पंचायत कार्यालय में एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें स्थानिक सरपंच के नेतृत्व में मंडल कृषि अधिकारी राजू ने गांव के किसानों को किसान पंजीकरण के महत्व के बारे में जागरूक किया।

उन्होंने बताया कि केंद्र सरकार की योजनाओं के सफल कार्यान्वयन के लिए यह पंजीकरण अनिवार्य है। इसलिए, सभी मंडल के किसानों से अन-ुरोध किया गया कि वे अपने-अपने गांवों के एईओ (कृषि स्वास्थ्य अधिकारी) के पास पंजीकरण कराएं।

राजू ने स्पष्ट किया कि जिन किसानों ने पहले से पंजीकरण करा लिया है, उन्हें दोबारा पंजीकरण कराने की आवश्यकता नहीं है।इस कार्यक्रम में लच्छन गांव के सरपंच, उप सरपंच, संयुक्ता के एईओ और गांव के किसान उपस्थित थे। सभी ने इस पहल का स्वागत किया और पंजीकरण प्रक्रिया को सुचारु रूप से लागू करने का संकल्प लिया।

कागजनगर नगरपालिका में कांग्रेस-बीजेपी गठबंधन, चुनावी नतीजों ने मचाई हलचल

आसिफाबाद, 17 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो) । धरती और आसमान मिले! कल तक आपस में लड़ाई और अफवाहें फैलाने वाली प्रमुख राजनीतिक पार्टियों ने अपने विचारधाराओं को दरकिनार करते हुए कागजनगर नगरपालिका के अध्यक्ष पद के लिए एक अनोखी साझेदारी की। कांग्रेस और भाजपा ने मिलकर चुनाव में भाग लिया, जिससे राजनीतिक परिदृश्य में अहम बदलाव आया है।

कोमुराम भीम जिले के कागजनगर नगरपालिका में अध्यक्ष और उपाध्यक्ष का चुनाव अंत तक तनावपूर्ण रहा। कांग्रेस,

बीआरएस और भाजपा के बीच राजनीतिक खींचतान ने सभी को सीधा नगरपालिका कार्यालय पहुंचाया। सदस्यों के शपथ ग्रहण के बाद अध्यक्ष पद के लिए मतदान हुआ। बीआरएस पार्टी एक वोट के अंतर से हार गई, हालाँकि वे अधिक वोट पाने के बावजूद अध्यक्ष पद पर काबिज नहीं हो सके। भाजपा विधायक पलवाई हरीश राव और कांग्रेस एमएलसी दांडे विट्ठल ने अनैतिक गठबंधन बनाकर बीआरएस पार्टी के लिए मुश्किलें खड़ी कर दीं।

कांग्रेस ने अध्यक्ष पद के लिए शाहिन सुल्ताना को मनोनीत किया। कागजनगर नगरपालिका अध्यक्ष शाहीम सुल्ताना (कांग्रेस) के प्रस्ताव का भाजपा उम्मीदवारों ने समर्थन किया। इस नगरपालिका में, जिसमें कुल 32 सीटें हैं, अध्यक्ष पद के लिए भाजपा और कांग्रेस के 16 उम्मीदवारों ने समर्थन दिया, और इस प्रकार ऐतिहासिक रूप से शाहीन सुल्ताना निर्वाचित हुईं।

बीआरएस समर्थित उम्मीदवार को 15 वोट मिले, जिससे कोनेरू कोनाप्पा समूह के बीआरएस अध्यक्ष को एक वोट के अंतर से हार का सामना करना पड़ा। उपाध्यक्ष पद के लिए, भाजपा की ओर से स्वर्णलता का नाम प्रस्तावित किया गया। हाथ उठाकर मतदान में बराबर वोट मिलने पर उपाध्यक्ष का चुनाव लॉटरी विधि से हुआ। इसके चलते भाजपा उम्मीदवार डॉ. अनीता का नाम भी बीआरएस द्वारा समर्थन के साथ आगे बढ़ाया गया।इस अजीब गठबंधन ने वहां के निवासियों को हैरान कर दिया है, क्योंकि कट्टर दुश्मन राजनीतिक पार्टियों ने मिलकर नगरपालिका में एक नई राजनीतिक दिशा अपनाई है।

बीआरएस ने इंद्रेशम जीता, लेकिन जहीराबाद और मेदक नगर पालिकाएं गंवाईं

संगारेड्डी, 17 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। पतंचेरू विधानसभा क्षेत्र में बीआरएस ने इंद्रेशम नगर पालिका पर कब्जा जमाते हुए पूर्व मेदक जिले की 19 नगर पालिकाओं में से अपनी कुल संख्या नौ तक पहुंचा दी, जबकि कांग्रेस ने 10 नगर पालिकाएं सुरक्षित कर लीं। बीआरएस पार्षदों ने कुशांगुला प्रमीला को अध्यक्ष और पटल्लोला हरीश रेड्डी को उपाध्यक्ष चुना।

इंद्रेशम नगर पालिका का परिणाम

इंद्रेशम नगर पालिका की 18 वार्डों में से बीआ-ारएस ने नौ वार्ड जीते, जो जादुई आंकड़े 10 से एक कम थे। कांग्रेस ने छह वार्ड जीते, जबकि भाजपा और एक निर्दलीय ने क्रमशः दो और एक वार्ड पर कब्जा किया। हालांकि, निर्दलीय उम्मीदवार ने बाद में बीआरएस में शामिल होकर पार्टी को नगर पालिका गठन में आसानी कर दी।

जहीराबाद नगर पालिका में कांग्रेस की जीत

इस बीच, कांग्रेस ने जहीराबाद नगर पालिका पर कब्जा कर लिया, भले ही बीआरएस ने अधिक वार्ड जीते हों। कांग्रेस ने उपाध्यक्ष पद की पेशकश कर एक निर्दलीय वार्ड सदस्य का समर्थन हासिल किया, जिससे चुनाव उसके पक्ष में हो गया। 37 वार्डों में से बीआरएस ने 15 जीते, जबकि कांग्रेस 14 वार्डों के साथ दूसरे स्थान पर रही। भाजपा और एमआईएम ने क्रमशः तीन और दो वार्ड जीते, जबकि निर्दलीयों ने तीन वार्ड सुरक्षित किए।

जहीराबाद के बीआरएस विधायक के माणिक राव और कांग्रेस सांसद सुरेश शेटकर को पदेन सदस्य के रूप में नामांकित किया गया। बीआरएस ने भाजपा के तीन पार्षदों का समर्थन हासिल कर अपनी संख्या 19 तक पहुंचाई, लेकिन कांग्रेस ने एमआईएम और निर्दलीय सदस्यों का समर्थन जुटाकर मात्र एक वोट के अंतर से बीआरएस को पराजित कर दिया।

कांग्रेस पार्षदों ने मोहम्मद यूनुस को अध्यक्ष और निर्दलीय उम्मीदवार कोठाकापु सिरीशा को उपाध्यक्ष चुना।इस प्रकार बीआरएस जहीराबाद और मेदक नगर पालिकाएं कांग्रेस को गंवा बैठी, भले ही उसके उम्मीदवारों ने कांग्रेस से अधिक वार्ड जीते थे।

वरंगल में तीन इंजीनियरिंग छात्र ड्रग तस्करी में फिर गिरफ्तार

वरंगल, 17 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो) । ईगल फोर्स ने सोमवार को तीन इंजीनियरिंग छात्रों को चौथी बार ड्रग तस्करी के आरोप में गिरफ्तार किया है।

गिरफ्तार किए गए छात्रों की पहचान बुच्चला आदित्य (20) जो बीटेक तीसरे वर्ष का छात्र है, वड्लाकोंडा यशवंत उर्फ मिंटू और गोल्लापल्ली निखिल उर्फ चिंटू (19) जो इंटरमीडिएट दूसरे वर्ष का छात्र है, के रूप में हुई है।

पुलिस के अनुसार, आरोपियों को वारंगल से करीमनगर सड़क पर मोटरसाइकिल पर गांजा ले जाते हुए पकड़ा गया था। करीब 36 किलोग्राम गांजा एक बैग में छिपाकर रखा गया था। इसके बाद हुई फॉलो-अप कार्रवाई में उनके साथी मिंटू को भी गिरफ्तार कर लिया गया।

ईगल फोर्स के एक अधिकारी ने बताया, आदित्य और निखिल ने अपने आठ अन्य साथियों के साथ मिलकर निजी उपयोग और बिक्री के लिए गांजा खरीदने के लिए पैसे जुटाए थे। दोनों करीमनगर के निवासी और वर्तमान में ओडिशा में रह रहे कालवेना प्रवीण कुमार से 2000 रुपये प्रति किलोग्राम की दर से गांजा खरीदते थे और बाद में अपने दोस्तों के साथ इसका सेवन करते थे साथ ही ग्राहकों को बेचते भी थे।पुलिस ने तीनों आरोपियों के खिलाफ वारंगल के नारकोटिक्स पुलिस स्टेशन में एक मामला दर्ज किया है।

जनगांव नगर पालिका के चेयरपर्सन और वाइस चेयरपर्सन का चुनाव विरोध के बीच हुआ

जनगांव, 17 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। जनगांव नगर पालिका के चेयरपर्सन और वाइस चेयरपर्सन का चुनाव मंगलवार को यहां बीआरएस पार्षदों और एमएलए पल्ला राजेश्वर रेड्डी के विरोध के बीच हुआ।

चुनाव के लिए कड़े सुरक्षा इंतज़ाम किए गए थे और किसी भी अनहोनी से बचने के लिए नगर निगम ऑफिस के 200 मीटर के अंदर बीएनएस की धारा 163 के तहत रोक लगा दी गई थी।

चुनाव के लिए बीआरएस पार्षद और राजेश्वर रेड्डी सबसे पहले नगर निगम हॉल पहुंचे और बाद में कांग्रेस पार्षद और सांसद चमाला किरण कुमार रेड्डी भी उनके साथ शामिल हुए। इठड के 13 पार्षद हैं, कांग्रेस के 12, जबकि चार इंडिपेंडेंट पार्षद और एक सीपीआई (एम) पार्षद थे।

एमएलए राजेश्वर रेड्डी और सांसद किरण कुमार रेड्डी क्रम से बीआरएस और कांग्रेस के एक्स-ऑफिशियो सदस्य थे। दो इंडिपेंडेंट पार्षदों ने बीआरएस का समर्थन किया, जबकि सीपीआई (एम) पार्षद और दो इंडिपेंडेंट पार्षदों ने कांग्रेस का समर्थन किया। चुनाव के पीठासीन अधिकारी गोपीराम ने चुनाव प्रक्रिया समझाने के बाद चेयरपर्सन और वाइस चेयरपर्सन उम्मीदवारों को मिले वोटों की गिनती की। दोनों उम्मीदवारों को 16-16 वोट मिलने के बाद, ड्रॉ के ज़रिए चेयरपर्सन और वाइस चेयरपर्सन चुनने का फ़ैसला किया गया।

कांग्रेस पार्षद के. बालमणि चेयरपर्सन चुने गए, जबकि बीआरएस के समर्थन वाली निर्दलीय पार्षद बुशा पर्वतालू वाइस चेयरमैन चुनी गईं। चुनाव प्रक्रिया के दौरान, एक निर्दलीय पार्षद पांडू और एक कांग्रेस पार्षद ने एक महिला निर्दलीय पार्षद के साथ बदसलूकी की और जब उसने बीआरएस के पक्ष में हाथ उठाया तो उसका हाथ नीचे खींच लिया।

इससे बीआरएस और कांग्रेस पार्षदों के बीच ज़ोरदार बहस हुई। बीआरएस पार्षदों और विधायक राजेश्वर रेड्डी ने इस गलत व्यवहार के लिए पार्षदों के ख़िलाफ़ कार्रवाई की मांग की। चुनाव के बाद, पार्षदों ने अपनी मांग के समर्थन में हॉल के अंदर धरना दिया।

खेलो इंडिया विंटर गेम्स के लिए गुलमर्ग में सजेगा सपनों का मंच, खिलाड़ी तैयार

गुलमर्ग, 17 फरवरी (एजेंसियां)।

बर्फ से ढकी ढलानों, देवदार के पेड़ों और पीर पंजाल की गुलाबी सुबह के बीच गुलमर्ग एक बार फिर देश के शीतकालीन खेलों का केंद्र बनने जा रहा है। 23 से 26 फरवरी तक यहां खेलो इंडिया विंटर गेम्स 2026 का दूसरा चरण आयोजित होगा। इससे पहले पहला चरण 20 से 26 जनवरी तक लद्दाख में संपन्न हुआ था, जिसमें आइस स्केटिंग और हाकी जैसे बर्फीले खेल खेले गए थे।

यह लगातार छठा वर्ष है, जब विंटर गेम्स का आयोजन गुलमर्ग में हो रहा है। इसी निरंतरता के कारण गुलमर्ग को भारत की विंटर स्पोर्ट्स कैपिटल कहा जाने लगा है।

चार स्पर्धाएं, 400 से अधिक खिलाड़ी गुलमर्ग चरण में स्की माउंटेनियरिंग, अल्पाइन स्कीइंग, नार्डिक स्कीइंग (क्रास-कंट्री) और स्नोबोर्डिंग की कुल चार पदक स्पर्धाएं आयोजित होंगी। करीब 400 खिलाड़ी इसमें भाग लेंगे, जिनमें सर्वाधिक संख्या अल्पाइन स्कीइंग में होगी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पूर्व में खेलो इंडिया विंटर गेम्स को नए खेल आत्मविश्वास का प्रतीक बताया था। उनका कहना था कि गुलमर्ग देशभर के 36 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के खिलाड़ियों को एक मंच पर लाता है, जहां भौगोलिक सीमाएं मिट जाती हैं और प्रतिभा एकजुट होती है।

ऊंचाई की चुनौती, जोश में कोई कमी नहीं समुद्र तल से लगभग 8700 फीट की ऊंचाई पर तैयारी करना आसान नहीं है। जम्मू के अंकुश बाजाला कहते हैं, यहां सिर्फ पैरों की नहीं, फेफड़ों और धैर्य की भी ट्रेनिंग होती है। जम्मू की कनिका शान मानती हैं कि खेलो इंडिया ने शीतकालीन खेलों को नई पहचान दी है।

पुणे के ऋषि गुलहाने ऊंचाई के असर को स्वीकार करते हुए कहते हैं, पहले दो दिन मुश्किल होते हैं, लेकिन फिर यही चुनौती आपको और मजबूत बनाती है। इंदौर के अतुल वैद गुलमर्ग को भारत का आल्प्स बताते हैं।

नए खिलाड़ी भी दिखा रहे दम

हैदराबाद के यशवंत रेड्डी, जो पहले स्काइडाइवर रहे हैं, अब स्कीइंग में हाथ आजमा रहे हैं। केरल से आए मोहम्मद सिनान के लिए यह अनुभव जीवन बदलने वाला है। अंबाला के रोहित सनी कहते हैं कि स्टार्ट गेट पर खड़े होने का दबाव अलग ही होता है।

मध्य प्रदेश के सौरभ साहू का मानना है कि इन खेलों ने देशभर में मानक ऊंचे किए हैं। वहीं हैदराबाद के अद्वित केसी रेड्डी गुलमर्ग को सपनों का मंच बताते हैं।

जम्मू-कश्मीर के खिलाड़ियों के लिए यह प्रतियोगिता खास मायने रखती है। यह हमारा घर है, यहां जीतने का अहसास अलग होता है, कनिका शान कहती हैं।

चार दिनों तक गुलमर्ग की ढलानों पर पदक की जंग होगी। सेना की टीम अपने टीम चैंपियनशिप खिताब का बचाव करेगी। कभी सिर्फ पर्यटन स्थल के रूप में पहचाना जाने वाला गुलमर्ग अब देश का प्रमुख शीतकालीन खेल केंद्र बन चुका है।

न्यूज ब्रीफ

तो टी20 विश्वकप सेमीफाइनल में फिर हो सकता है भारत-पाकिस्तान मुकाबला

कोलंबो। टी20 विश्व कप में भारतीय टीम ने आसानी से लीग मैच में पाकिस्तान को 61 रनों से हराकर सुपर आठ में जगह बनायी है। वहीं इस हार से पाक टीम को करारा झटका लगा है और उसे सुपर आठ में पहुंचने की उम्मीदें कम हुई है पर समाप्त नहीं हुई हैं। वहीं अब पाक टीम को सुपर आठ में पहुंचने के लिए बुधवार को सुपर आठ में नामीबिया के खिलाफ बड़ी जीत दर्ज करनी होगी। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने शीर्ष टीमो को ग्रुप में वरीयता दी है जिससे ये शीर्ष दो में रहने की स्थित में सेमीफानल में फिर टकरा सकती हैं। इसी के तहत ही आईसीसी ने सुपर 8 में दो ग्रुप बनाए बनाये हैं। ग्रुप 1 की चार टीमों को आपस में मुकाबले खेलने होंगे, जबकि दूसरे ग्रुप में भी ऐसा ही करना होगा। भारतीय टीम) ग्रुप 1 में होगी, जिसमें आस्ट्रेलिया , वेस्टइंडीज और साउथ अफ्रीका होगी। वहीं, ग्रुप 2 में इंग्लैंड, न्यूजीलैंड , पाकिस्तान और श्रीलंका को रखा जाएगा पर इसके लिए इन टीमों को क्वालीफाई करना होगा। अगर कोई टीम सुपर 8 में नहीं पहुंचती है तो उस टीम की जगह पर उस ग्रुप की दूसरी टीम उतरेगी। सुपर 8 में भारत और पाक टीम का मुकाबला संभव नहीं है पर अगर दोनो टीमें सेमीफाइनल में पहुंचती हैं तो इनके बीच टक्कर हो सकती है। ये सेमीफाइनल मैच तभी हो सकता है। जब ग्रुप 1 में भारतीय टीम शीर्ष टाप पर रहे और ग्रुप 2 में पाकिस्तान दूसरे स्थान पर रहे या फिर पाकिस्तान ग्रुप 2 में पहले स्थान पर रहे और ग्रुप 1 में भारत दूसरे स्थान पर रहे। वहीं अगर ऐसा नहीं होता तो दोनो के बीच सेमीफाइनल मैच नहीं होगा।

नामीबिया के खिलाफ मैच में बाबर, शाहीन को बाहर कर सकता है पीसीबी

लाहौर। पाकिस्तान क्रिकेट टीम नामीबिया के खिलाफ बुधवार को होने वाले मैच में अपने अनुभवी बल्लेबाज बाबर आजम और मुख्य तेज गेंदबाज शाहीन आफरीदी के बिना ही उतर सकती है। बाबर और शाहीन का प्रदर्शन भारतीय टीम के खिलाफ बेहद खराब रहा था। इस कारण इन दोनो का बाहर होता तय है। भारतीय टीम के खिलाफ लीग मुकाबले में मिली करारी हार के बाद से ही पाक क्रिकेट में हड़कंप मचा हुआ है और इन दोनो ही प्रमुख खिलाड़ियों को बाहर करने की मांग उठी है पूरे देश में बाबर और शाहीन को लेकर लोग भड़के हुए हैं। इसी कारण का इन दोनो को बाहर किये जाने का फैसला हुआ है। एक रिपोर्ट के अनुसार पाक क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने भारत के हाथों 61 रनों की हार को लेकर टीम मैनेजर नावेद अकरम चीमा से जवाब मांगा है। नकवी इस मैच के लिए कोलंबो गये थे पर अपनी टीम की हार से पहले ही टूर्नामेंट छोड़कर भाग गये थे। नकवी ने पीसीबी के एक वरिष्ठ अधिकारी के जरिये से मैनेजर को यह भी बताया कि महत्वपूर्ण मैचों में ऐसा प्रदर्शन स्वीकार नहीं किया जा सकता है।

अभिषेक शीघ्र ही वापसी करेंगे : शास्त्री

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कोच रवि शास्त्री ने कहा है कि खराब फार्म से गुजर रहे आक्रामक

सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा शीघ्र ही वापसी करेंगे पर इसके लिए उन्हें धैर्य रखते हुए क्रीज पर समय बिताना होगा। शास्त्री ने कहा कि इस प्रकार का दौर आता है पर इसमें अपने पर भरोसा बनाये रखने की जरुरत है। अभिषेक अभी तक इस सत्र में असफल रहे हैं। विश्कप में अब तक उन्होंने दो मैच खेले हैं जिसमें वह शून्य पर ही आउट हुए हैं। यहां तक पाकिस्तान के खिलाफ अहम मुकाबले में भी वह खाता नहीं खोल पाये। वह चार गेंद पर एक भी रन नहीं बना पाये। विश्वकप के पहले मैच में वह अमेरिका के खिलाफ भी खाता नहीं खोल पाये थे। विश्वकप से पहले वह न्यूजीलैंड टी20 सीरीज में दो बार खाता नहीं खोल पाये थे। इस प्रकार देखा जाये तो वह इस आल अब तक रन नहीं बना पाये हैं। अभिषेक ने अंतिम बार गुवाहाटी में न्यूजीलैंड के खिलाफ नाबाद 68 रन बनाये थे। उसके बाद से ही उनका बल्ला नहीं चल रहा। इसी को लेकर शास्त्री ने भरोस जताया कि अभिषेक शीघ्र ही रन बनाने लगेंगे। उन्होंने कहा कि उन्हें बस धैर्य रखने और क्रीज पर थोड़ा और समय देने की जरूरत है। शास्त्री ने आगे कहा कि खराब दौर आना सामान्य बात है, और एक बार अभिषेक लय में आ जाएं तो डाट गेंदों को चौकों और छक्कों में बदलना उनके लिए काफी आसान रहेगा। कई बार ऐसा होता है कि आप लय से भटक जाते हैं पर समय बीतने के साथ ही वापसी भी हो जाती है।

टी20 वर्ल्ड कप-2026

न्यूजीलैंड ने कनाडा को हराया

चेन्नई, 17 फरवरी (एजेंसियां)। टी20 वर्ल्ड कप 2026 के 31वें मैच में न्यूजीलैंड की टीम ने कनाडा को 8 विकेट से हरा दिया है। इस मैच में युवराज सामरा के शतक के दम पर कनाडा ने बोर्ड पर 4 विकेट खोकर 173 रन लगाए। जवाब में कीवी टीम ने ग्लेन फिलिप्स और रचिन रविंद्र की धांसू पारियों के दम पर इस टारगेट को 15.1 ओवर में ही चेज कर लिया।

फिलिप्स और रविंद्र की धांसू पारी

इस मैच में ग्लेन फिलिप्स और रचिन रविंद्र ने कमाल की पारियां खेली। खासकर ग्लेन फिलिप्स ने 36 गेंदों पर नाबाद 76 रन की शानदार पारी खेली।

इस पारी में 4 चौके और 6 छक्के शामिल थे। वहीं 59 रन की नाबाद पारी खेलकर रचिन रविंद्र ने उनका खूब साथ दिया।

इसके अलावा 21 रन फिन एलन ने भी बनाए। इस मैच में कनाडा के गेंदबाजी पूरी तरह लय में नजर नहीं आए, जिसका फायदा इन कीवी बल्लेबाजों ने उठाया।

बेकार गया युवराज सामरा का शतक

इससे पहले युवराज सामरा टी20 विश्व कप में शतक जड़ने वाले सबसे कम उम्र के बल्लेबाज बने जिससे कनाडा ने पहले बल्लेबाजी करते हुए न्यूजीलैंड के खिलाफ चार विकेट पर 173 रन का मजबूत स्कोर बनाया। भारत के विश्व कप विजेता ऑलराउंडर युवराज सिंह के नाम पर इस 19 वर्षीय खिलाड़ी का नाम रखा गया था और उन्होंने अपने नाम को सही साबित करते हुए आखिरी ओवर में आउट होने से पहले 65 गेंद पर 110 रन बनाए जिसमें 11 चौके और छह छक्के शामिल हैं।

युवराज सामरा ने किया कमाल

युवराज टूर्नामेंट में 19 साल और 141 दिन की उम्र में अर्धशतक बनाने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी भी बने थे जिसमें उन्होंने अब नया अध्याय जोड़ा। यह तीसरा अवसर है जबकि कनाडा के किसी खिलाड़ी ने इस टूर्नामेंट में 50 या इससे अधिक रन बनाए। युवराज ने कप्तान दिलप्रीत बाजवा (39 गेंद पर 36) के साथ पहले विकेट के लिए 116 रन की साझेदारी करके कनाडा को शानदार शुरुआत दिलाई। उन्होंने लॉकी फर्ग्यूसन (निजी अवकाश) और मिशेल सेंटनर (अस्वस्थ) की अनुपस्थिति का पूरा फायदा उठाया।

एसोसिएट देश के पहले बल्लेबाज

यह पहला अवसर है जबकि किसी एसोसिएट देश के बल्लेबाज ने टी20 विश्व कप में शतक लगाया। उनकी इस पारी के दम पर कनाडा इस टूर्नामेंट में अपना दूसरा सर्वोच्च स्कोर बनाने में सफल रहा। न्यूजीलैंड को अपने तेज गेंदबाजों पर भरोसा था लेकिन युवराज ने उनकी एक नहीं चलने दी। कीवी टीम की तरफ से जैकब डफी, काइल जैमीसन, मैट हेनरी और जेम्स नीशम ने एक एक विकेट लिया।

आरिफ मोहम्मद का मिलानो कोर्टिना शीतकालीन ओलंपिक में जलवा, पुरुष स्लालोम में 39वां स्थान हासिल

नई दिल्ली, 17 फरवरी (एजेंसियां)।

भारत के शीर्ष अल्पाइन स्की खिलाड़ी आरिफ मोहम्मद खान ने मिलान कोर्टिना शीतकालीन ओलंपिक में पुरुष स्लालोम स्पर्धा में दो संयुक्त रन के बाद 39वां स्थान हासिल किया। आरिफ ने स्टेलवियो स्की सेंटर पर दोनों रन मिलाकर 2 मिनट 41.60 सेकंड का समय निकाला। दोनों रन पूरे करने वाले खिलाड़ियों में वह 39वें और अंतिम स्थान पर रहे। हालांकि, इसके साथ ही उन्होंने शीतकालीन ओलंपिक के पुरुष स्लालोम में भारत का अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन दर्ज किया।

पहले रन में आरिफ 96 प्रतिभागियों में 1:22.12 मिनट के समय के साथ 44वें स्थान पर रहे, जबकि दूसरे रन में उन्होंने 1:19.48 मिनट का समय निकालकर 39वां स्थान प्राप्त किया। दोनों रन का संयुक्त समय 2:41.60 रहा, जिससे उन्हें कुल मिलाकर 39वां स्थान मिला। इससे पहले भारतीय पुरुष वर्ग में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किशोर रतन राय के नाम था, जिन्होंने कैलगरी शीतकालीन ओलंपिक में 2:52.21 मिनट के समय के साथ 49वां स्थान हासिल किया था। शीतकालीन ओलंपिक में भारत का सर्वश्रेष्ठ स्लालोम प्रदर्शन महिला वर्ग में शैलजा कुमार के नाम है, जिन्होंने 1988 के कैलगरी खेलों में 2:52.27 मिनट के समय के साथ 28वां स्थान प्राप्त किया था। 35 वर्षीय आरिफ का संयुक्त समय स्विट्जरलैंड के स्वर्ण पदक विजेता कोइक मील्लार्ड (1:53.61) से 47.99 सेकंड अधिक रहा। आस्ट्रिया के फाबियो गस्ट्रीन ने 1:53.96 के समय के साथ रजत पदक जीता, जबकि नार्वे के हेनरिक क्रिस्टाफरसेन 1:54.74 के समय के साथ कांस्य पदक अपने नाम किया।

ग्रीन पार्क स्टेडियम में फिर देखने को मिलेंगे बड़े मुकाबले

कानपुर। अब आने वाले समय में कानपुर के ऐतिहासिक ग्रीन पार्क स्टेडियम को एक बार फिर बड़े क्रिकेट मुकाबले देखने को मिलेंगे। अभी यहां किराया अधिक होने से आयोजक मैच के आयोजनों से बचते रहे हैं पर अब सरकार ने स्टेडियम का किराया कम करने के प्रस्ताव को मंजूर कर लिया है। ऐसे में उम्मीद है कि आने वाले समय में यहां अंतरराष्ट्रीय मैच, आईपीएल और यूपी टी-20 लीग जैसे बड़े टूर्नामेंट ज्यादा संख्या में आयोजित किये जा सकेंगे। पिछले कुछ साल में ग्रीन पार्क स्टेडियम में बड़े मुकाबले काफी कम हुए हैं जबकि पहले यहां काफी मैच खेले जाते थे। इसका कारण यहां का किराया अधिक होना रहा है। यहां अंतरराष्ट्रीय टेस्ट, एकदिवसीय और टी-20 मैचों के लिए प्रति मैच करीब 15 लाख रुपये तक किराया है। इसके अलावा अनआफिशियल और लिस्ट-ए मैचों के लिए भी प्रतिदिन करीब पांच लाख रुपये किराया है। इसी कारण यहां आयोजक आने से कतराने लगे थे। वहीं अब यूपी टी-20 लीग के चेयरमैन और खेल से जुड़े अधिकारियों ने इस मामले को समझकर राज्य सरकार से किराया कम करने की मांग की है। उनका कहना था कि किराया होन पर आयोजक यहां के मैच बाहर नहीं करायेंगे। प्रदेश सरकार ने स्टेडियम के रखरखाव और सुधार के लिए पहले ही 45 करोड़ रुपये की राशि जारी की है।

टी20 वर्ल्ड कप-2026

नेपाल ने स्कॉटलैंड को हराया

मुंबई, 17 फरवरी (एजेंसियां)। टी20 विश्व कप 2026 में नेपाल ने अपना आखिरी मुकाबला जीत लिया है। इंग्लैंड के खिलाफ एक रन से हारने वाली नेपाल की टीम ने टूर्नामेंट के 33वें मैच में स्कॉटलैंड को 7 विकेट से हराया। पहले बैटिंग करते हुए स्कॉटलैंड ने 7 विकेट पर 170 रन बनाए। ग्रुप सी के इस मैच को नेपाल ने आखिरी ओवर में अपने नाम कर लिया। नेपाल को 2014 के बाद टी20 विश्व कप में जीत मिली है। 2024 में टीम ने टूर्नामेंट में हिस्सा लिया था लेकिन एक भी मैच नहीं जीत पाई थी।नेपाल को कुशल भुर्तेल और आसिफ शेख ने विस्फोटक शुरुआत दिलाई। पावरप्ले में टीम ने बिना विकेट खोए 56 रन बना। हालांकि माइकल लीस्क ने तीन विकेट लेकर टीम की वापसी करवा दी। भुर्तेल 35 गेंद पर 43 जबकि आसिफ 27 गेंद पर 33 रन बनाकर आउट हुए। कप्तान रोहित पौडेल ने 16 रन बनाए। 14वें ओवर में जब रोहित आउट हुए तो टीम का स्कोर तीन

विकेट पर 98 रन था।दीपेंद्र सिंह ऐरी ने गुलशन झा के साथ चौथे विकेट के लिए 36 गेंद पर नाबाद 73 रन जोड़े। आखिरी 31 गेंद पर नेपाल को जीत के लिए 65 रन चाहिए थे। दीपेंद्र सिंह ऐरी ने 23 गेंद पर 4 चौके और 3 छक्कों की मदद से नाबाद 50 रन बनाए। गुलशन झा ने 17 गेंद पर 24 रनों का योगदान दिया।नेपाल के कप्तान रोहित पौडेल ने टॉस जीतकर स्कॉटलैंड को पहले बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किया। स्कॉटलैंड को जॉर्ज मुन्से और माइकल जोन्स ने शानदार शुरुआत दिलाई। दोनों सलामी बल्लेबाजों ने 10 ओवरों में 80 रन जुटाए। जॉर्ज 29 गेंदों में 4 चौकों के साथ 27 रन बनाकर आउट हुए, जिसके बाद माइकल जोन्स ने ब्रैंडन मैकमुलेन (25) के साथ दूसरे विकेट के लिए 32 गेंदों में 52 रन की साझेदारी करते हुए टीम को 132 के स्कोर तक पहुंचा दिया।

महिला क्रिकेट: पाकिस्तान ने तीसरे टी20 में दर्ज की सांत्वना जीत, दक्षिण अफ्रीका ने 2-1 से श्रृंखला जीती

किम्बरली, 17 फरवरी (एजेंसियां)।

किम्बरली में सोमवार देर रात खेले गए तीसरे अंतरराष्ट्रीय ट्वेंटी-20 मुकाबले में फातिमा सना के हरफनमौला प्रदर्शन की बदौलत पाकिस्तान ने दक्षिण अफ्रीका को 53 रन से हराकर जीत के साथ तीन मैचों की सीरीज का समापन किया। हालांकि तीन मैचों की इस सीरीज पर मेजबान दक्षिण अफ्रीका ने 2-1 से कब्जा जमाया।

टास जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए पाकिस्तान की शुरुआत बेहद खराब रही। सलामी बल्लेबाज मुनीबा अली और गुल फिरोज़ा पहले ही दो ओवर में सस्ते में आउट हो गईं और टीम का स्कोर 10 रन पर दो विकेट हो गया। इसके बाद आयशा जफर (19) और सिदरा अमीन (26) ने संभलकर बल्लेबाजी करते हुए शुरुआती छह ओवर की अवधि समाप्त होने तक टीम को 46 रन पर दो विकेट तक पहुंचाया।

लेकिन 61 रन पर चार विकेट और 73 रन पर पांच विकेट गिरने के बाद पाकिस्तान दबाव में आ गया। ऐसे समय सना और आलिया रियाज ने छठे विकेट के लिए 45 गेंदों में 69 रन की महत्वपूर्ण साझेदारी की। सना ने अंतिम ओवरों में आक्रामक रुख अपनाते हुए 30 गेंदों पर नाबाद 47 रन बनाए, जिसमें चार चौके और दो छक्के शामिल रहे। पारी के दौरान तीन बार रन आउट होने के बावजूद पाकिस्तान ने निर्धारित 20 ओवर में सात विकेट पर 144 रन बनाए।

लक्ष्य का पीछा करने उतरी दक्षिण अफ्रीका की शुरुआत भी खराब रही। सना ने पहले ही ओवर में ताजमिन ब्रिट्स को आउट किया और बाद में कप्तान लारा वोल्वार्ड्ट को भी पवेलियन भेज दिया। सादिया इकबाल ने मध्यक्रम को झकझोरते हुए तीन विकेट लेकर केवल 18 रन दिए। शुरुआती छह ओवरों के भीतर ही दक्षिण अफ्रीका का स्कोर 36 रन पर चार विकेट हो गया।

नादिन डी क्लर्क (27) और एनेरी डर्कसन (30) ने पांचवें विकेट के लिए 50 रन जोड़कर कुछ उम्मीद जगाई, लेकिन 85 रन के स्कोर पर डर्कसन के रन आउट होते ही टीम फिर बिखर गई। इसके बाद दक्षिण अफ्रीका ने अंतिम पांच विकेट मात्र सात रन के भीतर गंवा दिए और पूरी टीम 16 ओवर और पांच गेंद में 91 रन पर सिमट गई। मैरीज़ान कैप बिना कोई गेंद खेले अस्वस्थ होने के कारण मैदान से बाहर चली गईं।

संक्षिप्त स्कोर

पाकिस्तान - 20 ओवर में 144 रन पर सात विकेट

दक्षिण अफ्रीका - 16 ओवर और पांच गेंद में 91 रन

पाकिस्तान ने यह मुकाबला 53 रन से जीता, जबकि दक्षिण अफ्रीका ने श्रृंखला 2-1 से अपने नाम की।

घर खरीदने की औसत उम्र 38 से 34 साल हुई :74प्रतिशत खरीदार 35 साल से कम उम्र वाले; जेन-जी नौकरी लगते ही घर लेना चाहते हैं

नई दिल्ली, 17 फरवरी (एजेंसियां)।

पहले आम भारतीय परिवार पैसा जमा करो, फिर घर खरीदो का नियम मानते थे। अब ट्रेंड शुरू हुआ है कि नौकरी लगते ही घर खरीद लो। देश में बिकने वाले 74प्रतिशत घर 35 साल से कम उम्र वाले खरीद रहे हैं। इनमें 32प्रतिशत खरीदार 25 साल से छोटे हैं।

घर खरीदने वालों की औसत उम्र 6 साल में 38 से घटकर 34 साल हो गई है। ये बातें होम लोन एग्रीगेशन और डिस्ट्रीब्यूशन प्लेटफार्म बेसिक होम लोन के सर्वे घर का सपना कैसे पूरा करता है भारत में सामने आई।

सर्वे के मुताबिक, हाई इंकम वर्ग वाले अपने घर के लिए सालाना कमाई का 50प्रतिशत तक ईएमआई देने को तैयार है। डिजिटल प्लेटफार्म पर तेज प्रोसेसिंग नई उम्र के खरीदारों को आकर्षित कर रही है। हालांकि, ये उसी वित्तीय संस्था से लोन लेने पर जोर देते हैं, जो कम से कम 50 साल पुरानी और विश्वसनीय हो।

सर्वे अलग-अलग उम्र के 23 हजार लोगों पर किया गया। इनमें से 31प्रतिशत की सालाना आय 50 लाख से प्रतिशतयादा थी। इनके अलावा, 5 लाख तक वाले 29प्रतिशत, 5 से 10 लाख के 20प्रतिशत, 11 से 20 लाख के 7प्रतिशत, 21 से 35 लाख के 4प्रतिशत और 36 से 40 लाख तक आमदनी वाले 9प्रतिशत लोग शामिल थे। इनमें 91प्रतिशत पुरुष और 9प्रतिशत महिलाएं थीं। महिलाओं की घर खरीदने में हिस्सेदारी लगातार बढ़ रही है। महिलाओं ने 2024 में शीर्ष शहरों में 1.29 लाख आवासीय लेनदेन किए। यह उन शहरों में हुए कुल डील का 14प्रतिशत था। होम लोन में ब्याज दर, प्रोसेसिंग और भरोसा अहम इंटरेस्ट रेट: मिलेनियल और जेन-जी में से 50प्रतिशत ने कहा कि होम लोन में ब्याज दरें सबसे अहम हैं। ब्याज दरों में छोटी सी घट-बढ़ भी असर डालती है। अप्रूवल का समय: जेन-जी और मिलेनियल लोन प्रोसेसिंग के समय को अहम मानते हैं। वही बैंक या प्लेटफार्म पसंद है, जो आवेदन के 24 या 48 घंटे में लोन की प्रोसेसिंग कर दें। भरोसा: ये अहम कारक है। लोन के लिए लोग उसी संस्था में जाना चाहते हैं, जो भरोसेमंद हो। 60 वर्ष से प्रतिशतयादा उम्र के 33प्रतिशत लोग लोन के लिए बैंक की ब्रांच में जाना पसंद करते हैं। पारदर्शिता: सर्वे में लोगों ने कहा कि प्रक्रिया में पारदर्शिता, शुल्क में स्पष्टता और छिपे चार्ज संस्थाओं की विश्वसनीयता पर असर डालते हैं। घर खरीदने में जेन-जी कम मानते हैं दोस्तों की सलाह 21-24 उम्र के 9प्रतिशत ही दोस्तों के कहने पर होम लोन लेते हैं। 50-60 उम्र में सर्वाधिक 14प्रतिशत दोस्तों की राय पर मकान लेते हैं। 60+ उम्र के 11प्रतिशत लोग घर खरीदने में दोस्तों से सलाह लेते हैं।

न्यूज ब्रीफ

राप्ती एचवी की टी 30 ईवी बाइक ने बनाया रिकार्ड

नई दिल्ली। इलेक्ट्रिक आटोमोबाइल कंपनी राप्ती एचवी ने बड़ा कीर्तिमान बना दिया है। राप्ती एचवी की टी 30 इलेक्ट्रिक मोटरसाइकिल ने 19 दिनों में 7,530 किलोमीटर की लंबी यात्रा पूरी कर ली, जिससे इसे एशिया बुक आफ रिकार्ड्स और इंडिया बुक आफ रिकार्ड्स दोनों में जगह मिल गई है। यह पहली बार है जब भारत में किसी इलेक्ट्रिक मोटरसाइकिल ने इतनी लंबी दूरी तय की हो। यह यात्रा सीसीएस2 डीसी फास्ट-चार्जिंग टेक्नोलाजी की मदद से संभव हो सकी, जिसके जरिए बाइक देश के 40,000 से अधिक सार्वजनिक डीसी फास्ट चार्जरों का उपयोग कर सकी। राइडर बाला मणिकंदन ने हर दिन औसतन 407 किलोमीटर की दूरी तय की, जो उनके पिछले इलेक्ट्रिक राइड रिकार्ड्स से लगभग 100 किलोमीटर अधिक है। डीसी फास्ट चार्जिंग स्टेशनों पर बाइक सिर्फ 30 मिनट में चार्ज हो जाती थी, जबकि एसी चार्जिंग पर 80प्रतिशत बैटरी भरने में करीब एक घंटा लगा। लगातार फास्ट चार्जिंग के बावजूद राइड खत्म होने पर बैटरी की हेल्थ 100प्रतिशत बनी रही, जो इसकी मजबूत तकनीक को साबित करती है। राप्ती.एचवी के सीईओ और को-फाउंडर दिनेश अर्जुन ने बताया कि टी 30 ने बिना किसी खराबी के पूरा सफर तय किया, जो कंपनी के लंबे रिसर्च और इन-हाउस डेवलपमेंट का नतीजा है। यह मोटरसाइकिल सात साल की मेहनत के बाद तैयार हुई है। इस इलेक्ट्रिक बाइक की एक्स-शोरूम कीमत 2.39 लाख रुपए है और ग्राहक इसे 1,000 रुपए में आनलाइन बुक कर सकते हैं।

भारत की आर्थिक वृद्धि में निवेश और विस्तार के अवसर मौजूद : वित्त मंत्री

नई दिल्ली। भारत की वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने नार्वे के अपने आधिकारिक दौरे के दौरान वित्त मंत्री जेन्स स्टोलटेनबर्ग से मुलाकात की। दोनों नेताओं ने भारत में निवेश और व्यापार के बड़े अवसरों पर जोर दिया। विशेष रूप से नवीकरणीय ऊर्जा, सौर ऊर्जा परियोजनाएं, रेयर अर्थ प्रोसेसिंग और कार्बन कैप्चर एवं स्टोरेज जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने की संभावनाओं पर चर्चा हुई। दोनों नेताओं ने व्यापार और आर्थिक साझेदारी समझौते का लाभ उठाने की सहमति व्यक्त की। चर्चा में ब्लू इकानमी, ग्रीन इकानमी, साथ ही सावरेन वेल्थ और पेंशन फंड के माध्यम से निवेश के क्षेत्रों को बढ़ावा देने की रणनीतियों को शामिल किया गया। स्टोलटेनबर्ग ने वित्त मंत्री को बताया कि नार्वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की इस वर्ष के अंत में होने वाली यात्रा का बेसब्री से इंतजार कर रहा है। उम्मीद जताई गई कि इस यात्रा से भारत-नार्वे द्विपक्षीय सहयोग और मजबूत होगा। सीतारमण ने ओस्लो में वित्त समिति, ईएफटीए समिति और भारतीय-नार्वेजियन मैत्री समूह के प्रमुख से भी मुलाकात की। उन्होंने समिति को गिफ्ट-आईएफएससी के दौरे के लिए आमंत्रित किया और इसे एक वैश्विक प्रतिस्पर्धी वित्तीय केंद्र बताते हुए निवेश के अवसरों और कर लाभों की जानकारी दी। साथ ही उन्होंने नार्वे के सीईओ और निवेशकों के साथ गोलमेज चर्चा और प्रवासी भारतीय समुदाय से मिलने का कार्यक्रम भी रखा।

एनआरआई का भारत की ओर रुझान, स्वास्थ्य बीमा खरीद में 126 फीसदी उछाल

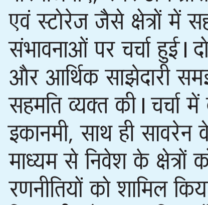

नई दिल्ली। डिजिटल बीमा प्लेटफार्म पालिसी बाजार की ताजा रिपोर्ट के अनुसार विदेशों में बसे भारतीयों (एनआरआई) द्वारा भारत में खरीदी जा रही स्वास्थ्य बीमा पालिसियों में सालाना आधार पर 126 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है। यह रुझान दर्शाता है कि एनआरआई अब भारतीय स्वास्थ्य बीमा को केवल आपातकालीन जरूरत के लिए नहीं, बल्कि एक संपूर्ण और दीर्घकालिक स्वास्थ्य समाधान के रूप में देख रहे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक कम प्रीमियम, आसान डिजिटल प्रक्रिया और एआई आधारित टेलीमेडिकल जांच जैसी सुविधाओं ने इस वृद्धि को गति दी है। जहां खाड़ी देशों में स्वास्थ्य बीमा का प्रीमियम 2000 से 3000 डालर तक पहुंच जाता है, वहीं भारत में समान कवरेज 120 से 300 डालर के बीच उपलब्ध है। कई मामलों में हवाई यात्रा का खर्च जोड़ने के बाद भी भारत में इलाज अधिक किफायती पड़ता है। संयुक्त अरब अमीरात, सऊदी अरब और कुवैत सहित खाड़ी देशों से कुल मांग का लगभग 50 प्रतिशत हिस्सा आ रहा है। यूरोप से करीब 25 प्रतिशत, जबकि अमेरिका और कनाडा से 17 प्रतिशत मांग दर्ज की गई है। एशिया, आस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड और अफ्रीका से 8 प्रतिशत ग्राहक भारतीय पालिसियां खरीद रहे हैं।

जनवरी में फाक्सवैगन इंडिया की बिक्री में गिरावट दर्ज

नई दिल्ली, 17 फरवरी (एजेंसियां)।

जनवरी 2026 के भारतीय बाजार में बिक्री के जारी आंकड़े फाक्सवैगन इंडिया के लिए चिंता बढ़ाने वाले हैं। कंपनी ने पिछले महीने कुल 2710 वाहन बेचे, जबकि जनवरी 2025 में यह संख्या 3344 यूनिट थी। इसका मतलब सालाना आधार पर करीब 19 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई, जिसे हाल के महीनों की सबसे कमजोर परफार्मेंस माना जा रहा है। वहीं एसयूवी सेगमेंट में टाइगुन की बिक्री में तेज गिरावट आई, जिसने कुल प्रदर्शन को काफी प्रभावित किया। बढ़ती प्रतिस्पर्धा और नए विकल्पों की वजह से यह एक समय की मजबूत एसयूवी अब दबाव में दिख रही है।

टिगुआन के आंकड़े प्रतिशत के लिहाज से भले ही चौंकाने वाले हों 1 से बढ़कर 34 यूनिट लेकिन वास्तविक संख्या इतनी कम है कि कुल बिक्री पर इसका असर सीमित ही रहता है। इसके अलावा नई टैरान एसयूवी की बिक्री अभी शुरुआती स्तर पर है और गोल्फ माडल की जनवरी 2026 में एक भी यूनिट नहीं बिकी। कंपनी इस साल बाजार में पांच नए माडल लान्च करने की तैयारी में है, जिनमें टैरान आर-लाइन, वर्टूस और टाइगुन फेसलिफ्ट के साथ इलेक्ट्रिक एसयूवी आईडी.4 और एक नई सब-4 मीटर एसयूवी शामिल हो सकती हैं। आने वाले महीनों में यह तय होगा कि क्या ये माडल कंपनी की बाजार हिस्सेदारी को बेहतर करने में सफल होते हैं या नहीं।

विशेषज्ञों का मानना है कि कंपनी की गिरावट की मुख्य वजह उसके पोर्टफोलियो में किफायती और बड़े पैमाने पर बिक्री करने वाले माडल्स की कमी है। साथ ही मिडसाइज सेडान और एसयूवी सेगमेंट में कोरियाई और भारतीय ब्रांड्स की तेजी ने चुनौती और बढ़ा दी है। माडल प्रदर्शन में इस बार वर्टूस कंपनी के लिए मजबूती का संकेत बनकर उभरा है, जिसकी बिक्री पिछले साल की तुलना में हल्की बढ़ी है।

टोयोटा ने तीन-रो इलेक्ट्रिक एसयूवी हायलेंडर ईवी से पर्दा उठाया

नई दिल्ली। कार निर्माता कंपनी टोयोटा ने अपनी पहली फुल-साइज़ तीन-रो इलेक्ट्रिक एसयूवी हायलेंडर ईवी को लांच कर दिया है। टोयोटा कंपनी के पास अब तक ऐसी कोई बड़ी फैमिली इलेक्ट्रिक एसयूवी नहीं थी, जो सीधे प्रीमियम ग्राहकों को आकर्षित कर सके। इसी कमी को पूरा करते हुए हायलेंडर ईवी को 2027 से बिक्री के लिए उतारा जाएगा। यह एसयूवी सीधे तौर पर किआ ईवी9 और हयूंदै आयोनिक 9 को चुनौती देगी। एसयूवी को कंपनी की नई डिजाइन लैंग्वेज पर आधारित रखा गया है, जिसमें हैमरहेड-स्टाइल फ्रंट, फुल-लेंथ एलईडी डीआरएल और अलग दिए गए एलईडी हेडलैंप इसे अधिक प्रीमियम लुक देते हैं। साइड में शार्प लाइंस, बड़े फेंडर्स और लंबा ग्लासहाउस इसकी रोड प्रेजेंस को मजबूत बनाते हैं, जबकि पीछे कनेक्टेड एलईडी टेललैंप्स इसे आधुनिक ईवी पहचान देते हैं। आकार में बढ़ोतरी के बाद तीनों रो में स्पेस बेहतर हुआ है और थर्ड रो की सीटिंग पहले से ज्यादा आरामदायक हो गई है। बेस वेरिएंट में 77 केडब्ल्यूएच बैटरी मिलेगी, जो लगभग 462 किलोमीटर की रेंज देगी। वहीं बड़े 95.8 केडब्ल्यूएच बैटरी पैक और डुअल मोटर सेटअप के साथ एसयूवी 515 किलोमीटर तक चल सकेगी। इंटीरियर में 14-इंच टचस्क्रीन, 12.3-इंच डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर, हेड-अप डिस्प्ले, एम्बिएंट लाइटिंग और बड़ा पैनोरमिक ग्लासरूफ जैसे प्रीमियम फीचर्स शामिल किए गए हैं। दूसरी रो में कैप्टन सीट्स और सभी रो में चार्जिंग पोर्ट इसे फैमिली उपयोग के लिए खास बनाते हैं।

भारत में बिजली क्षेत्र में एआई से स्वच्छ ऊर्जा बदलाव को मिलेगा बढ़ावा: आईईए विशेषज्ञ

नई दिल्ली, 17 फरवरी (एजेंसियां)।

राष्ट्रीय राजधानी में आयोजित एआई इम्पैक्ट समिट 2026 में अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी (आईईए)के ऊर्जा विशेषज्ञ सिद्धार्थ सिंह ने कहा कि भारत में बिजली प्रणालियों की जटिलताएँ तेजी से बढ़ रही हैं। उनका कहना था कि बिजलीकरण बढ़ने के साथ-साथ नवीकरणीय ऊर्जा, विशेषकर सौर और पवन-की हिस्सेदारी बढ़ी है। इससे बिजली प्रणाली में अस्थिरता और उतार-चढ़ाव बढ़ गए हैं, क्योंकि पहले ज्यादातर बिजली स्रोत स्थिर थे।

सिंह ने बताया कि इन जटिलताओं को संभालने के लिए कृत्रिम मेधा (एआई) अहम हो सकती है। एआई बिजली उत्पादन और खपत का वास्तविक समय में

बिजलीकरण बढ़ने के साथ-साथ नवीकरणीय ऊर्जा, विशेषकर सौर और पवन की हिस्सेदारी बढ़ी

विश्लेषण कर सकता है, जिससे नेटवर्क अधिक स्वचालित और स्थिर बन सके। विशेष रूप से, बैटरी और ऊर्जा भंडारण का प्रबंधन एआई द्वारा बेहतर तरीके से किया जा सकता है, ताकि सौर और पवन ऊर्जा के उतार-चढ़ाव को संतुलित किया जा सके। भारत में परिवर्तनीय बिजली उत्पादन का सटीक पूर्वानुमान बेहद जरूरी है। सौर और पवन ऊर्जा के लिए हर मिनट मौसम और बादलों की स्थिति पर निगरानी आवश्यक है। एआई सिस्टम इन डेटा को प्रोसेस करके उत्पादन और मांग का संतुलन बनाए रख सकते हैं। सिंह ने बताया कि अब दीर्घकालिक स्वच्छ ऊर्जा लक्ष्य हैं, जो पहले नहीं थे। इसके लिए सिस्टम को अधिक स्वचालित बनाने की जरूरत है। नए बाजार मॉडल और स्मार्ट ग्रिड में एआई तेजी से निर्णय लेने में मदद करेगा।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

विलय के...

उन्होंने दलील दी कि केवल कानून बना देने मात्र से कोई असंवैधानिक कार्य वैध नहीं हो जाता। उन्होंने आगे कहा कि ग्रामीण स्वरूप वाले क्षेत्रों को बिना किसी उचित औचित्य के मुख्य शहरी निकाय में मिलाया जा रहा है, जो संवैधानिक सुरक्षा उपायों का उल्लंघन है।

राज्य सरकार ने विधायी अधिकार का किया बचाव

एडवोकेट जनरल ए. सुदर्शन रेड्डी ने सरकार के फैसले का बचाव करते हुए कहा कि विधानसभा पहले ही संशोधन अधिनियम पारित कर चुकी है और विधायिका के पास ऐसा कानून बनाने का अधिकार है। उन्होंने तर्क दिया कि एक बार विधायी सक्षमता स्थापित हो जाने के बाद अदालतों को हस्तक्षेप नहीं करना चाहिए। हालांकि, उन्होंने अदालत को आश्वासन दिया कि अनुच्छेद 243(क्यू)(2) के तहत की गई प्रक्रिया का विवरण सरकार के जवाबी हलफनामे में प्रस्तुत किया जाएगा।

फिलहाल रोक नहीं, चार सप्ताह का समय

हालांकि याचिकाकर्ताओं ने स्पष्ट किया कि वे प्रस्तावित जीएचएमसी चुनावों को रोकना नहीं चाहते हैं, लेकिन उन्होंने अदालत से आग्रह किया कि इस अवैध विलय को जारी न रहने दिया जाए। उच्च न्यायालय ने फिलहाल अंतरिम रोक लगाने से इनकार कर दिया है, लेकिन राज्य सरकार को चार सप्ताह के भीतर अपना जवाबी हलफनामा दाखिल करने का निर्देश दिया है। कोर्ट ने आगे की जांच के लिए संवैधानिक सवालों को खुला रखा है।

हाइड्रा के ...

अदालत ने एजेंसी को तुरंत बाड़ हटाने का निर्देश दिया और याचिकाकर्ता को यथास्थिति बनाए रखने का आदेश दिया। न्यायाधीश ने हाइड्रा को फटकार लगाते हुए कहा कि उचित सत्यापन के बिना कार्रवाई करना कानूनी प्रक्रिया का पूर्ण दुरुपयोग और अदालत की स्पष्ट अवमानना है। अदालत ने नोट किया कि एजेंसी पर्याप्त साक्ष्यों के बिना अनियमित तरीके से जमीनों की घेराबंदी कर रही है।

आम आदमी की जीवन भर की कमाई का सवाल

न्यायाधीश ने सवाल उठाया कि हाइड्रा यह कैसे तय करती है कि जमीन सरकारी है या विचाराधीन? उन्होंने भावुक होते हुए कहा कि संपत्ति अक्सर जीवन भर की बचत से खरीदी जाती है। कोर्ट ने टिप्पणी की कि एजेंसी अक्सर यह सत्यापित किए बिना कार्य करती है कि भूमि अधिसूचित सरकारी संपत्ति है या पार्क जैसी सार्वजनिक जगह। यदि एजेंसी के पास बाड़ लगाने का अधिकार है, तो उसके पास इसके समर्थन में ठोस सबूत होने चाहिए। न्यायाधीश ने कहा, अन्यथा, ऐसा लगता है कि आप अपनी मर्जी से काम कर रहे हैं। क्या इसे स्वीकार किया जा सकता है? आप अदालतों से भी आगे निकल गए हैं।

मोबाइल फोन जब्त करने के आरोपों पर संज्ञान

अदालत ने उन आरोपों पर भी चर्चा की जिनमें कहा गया था कि हाइड्रा अधिकारी अपने कार्यालय में बातचीत के दौरान आगंतुकों के मोबाइल फोन जब्त कर लेते हैं। कोर्ट ने पूछा कि एजेंसी लोगों को इस तरह क्यों प्रताड़ित कर रही है? जवाब में, हाइड्रा के वकील ने इन आरोपों को निराधार बताया और अदालत से आग्रह किया कि एजेंसी को जवाब देने का अवसर दिए बिना कोई राय न बनाएं।

अगली सुनवाई 3 मार्च को

न्यायाधीश ने निष्कर्ष निकाला कि उचित दस्तावेजों और सरकारी भूमि रिकॉर्ड के पूर्ण ज्ञान के बिना, एजेंसी को बाड़ लगाने से बचना चाहिए और मौजूदा बाड़ को हटा देना चाहिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि अदालत एजेंसी को कब्जा लेने का निर्देश तभी देगी जब यह निर्णायक रूप से सिद्ध हो जाए कि जमीन पर अतिक्रमण किया गया है। मामले की अगली सुनवाई 3 मार्च को तय की गई है।

आरोपी को ...

साल 2011 में आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय ने जी. सिद्धार्थ रेड्डी की जेल की सजा को पांच साल से घटाकर दो साल कर दिया था। इससे पहले, 2004 में निचली अदालत ने रेड्डी को आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोप में पांच साल के कारावास और 5,000 रुपये के जुर्माने की सजा सुनाई थी। इसके अलावा, आत्महत्या के प्रयास के लिए उसे एक साल की अतिरिक्त कैद और 1,000 रुपये के जुर्माने की सजा भी दी गई थी।

प्रेम प्रसंग और आत्मघाती कदम की पृष्ठभूमि

रिमांड रिपोर्ट के अनुसार, मामले का मुख्य सार यह है कि रेड्डी और प्रत्युषा पिछले छह वर्षों से एक-दूसरे से प्रेम करते थे। प्रत्युषा की माँ को यह रिश्ता स्वीकार था, लेकिन रेड्डी की माँ इस बंधन के लिए सहमत नहीं थीं। इसी कारण दोनों ने मिलकर आत्महत्या करने का फैसला किया। 23 फरवरी 2002 को दोनों कार में गए, कीटनाशक की एक बोतल खरीदी और उसे कोल्ड ड्रिंक (कोक) में मिलाकर पी लिया। हालांकि, बाद में उन्हें अपनी गलती का एहसास हुआ और उन्होंने तय किया कि उन्हें मरना नहीं चाहिए। वे रेड्डी द्वारा चलाई जा रही कार से हैदराबाद के केयर अस्पताल पहुंचे, जहाँ उपचार के बावजूद प्रत्युषा की मृत्यु हो गई, जबकि रेड्डी जीवित बच गया।

ऑन-द...

स्ट्रीट लाइटों के रखरखाव में यूनिकोड-आधारित प्रणालियों का उपयोग किया जाए।रेवंत रेड्डी ने घोषणा की कि वह जल्द ही नागरिक कार्यों और स्वच्छता उपायों के कार्यान्वयन की समीक्षा करने के लिए व्यक्तिगत रूप से प्रत्येक जोन का दौरा करेंगे।

इसके अलावा, नवनिर्वाचित मेयरों, डिप्टी मेयरों, नगर निगम अध्यक्षों और उपाध्यक्षों के लिए एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।इस उच्च स्तरीय बैठक में मुख्यमंत्री के सलाहकार वेम नरेंद्र रेड्डी, सरकार के प्रधान सचिव रामकृष्ण राव, मुख्यमंत्री कार्यालय के सचिव माणिक राज और एचएमडीए आयुक्त सरफराज अहमद उपस्थित थे।

आरटीए की....

2) इससे वाहन मालिकों को व्यक्तिगत रूप से आरटीए कार्यालय जाने की आवश्यकता काफी कम हो जाएगी। 3) शोरूम-आधारित पंजीकरण को पहले चरण में शामिल किया जाएगा, जिसके बाद अन्य सेवाएं चरणबद्ध तरीके से शुरू होंगी।

एनओसी का झंझट खत्म, चोरी और दुर्घटनाओं की ट्रैकिंग होगी आसान

नए सिस्टम की सबसे बड़ी खासियत यह है कि अंतर्राज्यीय और अंतर-जिला वाहन हस्तांतरण सरल हो जाएगा, क्योंकि इसके लिए अलग से अनापत्ति प्रमाण पत्र की आवश्यकता समाप्त हो जाएगी। इसके अलावा- 1) मालिकाना हक का हस्तांतरण ऑनलाइन आवेदन के बाद आसानी से प्रोसेस होगा। 2) दुर्घटनाओं या चोरी के मामलों में वाहनों के रिकॉर्ड तक त्वरित पहुँच मिलने से पुलिस और प्रशासन को मदद मिलेगी। 3) पते में बदलाव, डुप्लीकेट लाइसेंस और परमिट जैसे शुल्क का भुगतान ऑनलाइन किया जा सकेगा।

इन सेवाओं के लिए अभी भी जाना होगा कार्यालय

हालांकि अधिकांश सेवाएं ऑनलाइन होंगी, लेकिन कुछ कार्यों के लिए आवेदकों को अभी भी व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होना होगा: लर्नर लाइसेंस टेस्ट (एलएलआर)। ड्राइविंग स्किल टेस्ट। वाहन फिटनेस निरीक्षण।परिवहन अधिकारियों को उम्मीद है कि इस कदम से दक्षता बढ़ेगी, कागजी कार्रवाई कम होगी और आम जनता को बड़ी सुविधा मिलेगी।

'घर वापसी' तेज...

यह एक ऐसी व्यवस्था है जिसे समाप्त करने के प्रयास दशकों से चल रहे हैं, लेकिन यह समाप्त नहीं हो पा रही है।

दो दिवसीय लखनऊ प्रवास

संघ प्रमुख 17 और 18 फरवरी को लखनऊ प्रवास पर हैं। पहले दिन उन्होंने निराला नगर स्थित सरस्वती शिशु मंदिर के सभागार में सामाजिक सद्भाव बैठक में भाग लिया। लगभग ढाई घंटे तक चली बैठक में उन्होंने समाज के विभिन्न वर्गों के लोगों के प्रश्नों के उत्तर दिए और सामाजिक सद्भाव से जुड़े विषयों पर चर्चा की।

राजनीति ...

उन्होंने खुद को उनका जीजा बताते हुए कहा कि ओवैसी बंधु हमेशा उनकी चिंता करते हैं।टीपू सुल्तान को नायक बताने वाले बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए राजा सिंह ने कहा कि टीपू सुल्तान ने केवल अपनी सल्तनत बचाने के लिए युद्ध लड़े। उन्होंने कहा कि वह टीपू सुल्तान नहीं, टीपू शैतान हैं।

सीएम मोहन यादव को हिंदुओं का समर्थन

राजा सिंह ने मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव को लेकर कहा कि उन्हें दूसरों के वोट की चिंता करने की आवश्यकता नहीं है, क्योंकि हिंदुओं का समर्थन उनके साथ है।

उन्होंने यह भी कहा कि देश के टुकड़े करने की सोच रखने वालों को सुविधाएं देना बंद किया जाना चाहिए।

मंदिर से शुरू होकर दशहरा मैदान तक पहुंची रैली

इससे पहले एक रैली दादा धूनी वाले दादा मंदिर से शुरू हुई। बड़ी संख्या में लोग भगवा ध्वज और पट्टियां लिए इसमें शामिल हुए। शहर के प्रमुख मार्गों से होते हुए रैली दशहरा मैदान पहुंची, जहां धर्मसभा आयोजित की गई।

कार्यक्रम के अंत में लोगों को देश रक्षा की शपथ दिलाई गई। साथ ही हिंदुओं के हित में कार्य करने वाले नेताओं को चुनने की अपील भी की गई।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, बुधवार, 18 फरवरी, 2026

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें ।

ईसीआईएल में ग्रेजुएट इंजीनियर अप्रेंटिशशिप प्रशिक्षण का शुभारंभ

विकसित भारत की दिशा में ईसीआईएल के बढ़ते कदम

हैदराबाद, 17 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। इलेक्ट्रॉनिक्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (ईसीआईएल) में ग्रेजुएट इंजीनियर अप्रेंटिशशिप प्रशिक्षण का शुभारंभ किया गया।

इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में इलेक्ट्रॉनिक्स एवं कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रिकल एवं इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग, कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग, एप्लाइड इलेक्ट्रॉनिक्स एवं इंस्ट्रूमेंटेशन इंजीनियरिंग, केमिकल इंजीनियरिंग, सिविल इंजीनियरिंग तथा मेकैनिकल इंजीनियरिंग शाखा के प्रशिक्षुओं को ईसीआईएल में अनुसंधान एवं विकास की जा रही विभिन्न प्रौद्योगिकी गतिविधियों की जानकारी दी। इस अवसर पर कॉरपोरेट प्रशिक्षण एवं विकास केन्द्र के प्रबंधक एवं प्रभारी डॉ. राजनारायण अवस्थी ने ईसीआईएल की आधुनिकतम् प्रौद्योगिकियों नियंत्रण, स्वचालन एवं स्काडा प्रणाली, विकिरण संसूचक एवं उपकरणीकरण ऐन्टेना एव सॉटकॉम प्रणाली, संचार एवं इलेक्ट्रॉनिक युद्ध प्रणाली, स्ट्रैटेजिक इलेक्ट्रॉनिक्स एवं मिसाइल सपोर्ट प्रणाली, उपकरण प्रणाली, एकीकृत सुरक्षा समाधान, सर्वो उत्पाद एवं इलेर्शियल नैविगेशन प्रणाली, सूचना प्रौद्योगिकी, ई-गवर्नेंस एवं सूचना सुरक्षा से संबंधित पॉवर पाइंट प्रजेंटेशन दिया। कार्यक्रम में विशिष्ट वक्ता के रूप में वरिष्ठ अधिकारियों ने भी ईसीआईएल में अपने विस्तृत अनुभव के आधार पर इलेक्ट्रॉनिक्स एवं कम्युनिकेशन तथा इंजीनियरिंग की विभिन्न शाखाओं में सुअवसरों के संबंध में विस्तार से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि अपने वाला समय 'विकसित भारत' का युग है। इंजीनियरिंग के क्षेत्र में आने वाली चुनौतियों के सुअवसर में बदलने वाले इंजीनियर राष्ट्र की प्रगति में महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं। इसके लिए समय प्रबंधन, विषय का ज्ञान, आधुनिकतम जानकारी से स्वयं को निरंतर अद्यतन बनाए रखना आत्म अनुशासन तथा समय प्रबंधन अत्यंत महत्वपूर्ण है। प्रशिक्षुओं को ईसीआईएल के विभिनन प्रभागों, संचार प्रणाली प्रभाग, सर्वो प्रणाली प्रभाग, ऐन्टेना उत्पाद एवं साटकॉम प्रभाग, सुरक्षा प्रणाली प्रभाग, विशेष उत्पाद प्रभाग, विकिरण संसूचन प्रभाग, रिएक्टर परियोजना, सामरिक इलेक्ट्रॉनिक्स प्रभाग तथा अभियांत्रिकी सेवा प्रभाग में प्रशिक्षित किया जाएगा।

कार्यक्रम में चयनित प्रशिक्षुओं ने भी अपने विचार रखे तथा कहा कि उनको ईसीआईएल में विभिन्न प्रौद्योगिकियों को सीखने का अवसर प्राप्त होगा। इस कार्यक्रम में एम. वम्शीकृष्णा, उप प्रबंधक (सीएलडीसी) तथा आर. स्वामी, सहायक अधीक्षक सीएलडीसी ने महत्वपूर्ण सहयोग दिया।

अमावस्या पर अन्नदान, गायत्री अग्रवाल ने सेवा को बताया समाज की शक्ति

हैदराबाद, 17 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। अमावस्या के पावन अवसर पर हैदराबाद स्थित केबीआर के समीप, इंडो अमेरिकन कैंसर हॉस्पिटल एवं रिसर्च सेंटर के सामने राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद द्वारा नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया।कार्यक्रम के दौरान अस्पताल में उपचाररत मरीजों के परिजनों एवं अन्य जरूरतमंदों को श्रद्धा और सम्मानपूर्वक भोजन वितरित किया गया।

इस अवसर पर गायत्री अग्रवाल ने कहा कि राधे-राधे ग्रुप द्वारा किए जा रहे सेवा कार्य अत्यंत सराहनीय हैं। उन्होंने कहा कि अन्नदान सबसे श्रेष्ठ दान है और ऐसे आयोजन समाज में मानवता, सहयोग और संवेदनशीलता को मजबूत करते हैं।

गायत्री अग्रवाल ने कहा कि अस्पताल जैसे स्थान पर सेवा करना विशेष महत्व रखता है, क्योंकि यहां कई परिवार कठिन परिस्थितियों से गुजर रहे होते हैं। ऐसे समय में भोजन की व्यवस्था करना उनके लिए बड़ी राहत साबित होता है।

कार्यक्रम में सतीश कुमार गुप्ता, आशा अग्रवाल, मनीष अग्रवाल, सुभाष अग्रवाल, हरीश टोलाराम हिंदुजा, उमाकांत जी गुप्ता, उर्मिला गुप्ता, तेजप्रकाश अग्रवाल, जयप्रकाश सरड़ा सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे। सभी ने मिलकर व्यवस्थित रूप से अन्न वितरण किया।

विश्व मंगल गौशाला में फाल्गुन अमावस्या पर्व धूमधाम से मनाया गया

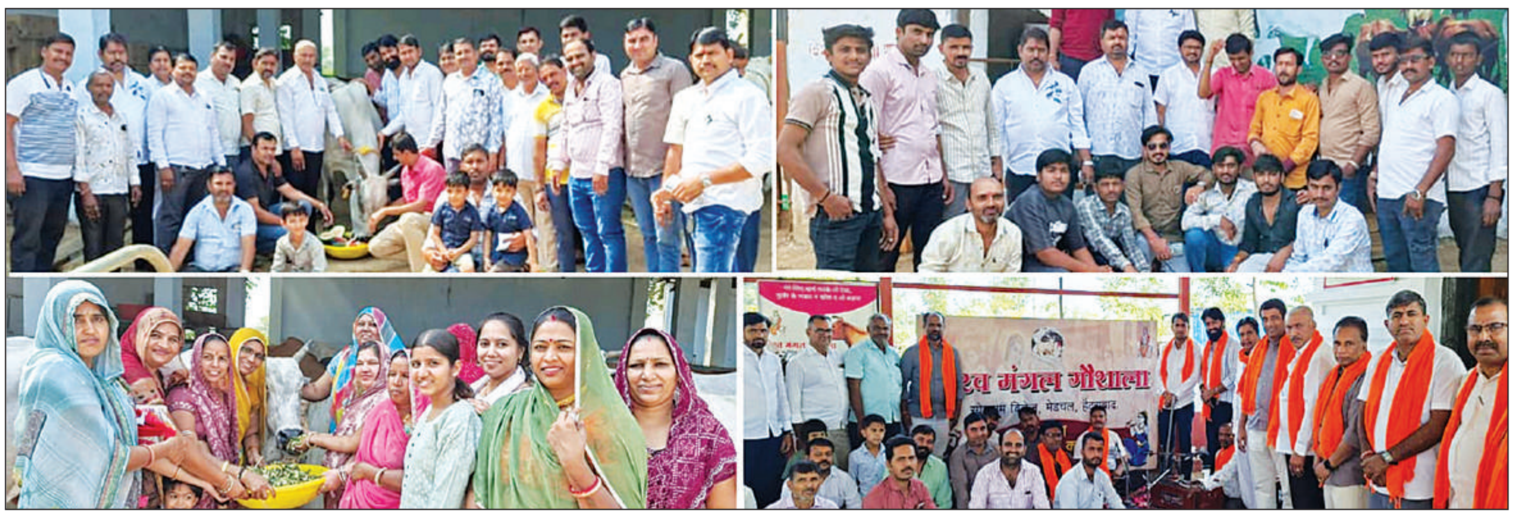

हैदराबाद, 17 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। विश्व मंगल गौशाला में फाल्गुन अमावस्या पर्व बड़े ही धूमधाम और श्रद्धा के साथ मनाया गया। इस अवसर पर गौशाला परिसर में धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।कार्यक्रम के दौरान भेराराम सेणचा और कन्हैया कुमावत ने भजनों की प्रस्तुतियां दीं, जिससे पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। विशेष रूप से भजन सम्राट लाल गिरी मिथोड़ा ने भी अपनी मधुर वाणी से श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया। इस अवसर पर भोजन प्रसादी की व्यवस्था धर्मा राम सुथार द्वारा की गई। श्रद्धालुओं ने प्रसादी ग्रहण कर पुण्य लाभ प्राप्त किया। कार्यक्रम में महेंद्र शापूर, तुलसाराम, रमेश माली, अमरनाथ, श्री लक्ष्मी माजीसा ग्रुप बालनगर, परबत सोलंकी, नारायण राम, गोविंद, हनवंत, नरपत, गोविंद, देवाराम, महेंद्र कुमावत, राजूराम प्रजापत, सुरेश, रूगनाथ, दिनेश, मोहन, दिनेश, राजूराम कुमावत, दिनेश कुमावत, पुखराज भाटी, मोहनलाल बरफा, ओमप्रकाश, गोविंद चौहान, नारायण राम सुथार, राजेश नक्का सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।कार्यक्रम के अंत में गौशाला अध्यक्ष टी.वी. सुरेश, उदय भास्कर, शांतिलाल सुथार और धर्मा राम सुथार ने उपस्थित सभी श्रद्धालुओं एवं सहयोगकर्ताओं का आभार व्यक्त किया।

श्री आईजी गौशाला में अमावस्या पर भजन-कीर्तन एवं महाप्रसादी का आयोजन

हैदराबाद, 17 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। बालाजी नगर स्थित श्री आईजी गौशाला में अमावस्या के उपलक्ष्य में भजन-कीर्तन कार्यक्रम का आयोजन श्रद्धा एवं भक्ति भाव के साथ किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत गौमाता की तस्वीर के समक्ष दीप प्रज्वलन से हुई।

स्थानीय भजन गायकों ने मधुर भजनों की प्रस्तुति देकर उपस्थित भक्तों को झूमने पर मजबूर कर दिया। इस दौरान श्री आईमाता जी भजन मंडली, बालाजी नगर के भजन गायक अचलाराम हाम्बड़, मोहनलाल हाम्बड़, गिरधारीलाल प्रजापत, ओमप्रकाश प्रजापत, लोकेश, पीटु सागर, लक्ष्मण सुथार, कांता कुमावत एवं गीता बाई सीरवी ने भावपूर्ण भजन प्रस्तुत किए।कार्यक्रम में अध्यक्ष मंगलाराम पंवार, सचिव हुक्माराम सानपुरा सहित समस्त कार्यकारिणी पदाधिकारी एवं गौभक्त उपस्थित रहे। इस अवसर पर गौभक्तों का सम्मान भी किया गया।महाप्रसादी के लाभार्थी ओमप्रकाश काग (सुपुत्र स्व. कानाराम काग, पूर्व अध्यक्ष माडीबाई), नीतू, प्रतिज्ञा, नितेश, कुनाल एवं समस्त काग परिवार, बंडलागुडा-कीसरा वालों द्वारा महाप्रसादी का आयोजन किया गया। अन्य श्रद्धालुओं ने भी गौसेवा में सहयोग प्रदान किया। कार्यक्रम श्रद्धा, भक्ति और सामाजिक समरसता के वातावरण में सम्पन्न हुआ।

तीन दिवसीय फैशन एवं लाइफस्टाइल प्रदर्शनी 21 से

हैदराबाद, 17 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। हाईलाइफ की तीन दिवसीय फैशन एवं लाइफस्टाइल प्रदर्शनी आगामी 21 से 23 फरवरी तक हाईटेक सिटी स्थित एचआईसीसी नोवाटेल में आयोजित की जाएगी।

हाईलाइफ प्रदर्शनी के आयोजन से पूर्व आयोजित कर्टनरेजर कार्यक्रम में मंगलवार को प्रदर्शनी का पोस्टर जारी करते हुए तिथियों की घोषणा की गयी। अभिनेत्री वर्षा एवं प्रीति सुंदर के साथ शहर की प्रमुख मॉडलों ने कार्यक्रम में भाग लेते हुए डिज़ाइनरों के परिधान एवं आभूषणों का प्रदर्शन किया।

हाईलाइफ की यह प्रदर्शनी ग्रीष्मकालीन फैशन तथा वेडिंग स्पेशल के रूप में फैशन प्रेमियों के आकर्षण का केंद्र रहेगी। फैशन, ग्लैमर तथा उत्सवों के लिए अपनी पसंद की चीजें खरीदने के लिए उत्तम विकल्प उपलब्ध होंगे। रचनात्मक फैशन परिधान, दुल्हनों के परिधान, एक्सेसरीज, आभूषण, लक्जरी वस्तुएँ तथा घरेलू साज-सज्जा की वस्तुओं के कलेक्शन प्रदर्शनी में पेश किये जाएँगे। आयोजकों के अनुसार, इस बार पारंपरिक एवं पाश्चात्य शैली के परिधानों के साथ कई नये डिज़ाइनर प्रदर्शनी में हिस्सा लेंगे।

जियागुडा स्थित श्री समर्थ कामधेनु गोशाला में फाल्गुन अमावस्या पर गौसेवा करते गोशाला के प्रभु दत्त महाराज, हरिकिशन मायच्छ,पवन व्यास, गोपाल रोड़ा, महावीर प्रशाद कड़ेल, सत्यनारायण मौसूण (पहलवान), पंकज वर्मा, शरद वर्मा, नथमल मायच्छ, मनोज सुंदलिया एवं अन्य।

उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन से बंडारू ने की शिष्टाचार भेंट

नई दिल्ली/हैदराबाद, 17 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। पूर्व राज्यपाल श्री बंडारू दत्तात्रेय ने मंगलवार, 17 फरवरीर को नई दिल्ली में उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन से उनके आधिकारिक निवास पर शिष्टाचार भेंट की।

इस बैठक के दौरान दोनों नेताओं के बीच देश की वर्तमान परिस्थितियों और विभिन्न सार्वजनिक मुद्दों पर विस्तृत विचार-विमर्श हुआ। उपराष्ट्रपति और पूर्व राज्यपाल ने राष्ट्र के विकास से जुड़े महत्वपूर्ण पहलुओं और जन कल्याणकारी योजनाओं की प्रगति को लेकर अपने विचार साझा किए।

भेंट के दौरान श्री बंडारू ने उपराष्ट्रपति को देश के विभिन्न हिस्सों में चल रहे विकास कार्यों और आम जनता की समस्याओं से अवगत कराया। चर्चा के अंत में, श्री दत्तात्रेय ने उपराष्ट्रपतिरसी.पी. राधाकृष्णन को अपनी शुभकामनाएं प्रेषित कीं।

अमावस्या पर पहाड़ी हनुमान मंदिर में फल वितरण करती हुईं सामाजिक कार्यकर्ता श्रीमती सुमन दांडगे ।

तापमा की आरआईसीएच अधिकारियों से बैठक

हैदराबाद, 17 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना और आंध्र प्रदेश प्लास्टिक निर्माता संघ (तापमा) ने हैदराबाद के आबिड्स स्थित राघव रत्न टावर स्थित अपने कार्यालय में Research and Innovation Circle of Hydedabad (आरआईसीएच) के श्रीनिवास चेरला और यू. गुरुश्रीचरण से मुलाकात की।बैठक की अध्यक्षता तापमा के अध्यक्ष नरेंद्र बलदवा ने की। इसमें सचिव श्रीनिवास राव, उपाध्यक्ष अरुण लाहोटी तथा संयुक्त सचिव नितिन सांघी भी उपस्थित रहे।

आरआईसीएच के अधिकारियों ने जानकारी दी कि वे माइक्रो, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय द्वारा संचालित 'रैंप' (एमएसएमई प्रदर्शन को बढ़ाना और तेज करना) कार्यक्रम के अंतर्गत कार्बन फुटप्रिंट कम करने, हरित ऊर्जा को बढ़ावा देने तथा जल संरक्षण की दिशा में कार्य कर रहे हैं।उन्होंने बताया कि निगरानी प्रणाली स्थापित कर ऊर्जा ऑडिट के माध्यम से बिजली बिल में न्यूनतम 10% तक कमी लाने का लक्ष्य रखा गया है। सभी प्लास्टिक विनिर्माण इकाइयों से इस कार्यक्रम में भाग लेने का अनुरोध किया गया।

सेवा का सच्चा संदेश दे रहा है राधे-राधे ग्रुप : राजेश सर योगा

हैदराबाद, 17 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में बेगम बाजार स्थित भू देवी माता मंदिर के सामने गौशाला परिसर में आयोजित नियमित अन्नदान कार्यक्रम सेवा भावना के साथ सम्पन्न हुआ।

इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए राजेश सर योगा ने कहा कि राधे-राधे ग्रुप केवल भोजन वितरण का कार्य नहीं कर रहा, बल्कि समाज में सेवा, करुणा और सहयोग की भावना को मजबूत कर रहा है। उन्होंने कहा कि सेवा ही सच्ची पूजा है और जरूरतमंदों की सहायता करना ही मानव जीवन का सबसे बड़ा धर्म है।कार्यक्रम में अनेक समाजसेवी सदस्य उपस्थित रहे और सेवा कार्य में सक्रिय भागीदारी निभाई। आज की सेवा दीपिका विजयवर्गीय के जन्म दिवस पर श्रीमती संगीता जी एवं श्री प्रवीण जी विजयवर्गीय परिवार तथा अमावस्या के अवसर पर श्रीमती बबीता जी एवं श्री महेश जी बंसल मैसर्स भवानी ग्रुप की ओर से की गई।इस अवसर पर जगत नारायण अग्रवाल, राजकुमारी अग्रवाल, महेश अग्रवाल, वंश अग्रवाल, राजेश सर योगा, महेश गोयल, अरुण विजयवर्गीय, पन्नालाल जी, गोविंद राम पचेरिया, अनिल भाई, लता गोयल, नीलम विजयवर्गीय, अर्चना शास्त्री एवं रेणु शर्मा आदि उपस्थित थे।

सनतनगर में अमावस्या पर कासा द्वारा भोजन सेवा

हैदराबाद, 17 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

सनतनगर क्षेत्र में अमावस्या के पावन अवसर पर लोधा कासा द्वारा भोजन सेवा का आयोजन किया गया। इस सेवा कार्य के तहत जरूरतमंदों एवं स्थानीय लोगों को भोजन वितरित किया गया।

कार्यक्रम में शैफरोन डायरेक्टर सपना विमल गुप्ता की विशेष उपस्थिति रही। उनके साथ अध्यक्ष राजकुमार, वेणुगोपाल, राजेश, रेखा, सुनीता व अन्य सहयोगियों ने सेवा कार्य में सक्रिय सहभागिता निभाई।

आयोजकों ने बताया कि अमावस्या के अवसर पर भोजन सेवा का उद्देश्य समाज के जरूरतमंद वर्ग तक अन्न पहुंचाना और सेवा भाव को बढ़ावा देना है।

कार्यक्रम सामाजिक सहयोग और मानवीय संवेदना के भाव के साथ संपन्न हुआ।

नारायणी गौ सेवा सदन में फाल्गुनी अमावस्या पर गायत्री हवन सम्पन्न

हैदराबाद, 17 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

फाल्गुनी अमावस्या के उपलक्ष्य में शालिवाहन नगर स्थित नारायणी गौ सेवा सदन में श्रद्धा एवं वैदिक रीति-रिवाजों के साथ गायत्री हवन कार्यक्रम संपन्न हुआ।

गायत्री हवन का कार्यक्रम पंडित उदय भास्कर एवं श्रीनिवास जी, गायत्री परिवार के सान्निध्य में संपन्न हुआ। वैदिक मंत्रोच्चार और हवन की पवित्र आहुति से वातावरण भक्तिमय एवं आध्यात्मिक ऊर्जा से परिपूर्ण हो गया।

इस कार्यक्रम में सनातनी, गौ प्रेमियों और शहर के गणमान्य व्यक्तियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। उपस्थित प्रमुख व्यक्तियों में श्री गोपाल बल्दवा जी, सज्जन डागा, डी.पी. तिवारी, मोहन बाबू, अर्जुन, अमन सोनी, ए.एल. सोनी, चन्दन मिश्रा, अमित रंजन, रूद्र तिवारी, पिंटू कला, श्रीनिवास यादव, वेंकट रेड्डी, रामप्रसाद, संतोष, अटल सेवा दल अध्यक्ष रघुनंदन, मनमोहन, प्रकाश जी, राजेश गोयल, टीपू सोनी, श्रीनिवास,

कार्यक्रम के सफल आयोजन पर गौशाला के ट्रस्टियों ने उपस्थित सभी श्रद्धालुओं एवं सहयोगकर्ताओं का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम श्रद्धा, सेवा और सामाजिक एकता के भाव के साथ सम्पन्न हुआ।

अमावस्या पर भारी संख्या में गौप्रेमियों ने लिया गौसेवा का लाभ

श्री रामचंद्र डोंग्रेजी महाराज गौशाला में आयोजित हुआ विशेष कार्यक्रम

हैदराबाद, 17 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

अमावस्या के पावन अवसर पर इंजापुर स्थित श्री रामचंद्र डोंग्रेजी महाराज गौशाला में भारी संख्या में गौप्रेमियों ने पहुंचकर गौसेवा का लाभ लिया। प्रातः 6 बजे से ही श्रद्धालु गौशाला पहुंचने लगे और गौमाता को घास-चारा, गुड़, सब्जी आदि खिलाकर पुण्य अर्जित किया।विश्व हिंदू परिषद तेलंगाना राज्य के मंत्री पी.वी. चौधरी ने गौशाला में आगमन पर कहा कि सनातन धर्म सहित सभी धार्मिक ग्रंथों में गौसेवा का महत्व बताया गया है। उन्होंने कहा कि गौमाता धन, वैभव, कीर्ति और ऐश्वर्य की प्रतीक है तथा उनकी सेवा से जीवन में सकारात्मक परिवर्तन आता है।

उन्होंने संत शिरोमणि संत श्री रामचंद्र डोंगरे महाराज के वचनों का उल्लेख करते हुए कहा कि डोंग्रेजी महाराज गौशाला एक चमत्कारी स्थान है और वे स्वयं तन-मन-धन से सहयोग के लिए तत्पर हैं।

गौशाला के संचालक अशोक पटेल द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया कि अमावस्या के अवसर पर पी.वी. चौधरी, आरएसएस नेता चंद्रशेखर, कृष्ण ग्रुप के जितुभाई पटेल व गौतम पटेल, स्वामी नारायण गुरुकुल के न्यासी जीवरामभाई पटेल, लव फॉर काऊ फाउंडेशन के चेयरमैन जसमत पटेल तथा प्राणीमित्र रमेश जागीरदार मेमोरियल फाउंडेशन के संस्थापक मंत्री रिद्धीश जागीरदार विशेष रूप से उपस्थित रहे।

गौशाला अध्यक्ष मनसुख पटेल, भरत पटेल, शिवजी पटेल, विठ्ठल पटेल, प्रभु पटेल, हसमुख पटेल, वसंत पटेल, रतीलाल पटेल, अशोक पटेल, जागृति पटेल, अर्चना पटेल सहित अनेक पदाधिकारी उपस्थित थे।

अशोक पटेल ने बताया कि गौशाला की स्थापना वर्ष 2012 में रामनवमी के दिन मात्र 11 गौओं के साथ की गई थी। वर्तमान में यहां लगभग 1220 गौवंश का पालन-पोषण किया जा रहा है, जिन्हें कत्लखानों से बचाकर आश्रय दिया गया है।

नागोल, उप्पल, संतोषनगर, सागर रोड, चैतन्यपुरी, कोत्तापेट आदि क्षेत्रों से बड़ी संख्या में गौभक्त गौसेवा हेतु पहुंचते हैं।जीवराम पटेल ने कहा कि गौशाला में बिना किसी भेदभाव के पदाधिकारी स्वयं सेवा करते हैं। उन्होंने सभी गौभक्तों से जीवन के विशेष अवसरों पर गौशाला में सेवा का लाभ लेने का आग्रह किया।

अमावस्या पर आयोजित भोजन प्रसाद कार्यक्रम में लगभग 2100 लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया।

जसमत नानजीभाई पटेल ने बताया कि संत श्री रामचंद्रजी डोंगरे महाराज का स्वप्न था कि भाग्यनगर के समीप शुद्ध वातावरण में गौ-निवास स्थापित हो, जहां गौभक्तों को स्वच्छ वायु और प्राकृतिक वातावरण मिले।

रिद्धीश जागीरदार ने गौशाला को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए अधिक से अधिक नए सदस्यों को जोड़ने का आह्वान किया।

कार्यक्रम श्रद्धा, सेवा और समर्पण के भाव के साथ संपन्न हुआ।

अग्रवाल समाज दोमलगुड़ा शाखा द्वारा अन्न प्रसाद वितरित

हैदराबाद, 17 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो) । अग्रवाल समाज तेलंगाना की दोमलगुडा शाखा द्वारा हर माह की भांति अमावस्या के अवसर पर सोमवार, 17 फरवरी को अन्न प्रसाद वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

शाखा के सचिव प्रतीक अग्रवाल द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार शाखा अध्यक्ष डॉ. दिलीप पंसारी, कोषाध्यक्ष रोशन लाल मित्तल, कार्यक्रम संयोजक रितेश झुंझुनवाला एवं रोहित मोदी, महिला संयोजिका सरला अग्रवाल एवं सीमा अग्रवाल द्वारा महाराजा श्री अग्रसेन जी की पूजा-अर्चना के पश्चात अन्न प्रसाद वितरण प्रारंभ किया गया।

इस सेवा कार्य में शालिनी निरंजन केडिया, गिरधारीलाल नरेश अग्रवाल, सुमित्रादेवी ओमप्रकाश पंसारी, राखी-गणेश अग्रवाल, रश्मि-विकास अग्रवाल, डॉ. सुमन-अनिल सराफ, सोनल मुकेश गोयल, छाया अजय गुप्ता, अनिता प्रदीप अग्रवाल, सीमा योगेश अग्रवाल, बाला रोशन लाल मित्तल, श्रद्धा रोहित मोदी, अरुणा राजेंद्र गुप्ता, सुनीता निरंजन अग्रवाल सहित अन्य का सहयोग रहा।अवसर पर ज्योति गुप्ता, ज्योति धानुका, बलराम जालान, दीपा डालमिया, दीपा गर्ग, प्रभावती अग्रवाल, मधु गोयल, सीमा गर्ग एवं अन्य सदस्य उपस्थित थे।कार्यक्रम सामाजिक सेवा और सामुदायिक एकता के भाव के साथ संपन्न हुआ।

श्री सिखवाल ब्राह्मण समाज द्वारा भव्य महाशिवरात्रि महोत्सव आयोजित

हैदराबाद, 17 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

कार्टून कॉर्नर

श्री सिखवाल ब्राह्मण समाज भाग्यनगर द्वारा श्री राम दरबार पंचायती बाड़ा स्थित श्री विजय शंकर शिवालय में भव्य रूप से महाशिवरात्रि महोत्सव आयोजित किया गया।

रात्रि 7 बजकर 11 मिनट पर वेदाचार्य वासुदेव तिवारी के आचार्यत्व में विधि-विधान एवं मंत्रोच्चार के साथ सभी स्वजातीय बंधुओं ने भगवान शिव का रुद्राभिषेक किया। पूरे आयोजन के दौरान श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह देखा गया।

रात्रि 8 बजकर 11 मिनट से नगर के प्रमुख भजन गायकों एवं समाज के सुर सम्राटों ने अपनी अमृतवाणी से शिवलहरी भजनों का रसपान कराया।

भजनों को सुनकर भक्तगण झूम उठे और बम-बम भोले के जयघोष से संपूर्ण शिवालय शिवमय हो गया।

रात्रि 12 बजकर 21 मिनट पर महाआरती के पश्चात सभी श्रद्धालुओं ने फलाहारी प्रसाद ग्रहण किया।

आयोजक समिति ने कार्यक्रम में उपस्थित सभी धर्मप्रेमी भाइयों का आभार व्यक्त किया और आयोजन की सफलता पर संतोष प्रकट किया।

अमावस्या पर नवग्रह होमम का आयोजन, अन्न प्रसादम का हुआ वितरण

हैदराबाद, 17 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो) ।

अमावस्या के पावन अवसर पर, कोटी स्थित रानी पार्क के पास नल्ला पोचम्मा मंदिर में आज पवित्र मनवग्रह होममफ का आयोजन किया गया। इस धार्मिक अनुष्ठान का मुख्य उद्देश्य समाज की शांति, समृद्धि और जनकल्याण के लिए दैवीय आशीर्वाद प्राप्त करना था।इस विशेष अवसर पर, बजरंग सेना तेलंगाना के अध्यक्ष एन.आर. लक्ष्मण राव ने मंदिर समिति के साथ मिलकर मंदिर में उपस्थित श्रद्धालुओं को अन्न प्रसादम वितरित किया। पूजा और सेवा के इस संगम ने मंदिर परिसर में एक अत्यंत आध्यात्मिक वातावरण निर्मित किया।इस कार्यक्रम में कई प्रमुख सदस्यों और भक्तों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया, जिनमें प्रभु बिरादर, गोवर्धन लाल, सुनील, रवि कुमार, प्रवीण यादव, रामेश्वर मिश्रा, वीरेंद्र अवस्थी, नरेश और अन्य शामिल थे। पूरा आयोजन भक्तिमय माहौल में संपन्न हुआ, जिसमें स्थानीय समुदाय के सदस्यों की सक्रिय भागीदारी रही।

संस्कार केवल शिक्षा से नहीं, बल्कि घर के वातावरण एवं माता-पिता के आचरण से आते हैं : सिद्धगुरुवर

सिद्धेश्वर ब्रह्मर्षि गुरुदेव के सान्निध्य में तिरुपति में महाशिवरात्रि का भव्य महोत्सव संपन्न

तिरूपति, 17 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर श्री सिद्धेश्वर तीर्थ ब्रह्मर्षि आश्रम तिरुपति में आयोजित श्री महाशिवरात्रि महोत्सव 2026 श्रद्धा, भक्ति और वैदिक मर्यादा के साथ संपन्न हुआ। पूज्य 'सिद्धगुरुवर' सिद्धेश्वर ब्रह्मर्षि गुरुदेव के दिव्य सान्निध्य में प्रातःकाल से आरंभ हुए धार्मिक अनुष्ठान देर रात्रि तक निरंतर चलते रहे। आश्रम परिसर दिनभर शिवनाम, मंत्रोच्चार और भजन की ध्वनि से गुंजायमान रहा। कार्यक्रम में गुजरात के सूरत से सांसद मुकेश कुमार चंद्रकांत दलाल, महाराष्ट्र सरकार में मंत्री राधाकृष्ण विखे पटेल, मध्य प्रदेश शासन में सहकारिता मंत्री विश्वास सारंग, तिरुपति लोकसभा क्षेत्र से सांसद गुरुमूर्ति मद्दिला सहित अन्य जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारी और देश-विदेश से पधारे गुरुभक्त पूर्ण आस्था और अनुशासन के साथ उपस्थित रहे। सभी ने गुरुदेव का आशीर्वाद प्राप्त कर शिव आराधना में सहभागिता की।

महाशिवरात्रि अवसर पर सिद्धगुरुवर सिद्धेश्वर ब्रह्मर्षि गुरुदेव ने जलाभिषेक के बाद आशीर्वचन में कहा कि महाशिवरात्रि केवल उत्सव नहीं, बल्कि आत्मजागरण का अवसर है। उन्होंने कहा कि शिव का अर्थ कल्याण और शांति है। जब व्यक्ति अपने भीतर झांककर अपने दोषों को पहचानता है और साधना के माध्यम से उन्हें सुधारने का प्रयास करता है, तभी सच्ची शिव आराधना होती है। उपवास और रात्रि जागरण का उद्देश्य शरीर को कष्ट देना नहीं, बल्कि मन और इंद्रियों पर संयम स्थापित करना है।

गुरुदेव ने बच्चों के संस्कारों पर विशेष जोर देते हुए कहा कि भविष्य की नींव आज के बच्चों में ही रखी जाती है। संस्कार केवल शिक्षा से नहीं, बल्कि घर के वातावरण और माता-पिता के आचरण से आते हैं। इस संदर्भ में उन्होंने माँ की भूमिका को अत्यंत महत्वपूर्ण बताया। उनके अनुसार माँ केवल जन्म देने वाली नहीं, बल्कि जीवन की पहली गुरु होती है। बच्चे की भाषा, व्यवहार, संवेदनशीलता और नैतिकता की प्रारंभिक शिक्षा माँ की गोद से ही शुरू होती है। यदि माताएं बच्चों को सत्य, सेवा और अनुशासन का पाठ सिखाएं, तो समाज स्वतः सुदृढ़ हो जाएगा।

गुरुदेव ने सभी उपस्थित गुरुभक्तों से समाज में सद्भाव, पर्यावरण संरक्षण और सांस्कृतिक मूल्यों की रक्षा के लिए सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। गुरुदेव ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि आज की पीढ़ी ऊर्जा से भरपूर है, पर उसे दिशा की आवश्यकता है। महाशिवरात्रि उन्हें यह संदेश देती है कि शक्ति और संयम का संतुलन ही सफलता का मार्ग है। शिव का तीसरा नेत्र विवेक का प्रतीक है, जो सही और गलत के बीच भेद करना सिखाता है। यदि युवा अपने भीतर विवेक का दीप जलाएं, तो वे स्वयं भी सफल होंगे और समाज को भी नई दिशा देंगे। सायंकाल महारुद्राभिषेक का आयोजन हुआ। वेद मंत्रों और रुद्रपाठ के साथ भगवान शिव का विधिपूर्वक अभिषेक किया गया। दुग्ध, दधि, घृत, मधु और पवित्र जल से अभिषेक के समय संपूर्ण परिसर मंत्रध्वनि से गूंज उठा। श्रद्धालुओं ने आरोग्य, समृद्धि और मानसिक संतुलन की प्रार्थना की। रात्रि में चार प्रहरों की विशेष पूजा संपन्न हुई। प्रत्येक प्रहर में भिन्न विधियों से शिव आराधना, जप और ध्यान कराया गया। यह समस्त अनुष्ठान आचार्य पंडित श्रीनिवास श्रीमाली के मार्गदर्शन में विद्वान आचार्यों द्वारा वैदिक परंपरा के अनुसार संपन्न हुआ।

पूरी रात्रि साधना का क्रम चलता रहा और श्रद्धालु भक्ति में लीन रहे। इस से पूर्व प्रातःकाल गणेश मंदिर से ज्ञान मंदिर तक कांवड़ यात्रा निकाली गई। श्रद्धालु सिर पर जल कलश धारण कर भक्ति गीत गाते हुए आगे बढ़े। वातावरण में शिव नाम के जयघोष से आध्यात्मिक ऊर्जा का संचार हुआ।

इसके उपरांत आश्रम में कालसर्प दोष निवारण पूजा का आयोजन किया गया। वैदिक मंत्रों के मध्य संपन्न इस अनुष्ठान में जीवन की विघ्न-बाधाओं से मुक्ति तथा मंगलमय भविष्य की कामना की गई। इसी अवसर पर गुरुभक्त दिलीप शर्मा की प्रेरणा से आश्रम परिसर में पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। विभिन्न प्रजातियों के पौधे रोपित कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया।

इसे प्रकृति के प्रति कर्तव्यबोध और सामाजिक उत्तरदायित्व का प्रतीक बताया गया। कार्यक्रम के अंत में सामूहिक आरती और प्रसाद वितरण किया गया। पूरे आयोजन में अनुशासन और व्यवस्था का विशेष ध्यान रखा गया, जिससे गुरुभक्तों को किसी प्रकार की असुविधा नहीं हुई। महाशिवरात्रि महोत्सव श्रद्धा, साधना और सामाजिक चेतना का संदेश देकर संपन्न हुआ।

संस्कार ही सेवा की जननी : शीतल गुप्ता

हैदराबाद, 17 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन, पिलर नंबर 1265 ए के पास संचालित नियमित अन्नदान एवं अनुदान कार्यक्रम में आज सेवा, संस्कार और संवेदनाओं का प्रेरणादायक दृश्य देखने को मिला।

इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए शीतल गुप्ता ने कहा कि संस्कार ही सेवा की जननी हैं। जब परिवार में बचपन से ही करुणा, दया और सहयोग की भावना सिखाई जाती है, तभी व्यक्ति समाज के प्रति अपने कर्तव्यों को समझ पाता है। उन्होंने कहा कि सेवा केवल एक सामाजिक कार्य नहीं, बल्कि यह मानवता के प्रति समर्पण और ईश्वर भक्ति का मार्ग है।

उन्होंने आगे कहा कि माता-पिता और गुरुजनों से प्राप्त संस्कार ही जीवन की सबसे बड़ी पूँजी हैं। इन्हीं संस्कारों के कारण मन में जरूरतमंदों के प्रति संवेदनशीलता आती है और निस्वार्थ सेवा का भाव उत्पन्न होता है। यदि हर व्यक्ति अपने जीवन में सेवा को स्थान दे, तो समाज में प्रेम, एकता और सहयोग की भावना स्वतः बढ़ेगी।

कार्यक्रम के दौरान जरूरतमंदों को सम्मानपूर्वक अन्नदान किया गया। उपस्थित सदस्यों ने सेवा कार्य में सक्रिय सहभागिता निभाई और समाजहित में निरंतर योगदान देने का संकल्प दोहराया।

आज आज की सेवा स्वर्गीय श्री मधु सुदन जी गुप्ता की पुण्यतिथि पर मैसर्स इंद्र लाल बालमुकुंद जेम्स एंड ज्वेलर्स की ओर से की गई।

इस अवसर पर सतीश कुमार गुप्ता, रामप्रकाश अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, रोहित अग्रवाल, सुमन अग्रवाल, ई-जगन (चंपापेट), महेश गुप्ता, सुशील गुप्ता, शीतल गुप्ता, मनीष गुप्ता, निशा गुप्ता, भाकर राम कुमावत, कमला देवी कुमावत, प्रीतिका अग्रवाल, सुरेश सिंघल, जयप्रकाश सरडा, गौरव गोयल, मनीष अग्रवाल, महेश अग्रवाल सहित अन्य सदस्यगण की गरिमामयी उपस्थिति रही।

मराठी महाविद्यालय पूर्व छात्र सम्मेलन 29 मार्च को

हैदराबाद, 17 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। मराठी महाविद्यालय, बड़ी चावड़ी सुल्तान बाजार का पूर्व छात्र सम्मेलन आगामी 29 मार्च 2026 को प्रातः 9 बजे से सायं 5 बजे तक काचीगुड़ा (रिलायंस बिल्डिंग, काचीगुड़ा रेलवे स्टेशन के समीप) स्थित होटल बालाजी में भव्य रूप से आयोजित किया जाएगा।

प्रचार सचिव एस. विक्रमराजू ने एक प्रेस वक्तव्य में बताया कि इस मौके पर तेलंगाना मराठी साहित्य परिषद् की अध्यक्ष डॉ. विद्या देवधर मुख्य अतिथि तथा मराठी महाविद्यालय की वरिष्ठ प्रोफेसर डॉ. उमा दादेगावकर विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगी। इस अवसर पर महाविद्यालय के पूर्व प्राचार्य मराठी हृदय सम्राट सुरेश कुलकर्णी का विशेष सम्मान किया जाएगा। कार्यक्रम में नरसिंग गवते, बालाजी वाडीकर, चन्द्रशेखर घरणीकर, भरत डामरे, अनिल बिरादार, संतोष पिंपले, संदीप, श्रीहरि जाधव आदि संबल नृत्य प्रस्तुत करेंगे तथा छात्रा संयोजिका श्रीदेवी, श्वेता, वीणा नाईक आदि प्राचार्या शैलजा जोशी को पथ प्रदर्शक रूप में दायित्व प्रदान करेंगी. महाविद्यालय के सभी पूर्व छात्रों से कार्यक्रम में सम्मिलित होने का अनुरोध है। इस संबंध में अधिक जानकारी के लिए प्रकाश ढवले से फोन नंबर 9949246966 से संपर्क किया जा सकता है।

कुमावत समाज ट्रस्ट का भव्य होली उत्सव 26 से

03 मार्च को धुलंडी पर ढूंढ उत्सव

हैदराबाद, 17 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। कुमावत समाज ट्रस्ट हैदराबाद, तेलंगाना की कार्यकारिणी की महत्वपूर्ण बैठक रविवार सायं आयोजित की गई। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि समाज का भव्य होली उत्सव 26 फरवरी 2026 से 2 मार्च 2026 तक निर्माणाधीन समाज भवन, मलारदेवपल्ली में आयोजित किया जाएगा।

बैठक में यह भी तय किया गया कि 26 फरवरी से 2 मार्च तक प्रतिदिन गैर नृत्य कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। वहीं 3 मार्च 2026 को धुलंडी के अवसर पर पारंपरिक ढूंढ उत्सव धूमधाम से मनाया जाएगा।

बैठक में समाज के अध्यक्ष भाकर राम लारना, संरक्षक प्रकाश चंद अलोदिया, सचिव संजय कुमार बाकरेचा, उपाध्यक्ष जोगाराम बाकरेचा एवं राणाराम खुदाल, प्रचार मंत्री बाबूलाल खुदाल, सहप्रचार मंत्री शंकरलाल चांदोरा, संगठन मंत्री तुलसीराम बाकरेचा, सहसंगठन मंत्री श्यामलाल बाकरेचा सहित अनेक पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे।

सभी पदाधिकारियों ने होली उत्सव को पारंपरिक एवं सांस्कृतिक गरिमा के साथ आयोजित करने पर सहमति व्यक्त की तथा समाज बंधुओं की अधिकतम भागीदारी सुनिश्चित करने का आह्वान किया।

इस अवसर पर निर्माणाधीन भवन में ऊर्जा प्रकाशित कक्ष निर्माण में सहयोग प्रदान करने वाले भामाशाह श्री दिनेश जी एकलिया (किशनबाग) तथा धाराराम जी, श्यामलाल जी, गणेश राम जी खुदाल (गोलीगुडा चमन) का साल ओढ़ाकर सम्मान किया गया।

अध्यक्ष भाकर राम लारना ने सभी समाज बंधुओं से होली उत्सव में अधिक से अधिक संख्या में भाग लेकर कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि यह उत्सव समाज की एकता, परंपरा और सांस्कृतिक विरासत को सशक्त बनाने का अवसर है।

नरसिंग दास आत्माराम बड़ागाँव वाला परिवार द्वारा अन्नप्रसाद आयोजित

हैदराबाद, 17 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। नरसिंग दास आत्माराम, बड़ागाँव वाले परिवार द्वारा बंजारा हिल्स स्थित गोल्उन टेम्पल में अमावस्या के अवसर पर लगभग 400 स्थानीय निवासियों को अन्नप्रसाद वितरित किया गया।

परिवार के वरिष्ठ सदस्य मुकुंद लाल अग्रवाल ने एक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि परिवार द्वारा प्रत्येक माह अन्नप्रसाद का वितरण किया जाता है।

मंगलवार को वितरित किए गए प्रसाद में चावल, सांभर, चटनी, सब्जी, छाछ एवं बूंदी के लड्डू शामिल थे। श्रद्धालुओं एवं स्थानीय निवासियों ने प्रसाद ग्रहण कर आशीर्वाद प्राप्त किया। मुकुंद लाल अग्रवाल ने बताया कि पिछले 29 माह से गोल्डन टेंपल में नियमित रूप से अन्नप्रसाद का वितरण किया जा रहा है।इस अवसर पर परिवार के सदस्य मुकुंद लाल अग्रवाल, ओम प्रकाश अग्रवाल, श्रीमती संतोष अग्रवाल, माया अग्रवाल, ललिता अग्रवाल, सुनीता कनोडिया आदि ने सेवा प्रदान की। कार्यक्रम सामाजिक सेवा और धार्मिक आस्था के भाव के साथ संपन्न हुआ।

DAILY शुभ लाभ Classifieds FIND BUY SELL

CHANGE OF NAME
I, N PURNA,(Existing Name of Spouse)is legally wedded spouse of Service No. 667775G, Rank: Ex. SGT, Name: NALAM RAMA KRISHNA, presently residing at H.No. 1-5-1140/19/B/302, SAI DHANA SAI PRAKRUTHI, PRESIDENCY AVENUE, Near HARSHA HOSPITAL, Pet Basheerabad, Suchitra Junction, Dist: Medchal - Malkajgiri, State: Telangana -500067, I have changed my name from N PURNA, (Old Name) to NALAM PURNA, (New Name)

CHANGE OF NAME
I, Service No.JC 736413F Nb/Sub KAMAL LOCHAN DHALL of Adm Bn, AOC Centre, Secunderabad, C/o.56 APO that my mother name is to be changed from DUTIKA DHALL to DUTIKA DHAL.

CHANGE OF NAME & DOB
I, CHINTHALAPUDI VENGAMMA Mother of Service No. 15678295X Hav (EFS) CH SIVANAGENDRAMU, Resident of Vill:Basireddy Pally, PO:Chandalur, Teh:Darsi, Dist:Prakasam, Andhra Pradesh-523304 have changed my name and DOB from CHINTHALAPUDI VENGAMMA, DOB:01-07-1962 to CHINTALAPUDI VENGAMMA, DOB:01-01-1965 vide affidavit dt:17-02-2026 before CVN Ramakrishna, Advocate and Notary, Secunderabad.

CHANGE OF NAME
I, SAWANT BABITAI DADA Mother of Service No. 21002602X Hav (CLK SD) SAWANT MANOJ DADA, Resident of Vill:Kokrale, Post:Kokrale, Teh:Khatav, Dist:Satara, Maharashtra-415527 have changed my name from SAWANT BABITAI DADA to BEBITAI DADASO SAWANT vide affidavit dt 17-2-2026 before CVN Ramakrishna, Advocate and Notary, Secunderabad.

CHANGE OF NAME
I, SAWANT DADA TANAJI Father of Service No. 21002602X Hav (CLK SD) SAWANT MANOJ DADA, Resident of Vill:Kokrale, Post:Kokrale, Teh:Khatav, Dist:Satara, Maharashtra-415527 have changed my name from SAWANT DADA TANAJI to DADA TANYABA SAVANT vide affidavit dt 17-22026 before CVN Ramakrishna, Advocate and Notary, Secunderabad

CHANGE OF NAME
I, RANJINI Spouse of Service No. 618482T Ex.Sgt CHANAMMGARAM NARSIMHA REDDY, Residing at H.No.1-12-172A Chinna Thokatta, Bowenpally-500011, Medchal Malkajgiri District, Telangana have changed my name from RANJINI to CHANAMMGARAM RANJINI vide affidavit dt:16-2-2026 before 1 Spl Judicial Magistrate, Medchal Malkajgiri Dist at L.B.Nagar.

CHANGE OF DOB
I, ARANGI RAJARAO Father of Service No. 2621386H Sep ARANGI KARUVADU, Residing at 1-57, Main Street, Vill:Jogipanthulapeta, Teh:Ambalavalasa, Dist:Srikakulam, Andhra Pradesh-532405 have changed my Date of Birth from 20-04-1970 to 01-01-1964 vide affidavit dt:17-2-2026 before G.Shobha, Advocate and Notary, Brahmanwadi, Begumpet, Hyderabad.

CHANGE OF DOB
I, ARANGI APPANNAMMA Mother of Service No. 2621386H Sep ARANGI KARUVADU, Residing at 1-57, Main Street, Vill:Jogipanthulapeta, Teh:Ambalavalasa, Dist:Srikakulam, Andhra Pradesh-532405 have changed my Date of Birth from 03-10-1975 to 01-01-1976 vide affidavit dt:17-2-2026 before G.Shobha, Advocate and Notary, Brahmanwadi, Begumpet, Hyderabad.

CHANGE OF NAME
I, SAROJA is legally wedded Spouse of Service No-14661110Y, Rank-HAV Name-Kempanna Bhimannavar Residing at H.No-46, Naikwadi Tq Gokak, VTC-Konnur (Rural),PO-Maradimath,Distt-Belgaum, State-Karnataka, PIN-591231. I have changed my name from SAROJA to SAROJA BHIMANNAVAR and date of birth is 21/09/1985 add in my husband service documents vide Affidavit dated 16 Feb 2026 before X Spl Judicial Magistrate Hyderabad

राजराजेश्वरी आयुर्वेद कॉलेज, अस्पताल और पीजी सेंटर के छात्रों ने किया एनआईआईएमएच का शैक्षणिक दौरा

हैदराबाद, 17 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। आयुर्वेद चिकित्सा की उन्नति को समझने और प्रेरणा प्राप्त करने के उद्देश्य से कर्नाटक के बीदर स्थित राजराजेश्वरी आयुर्वेद कॉलेज, अस्पताल और पी.जी. सेंटर के पी.जी. प्रथम वर्ष के छात्र-छात्राओं ने गड्डीअन्नारम स्थित राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा संपदा संस्थान का शैक्षणिक दौरा किया। यह दौरा डॉ. के. रविंदर और एम. शिवकृष्णा के पर्यवेक्षण में संपन्न हुआ।इस अवसर पर संस्थान के सहायक निदेशक डॉ. जी. पी. प्रसाद, डॉ. संतोष माने, डॉ. वी. श्रीदेवी (अनुसंधान अधिकारी0आयुर्वेद) तथा डॉ. टी. साकेत राम (अनुसंधान अधिकारी0आयुर्वेद) ने छात्रों को भारतीय चिकित्सा पद्धतियों की प्रगति, आयुष मंत्रालय के तहत संचालित सीसीआरएएस तथा भारत सरकार के अन्य आयुष संस्थानों की गतिविधियों के बारे में विस्तृत जानकारी दी।

संस्थान के अधिकारियों ने छात्रों को पुस्तकालय में उपलब्ध प्राचीन ग्रंथों, संग्रहालय में संरक्षित ताड़पत्रों तथा चिकित्सा इतिहास से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों के बारे में विस्तार से अवगत कराया।कार्यक्रम में के. श्रीनिवासाराव (पुस्तकालय अध्यक्ष), वर्षकुमारी (एलआईए) तथा राजराजेश्वरी आयुर्वेद कॉलेज के छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।यह शैक्षणिक भ्रमण छात्रों के लिए आयुर्वेद के इतिहास, अनुसंधान और आधुनिक विकास की समझ को सुदृढ़ करने की दिशा में महत्वपूर्ण साबित हुआ।

नगर निकाय चुनावों में कांग्रेस का परचम

5 नगर निगम और 82 नगरपालिकाओं पर जमाया कब्जा

हैदराबाद, 17 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो) । तेलंगाना के शहरी स्थानीय निकाय चुनावों के बाद हुए शक्ति प्रदर्शन में सत्ताधारी कांग्रेस सबसे बड़ी ताकत बनकर उभरी है। कांग्रेस ने संख्या बल, रणनीतिक बातचीत और क्रॉस-पार्टी समर्थन के दम पर अधिकांश मेयर और अध्यक्ष पदों पर कब्जा कर लिया है। इन अप्रत्यक्ष चुनावों में स्थानीय समीकरणों ने राज्य-स्तरीय राजनीतिक सीमाओं को पीछे छोड़ दिया।

कुल सात नगर निगमों में से कांग्रेस ने पाँच मेयर पदों पर जीत हासिल की, जबकि भाजपा को एक पद मिला और बीआरएस (इठड) का खाता भी नहीं खुल सका। कोत्तागुडेम में कांग्रेस के साथ गठबंधन के तहत पहले ढाई साल के लिए मेयर पद सीपीआई के पास गया है। नगरपालिकाओं की स्थिति इस प्रकार रही: कांग्रेस: 82 अध्यक्ष पद। बीआरएस : 17 अध्यक्ष पद। भाजपा : 1 अध्यक्ष पद, 7 उपाध्यक्ष और 1 डिप्टी मेयर पद। एआईएमआईएम : 1 डिप्टी मेयर और 2 उपाध्यक्ष पद। अन्य: निर्दलीयों ने 5, ऑल इंडिया फॉरवर्ड ब्लॉक ने 2 और सीपीएम (सीपीएम) ने 1 उपाध्यक्ष पद जीता।

अजीबोगरीब गठबंधन: विचारधारा पर भारी पड़ा स्थानीय समीकरण

जमीनी स्तर पर कई निकायों में प्रतिद्वंद्वी पार्टियों के बीच अप्रत्याशित गठबंधन देखे गए। जहां किसी भी दल को स्पष्ट बहुमत नहीं मिला, वहां विचारधारा को दरकिनार कर दिया गया।

येलमपेट: अध्यक्ष बीआरएस से और उपाध्यक्ष भाजपा से।

वेमुलावाड़ा: अध्यक्ष कांग्रेस और उपाध्यक्ष बीआरएस से।

आलियाबाद: यहाँ कांग्रेस और भाजपा के उम्मीदवारों ने हाथ मिलाया।

निज़ामाबाद: यहाँ एक बीआरएस कॉर्पोरेटर ने कांग्रेस के पक्ष में मतदान किया।

कांग्रेस की ऐतिहासिक जीत पर नेताओं की प्रतिक्रिया

उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क ने इसे एक ऐतिहासिक जीत बताते हुए कहा कि यह परिणाम उन लोगों को करारा जवाब है जो कांग्रेस को केवल ग्रामीण पार्टी कहते थे। उन्होंने कहा, शहरी मतदाताओं ने रेवंत रेड्डी सरकार के कल्याणकारी एजेंडे पर भरोसा जताया है। वहीं, सिंचाई मंत्री एन. उत्तम कुमार रेड्डी ने इसे सरकार के प्रदर्शन पर जनमत संग्रह करार दिया। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष बी. महेश कुमार गौड़ ने दावा किया कि सहयोगियों और निर्दलीयों को मिलाकर पार्टी ने 95% निकायों में जीत दर्ज की है।

विपक्ष के आरोप और एक्स-ऑफिसियो वोटों का खेल

बीआरएस नेता टी. हरीश राव ने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने बीआरएस को बाहर रखने के लिए भाजपा के साथ अनौपचारिक समझौता किया। दूसरी ओर, केंद्रीय गृह राज्य मंत्री बंडी संजय ने कांग्रेस, बीआरएस और एआईएमआईएम पर भाजपा को हराने के लिए हाथ मिलाने का आरोप लगाया। निज़ामाबाद, करीमनगर और कोत्तागुडेम जैसे स्थानों पर त्रिशंकु परिणाम आने के कारण एक्स-ऑफिसियो (पदेन) वोट और चुनाव बाद के गठबंधन निर्णायक साबित हुए।

हैदराबाद में बेमौसम बारिश की आहट

ओलावृष्टि और धुंध को लेकर आईएमडी का अलर्ट

हैदराबाद, 17 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। हैदराबाद सहित तेलंगाना के कई जिलों में बेमौसम बारिश होने की संभावना है, जो साल 2026 में इस तरह के मौसम का पहला दौर होगा। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने आगामी दिनों में बारिश और ओलावृष्टि के साथ-साथ धुंध भरी स्थिति का पूर्वानुमान जताया है, जिसके लिए निवासियों को तैयार रहने की सलाह दी गई है।

22 से 24 फरवरी के बीच गरज-चमक के साथ बौछारें

अगले सप्ताह के दौरान राज्य में 20 से 40 मिमी तक बारिश होने की उम्मीद है। सटीक पूर्वानुमानों के लिए जाने जाने वाले मौसम विशेषज्ञ टी. बालाजी के अनुसार, 22, 23 और 24 फरवरी को पूरे तेलंगाना में गरज-चमक के साथ छींटे पड़ने की संभावना है। इस अवधि के दौरान कई जिलों में मौसम के मिजाज में बड़े बदलाव देखे जा सकते हैं।

मौसम विभाग और विशेषज्ञों के अनुसार, निम्नलिखित क्षेत्रों में बारिश और ओलावृष्टि की संभावना अधिक है: हैदराबाद और वरंगल, सिद्दिपेट और खम्मम, करीमनगर और सूर्यापेट और भद्राचलम और अन्य पड़ोसी जिले हैं।

पूर्वानुमान में कहा गया है कि कुछ स्थानों पर 20-40 मिमी तक वर्षा संचित हो सकती है। इस बीच, स्थानीय निवासी सप्ताह के आगे बढ़ने के साथ मौसम के अपडेट पर पैनी नजर रखे हुए हैं।

कम दृश्यता और यात्रा संबंधी सावधानियां

हालांकि मौसम विभाग ने अभी तक कोई औपचारिक अलर्ट जारी नहीं किया है, लेकिन भविष्यवाणी के अनुसार 20 फरवरी तक सुबह और रात के घंटों के दौरान धुंध या कोहरा छाए रहने की संभावना है। इसके परिणामस्वरूप, दिन के शुरुआती और देर के घंटों में दृश्यता कम रह सकती है।

बेमौसम बारिश और ओलावृष्टि के पूर्वानुमान को देखते हुए, निवासियों को अगले सप्ताह के लिए अपनी यात्रा की योजना सावधानीपूर्वक बनाने की सलाह दी गई है। अचानक होने वाली बारिश और ओलों से दैनिक दिनचर्या प्रभावित हो सकती है, इसलिए लोगों से आधिकारिक पूर्वानुमानों और स्थानीय मौसम के घटनाक्रमों से अपडेट रहने का आग्रह किया गया है।

28वीं पुण्यतिथि

स्व. श्री नथमल जी अग्रवाल

स्वर्गवास दि. 18.02.1998

आपके बिना हर खुशी अधूरी है, जिन्दगी पूरी सूनी है।
आपकी याद, हर पल हमारी आँखें नम कर देती है।

----- श्रद्धांजलि अर्पितकर्ता -----

सुरेश कुमार-कृष्णाबाई, पुष्पा अग्रवाल
रमेश-रेखा, नंदलाल-रीटा (पुत्र-पुत्रवधु)
अनुप-सीमा, मयुर-नीशा, पीयुष-श्वेता, मृदुल-संजना
मोहित-नेहा, लोकेश-स्वाति, प्रद्युत-नीकिता (पौत्र-पौत्रवधु), पुरु (पौत्र),
नयन, रचित, आरुष, विहान, निश्चय, हृदय, पनव (पड़-पौत्र)
सेजल, काव्या, दिया, ईरा, दितवी, ध्रिया (पड़-पौत्री)

नथमल सुरेश कुमार बसईवाले

महेन्द्रा हिल्स, सिकंदराबाद

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.